बालाघाट एक्सप्रेस

बालाघाट
सोमवार 23 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 268
पृष्ठ 12
हिन्दी दैनिक
मूल्य ₹ 7.00
PMG
E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

अमेरिका ने बताया-

ईरान के एटमी ठिकानों पर हमला

125 जेट भेजे, इनमें 7 B-2 बॉम्बर; 3 न्यूक्लियर साइट्स पर 14,000 किलो के दर्जनभर बम गिराए

तेहरान/तेल अवीव । अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ।

ईरान पर हमले के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हमले की डिटेल दी है। जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने बताया कि इस मिशन में 125 एयरक्राफ्ट शामिल थे।

इस ऑपरेशन में 7 B-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बस्टर बम गिराए।

ट्रम्प बोले- ईरान के न्यूक्लियर साइट्स तबाह किए इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स obliterate यानी० कि पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करनी चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे।

ईरान में 13 जून से अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत

इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 10वां दिन है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं।

हालांकि ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिकों के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 21 जून तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं।

ईरान से देर रात 290 भारतीय को लेकर विमान दिल्ली पहुंचा, अब तक सैकड़ों लौटे

ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक कुल 1,117 भारतीयों को निकाला गया है। मशहद से एक और विमान शनिवार देर रात 290 नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा। इससे पहले शाम 4.30 बजे 310 नागरिकों का जत्था दिल्ली आया था।

बता दें वहीं 20 जून को रात 2 बैच में 407 भारतीय लौटे थे। रात 10:30 बजे की फ्लाइट में 190 कश्मीरी छात्रों समेत 290 लोगों की भारत वापसी हुई थी। इनमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के नागरिक थे। देर रात 3 बजे की फ्लाइट में 117 लोग आए थे। वहीं 19 जून को 110 छात्र आर्मेनिया और दोहा के रास्ते भारत पहुंचे थे। ईरान से लौटे यात्री मोहम्मद अशफाक ने कहा अपने देश लौटकर अच्छा लग रहा है। वहां भारतीय दूतावास ने हमारी काफी मदद की, मैं उनका शुक्रगुजार हूं। वहीं उस्ताक जो कश्मीर से हैं उन्होंने कहा कि ईरान में हालात ठीक नहीं हैं। हम भारत सरकार, कश्मीर प्रशासन और दूतावास के बहुत शुक्रगुजार हैं। यहां लौटे सभी नागरिकों ने भारत माता की जय के नारे लगाए और देश की सरजमीं पर सजदा किया। सैयद निहाल हैदर ने कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। जब हम वहां थे, तो लगा जैसे फंस गए हैं, लेकिन भारत सरकार ने हमारे लिए अच्छे इंतजाम किए। वहीं फातिमा ने कहा कि मैं पीएम मोदी का शुक्रिया अदा करती हूं। अब अपने देश वापस आकर मुझे सुकून महसूस हो रहा है।

खास खबर

1100 का पत्थर, 7.50 लाख का जुर्माना

भोपाल। 15 मई 2024 को वन विभाग ने रायसेन जिले के तुम्डा खेड़ा के जंगल मे ट्रैक्टर ट्राली में पत्थर एकत्रित कर रहे तीन लोगों को मौके से पकड़ा। उनके पास से फावड़े, तगाड़ी को जब्त किया। जांच में ट्राली में 100 घनफुट पत्थर को जप्त किया गया। वन विभाग ने ट्रैक्टर और ट्राली को भी जप्त कर लिया। जिसकी कीमत 7। 50 लाख रुपए बताई गई है। वन विभाग ने ट्रैक्टर को राजसात करने के आदेश दिए थे। इस मामले में जिला अदालत ने फैसला सुनाया है।अदालत ने अपने आदेश में कहा,मात्र ?1100 के पत्थर पर 7। 50 लाख रुपए का जुर्माना अनुचित और कठोर प्रतीत होता है। न्यायालय ने वन विभाग को निर्देश दिया है, वह उपयुक्त दंड पर विचार करे।

फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसका

चेन्नई। तमिलनाडु के होसुर में एक फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसक गया। इससे सड़क पर करीब तीन किमी लंबा जाम लग गया। वाहनों को सर्विस रोड का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। यह फ्लाईओवर बेंगलुरु-चेन्नई नेशनल हाईवे पर बना है और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से सिर्फ 40 किमी दूर है। सुरक्षा कारणों से फ्लाईओवर पर बेंगलुरु जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया। पुलिस ने बताया कि एक्सपर्ट्स का एक पैनल होसुर फ्लाईओवर की जांच करेगा।

एयरपोर्ट पर 16 करोड़ का सोना बरामद

मुंबई। मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट

ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 16 करोड़ की कीमत का हाइड्रोपोनिक वीड और गोल्ड डस्ट (चूरा) जब्त किया। 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, इनमें दो लोग एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट कर्मचारियों के तस्करी में शामिल होने गुप्त सूचना मिली थी। दोनों की जांच की गई। इस दौरान उनकी जेब और मोजे में छिपाई मोमबत्ती मिली। जिसके अंदर 24 कैरेट सोने का चूरा छिपाया गया था।

पहलगाम हमले के आतंकियों को पनाह देने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एनआईए ने रविवार को पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को पनाह देने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों पहलगाम के रहने वाले हैं। एनआईए ने अपने बयान में कहा कि पहलगाम के बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल तीन आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है। दोनों ने ये बताया कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे। बता दें पहलगाम में आतंकी हमले में 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई कर कई आतंकियों को ढेर कर दिया था।

मुंबई और चेन्नई में सीबीआई की छापेमारी, 800 करोड़ का भ्रष्टाचार, जेएनपीए के पूर्व मुख्य प्रबंधक समेत चार पर एफआईआर

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने खुलासा किया है कि जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक, निजी व्यक्तियों और संस्थाओं ने 800 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। इस मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार और वित्तीय धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने मुंबई और चेन्नई में पांच जगहों पर छापेमारी कर कार्रवाई भी की है। जेएनपीए के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक सुनील कुमार मडभवी (पीपी डब्ल्यूडी), टीसीई के परियोजना निदेशक देवदत्त बोस, मेसर्स टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (मुंबई), मेसर्स बोसकलीसमेंट डेवलपमेंट इंडिया (मुंबई) और मेसर्स जान दे नुल ड्रेजिंग (चेन्नई) और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जेएनपीए के तत्कालीन अधिकारियों और दो निजी कंपनियों ने अपराध की साजिश रची थी। इसमें दो कंपनियां भी शामिल थीं। सीबीआई ने इस मामले में जून 2022 में प्रारंभिक जांच शुरू की थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी कंपनियों को न्हावा शेवा में जेएनपीटी में जहाजों के लिए मार्ग की गहराई बढ़ाने का ठेका दिया गया था। इस परियोजना के लिए एक निजी परामर्श कंपनी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया गया था।

झूठे दावों के आधार पर भुगतान की गई राशि

परियोजना के चरण-1 में, मार्ग की गहराई बढ़ाई गई और गाद निकाली गई। इस दौरान झूठे दावों के आधार पर 365.9 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। पहले चरण में, यह काम 2010 से 2014 के बीच और दूसरे चरण में 2012 से 2019 के बीच किया जाना दिखाया गया था। दोनों चरणों में 2012 से 2014 के बीच रखरखाव की अवधि समान थी। फिर भी, उस अवधि के दौरान 438 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान किया गया था। इससे, सीबीआई जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि बड़ी मात्रा में धन का भुगतान किया गया था, जबकि वास्तव में पहले चरण में कोई अतिरिक्त खुदाई या गाद हटाने का काम नहीं किया गया था। इस मामले में गहन जांच चल रही है।

कुछ और लोग रडार पर

इस मामले में सीबीआई ने मुंबई और चेन्नई में पांच जगहों पर छापेमारी की। इनमें जेएनपीए के एक अधिकारी का घर, एक कंसल्टिंग कंपनी का दफ्तर और निजी कंपनियों के दफ्तर शामिल हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- बारिश में भी नक्सलियों को सोने नहीं देंगे

रायपुर। देश-प्रदेश से मार्च 2026 तक लाल आतंक को खत्म करने का लक्ष्य लेकर चल रही केंद्र सरकार के कड़े रुख को एक बार फिर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले बारिश में नक्सलियों को आराम मिल जाता था, लेकिन इस बार बारिश में नक्सलियों को सोने नहीं देंगे। बारिश में भी पूरी ताकत से छत्तीसगढ़ में एंटी-नक्सल ऑपरेशन चलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले डेढ़ सालों में विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति की है। मगर छत्तीसगढ़ में विष्णु देव की सरकार और गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि है, जो एक रुके हुए नक्सल विरोधी अभियान को द्रुत गति से चलाया और छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़े। इन दोनों नक्सल विरोधी अभियान को धार दी, बल्कि समय-समय पर मार्गदर्शन दिया, पुलिस का हौसला बढ़ाया, मैं भारत सरकार की ओर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूं।

31 मार्च 26 तक नक्सल मुक्त होगा देश

शाह ने कहा कि मैंने छत्तीसगढ़ में, इसी नवा रायपुर में, अटल नगर में कहा था कि 31-3-26 तक यह देश नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आज मैं फिर यह बात विश्वास के साथ दोहराना चाहता हूं कि जिस तरह से सुरक्षाबलों ने पराक्रम किया है, सूचना एजेंसियों ने सटिक रणनीति बनाई है, हम इस लक्ष्य को सिद्ध करके रहेंगे। आज छत्तीसगढ़ वासियों को कहकर जाता हूं, कि हर बार बारिश में नक्सली थोड़ा आराम कर लेते थे,

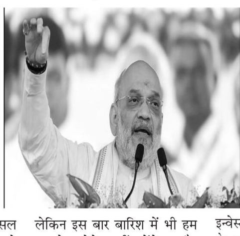

लेकिन इस बार बारिश में भी हम उनको सोने नहीं देंगे। और 31 मार्च के लक्ष्य को हम आगे बढ़ाएंगे।

सरेंडर के लिए नहीं मिलेगा इससे अच्छा मौक

इसके साथ गृह मंत्री ने नक्सलवाद के रास्ते पर भटककर चले गए युवाओं से अपील की कि विष्णु देव सरकार ने बहुत लुभावनी आत्मसमर्पण नीति बनाई है। आइए, हथियार डाल दिजिए, और नए छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में जुड़ जाइए। इससे अच्छा सरेंडर करने का मौका कभी नहीं मिलेगा। कोई चर्चा की आवश्यकता नहीं है। सरकार पर भरोसा करिए, हथियार डालिए, और मेनस्ट्रीम में जुड़ जाइए। और छत्तीसगढ़ की विकासयात्रा में आप अपने आप जुड़ जाएंगे। ढेर सारे लोगों ने हथियार डाले हैं, उनका सामाजिक जीवन में मन से स्वागत करता हूं। विश्वास दिलाता हूं कि केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार ने किया है, उन वादों को पूरा करेंगे, और उससे अधिक भी आपकी सहायता करने का प्रयास करेंगे।

युवाओं से उद्योग साहसिक होने की अपील

छत्तीसगढ़ आईहब के उद्घाटन का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि विष्णु देव साय ने नेतृत्व में सरकार बनने के बाद हाल ही में इन्वेस्टर्स समिट में 5 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए। ढेर सारी इण्डस्ट्री छत्तीसगढ़ में आ रहा है। लेकिन छत्तीसगढ़ के युवा को बताने आया हूं, जब तक छत्तीसगढ़ के युवा उद्योग साहसिक नहीं होंगे, तब तक छत्तीसगढ़ में औद्योगिक क्रांति नहीं होगी। कोई बाहर से यहां आकर यहा इण्डस्ट्री डालेगा, रोजगार बढ़ेगा, रेवेन्यू बढ़ेगा, संभावनाएं भी बढ़ेंगी, लेकिन जिस दिन छत्तीसगढ़ का युवा एमएसएमई का उद्योगपति बनेगा, खुद अपना स्टार्टअप तैयार करेगा। और इससे माध्यम से उद्योग साहसिकता की संस्कृति खड़ी करेगा, तब तक छत्तीसगढ़ का विकास नहीं हो सकता।

कैब में महिला पायलट का यौन शोषण

मुंबई। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण के आरोप में मामला दर्ज किया है। घटना शुक्रवार रात करीब 11:15 बजे की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहता है, जबकि वह घाटकोपर में रहती है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 75(1), 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

जांच की आड़ में कुख्यात अपराधियों के घर में नहीं घुस सकती पुलिस- हाईकोर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस को जांच की आड़ में संदिग्ध व्यक्तियों और कुख्यात अपराधियों के दरवाजे खटखटाने या रात में उनके घरों में घुसने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने यह फैसला एक व्यक्ति की याचिका पर सुनाया। जिस याचिका में आरोप लगाया गया है कि उस व्यक्ति ने पुलिस अधिकारियों को तब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका, जब पुलिस ने उसे कुख्यात अपराधियों से जुड़ी जांच के दौरान देर रात घर से बाहर आने को कहा था।

याचिका स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे संबंधित सभी कार्यवाही को रद्द कर दिया और कहा कि जांच की आड़ में पुलिस कुख्यात अपराधियों के दरवाजे नहीं खटखटा सकती या उनके घरों में जबरन नहीं घुस सकती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को यह समझना चाहिए कि घर की अवधारणा आवास के रूप में अपनी भौतिक अभिव्यक्ति से परे है और भावनात्मक एवं सामाजिक आयामों के एक समृद्ध ताने-बाने को समेटे हुए है।

कोर्ट ने कहा कि दूसरे शब्दों कहे कि हर आदमी का घर उसका महल या मंदिर होता है। किसी व्यक्ति के जीवन के अधिकार में गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है और गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अक्षर योग केंद्र ने बनाए 12 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

बेंगलुरु। बेंगलुरु स्थित अक्षर योग केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उसने 12 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किए। यह अभूतपूर्व उपलब्धि हिमालयन सिद्ध अक्षर जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई, जो केंद्र के संस्थापक और आध्यात्मिक प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित रिकॉर्ड-ब्रेकिंग आयोजन में 30 से अधिक देशों से आए 2,500 से अधिक योग साधकों ने भाग लिया। इन देशों में ताइवान, मलेशिया, हांगकांग, इटली, अमेरिका, यूके, दुबई, साइप्रस और सिंगापुर जैसे नाम शामिल हैं। इस विविध और भव्य समारोह में भारतीय सेना, वायुसेना, कर्नाटक पुलिस, एनसीसी कैडेट्स, विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति, अनाथालयों के बच्चे, कॉर्पोरेट और व्यवसायिक क्षेत्र के प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय योग समुदाय के सदस्य शामिल थे। यह आयोजन अक्षर योग केंद्र के वैश्विक स्तर पर संरचित और सुलभ योग शिक्षा को फैलाने के मिशन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा योग संस्था श्रेणी में मान्यता प्राप्त अखिलभारतीय निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्था प्राचीन योग परंपराओं को आधुनिक संदर्भों के साथ जोड़ते हुए निरंतर विशाल योग अभियानों की अगुआई कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अरावली क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर शिकंजा

एनसीआर में 6500 फॉर्म हाउस-बैंक्वेट हॉल होंगे ध्वस्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वन विभाग ने अरावली क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर शिकंजा कस दिया है। इसके तहत लगभग 10 दिन में 60 से ज्यादा फॉर्म हाउस, बैंक्वेट हॉल तोड़े जा चुके हैं। इसमें एक भाजपा नेता का फॉर्म हाउस भी शामिल है। इसके अलावा जो भी फॉर्म हाउस और बैंक्वेट हॉलों को तोड़ने का नोटिस दिया गया है। वह ज्यादतर अधिकारियों और नेताओं के कब्जे वाले हैं। यह कार्रवाई वन विभाग सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कर रहा है। वन विभाग के सूत्रों की मानें तो 17 जुलाई तक अरावली क्षेत्र में करीब 6500 अवैध निर्माण तोड़े जाने हैं। इनमें ज्यादातर फॉर्म हाउस और बैंक्वेट हॉल, शिक्षण संस्थान और धार्मिक स्थल हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अवैध फार्म हाउस और बैंक्वेट हॉल के खिलाफ चल रही बुलडोजर कार्रवाई रविवार को भी अरावली क्षेत्र में जारी रही। इस दौरान वन विभाग की टीम ने एक बड़े फॉर्म हाउस को जेसीबी से ढहाने की कोशिश की, लेकिन फार्म के संचालक ने लोगों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें समझाया और शांत कराया। इसके बाद कार्रवाई को फिर से जारी रखा गया।

भाषा पर रार- भाजपा सांसद निशिकांत ने कसा राहुल पर तंज

नई दिल्ली। भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर तंज कसते हुए कहा है कि आखिर गुलामों की तरह अंग्रेजी पर गर्व क्यों करते हैं? दरअसल राहुल गांधी ने संघ और भाजपा नेताओं के अंग्रेजी पर शर्म जैसे बयान पर टिप्पणी करते हुए गरीब और वंचित तबकों के बच्चों को अंग्रेज़ी सिखाने का समर्थन किया था।

राहुल गांधी के बयान को केंद्र लेते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि रूस, चीन, फ्रांस, जापान सबको अपनी भाषा पर गर्व है। आप गुलामों की तरह अंग्रेज़ी पर क्यों गर्व करते हैं? उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेप) 2020 का विरोध कर रहे हैं, जबकि उनके पिता भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की नेप-1986 भी क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने और अंग्रेज़ी अनुवाद की ही बात करती थी। सांसद दुबे ने अपनी पोस्ट में कहा है, कि केंद्र की नई नीति से क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है और 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवल 'छोटा-सा परिष्कार' करके इसे अधिक समावेशी बनाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिल, बांग्ला, कन्नड़, संथाली जैसी भारतीय भाषाओं पर हमें गर्व है और अंग्रेज़ी को रोज़गार का एक विकल्प मानना ठीक है, लेकिन उसे श्रेष्ठता का प्रमाण बनाना मानसिक गुलामी है।

धोखाधड़ी मामले में बैंक शाखा प्रबंधक समेत तीन को 3 साल की सजा, जुर्माना भी लगाया

पटना। बिहार के पटना में सीबीआई कोर्ट ने 1991 में दर्ज एक बैंक धोखाधड़ी मामले में तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत तीन लोगों को 3 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इन लोगों पर चार लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। रविवार को पटना में सीबीआई कोर्ट ने कहा कि शनिवार को इन लोगों को सजा सुनाई। ये तीनों जिनमें मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कहुआ शाखा, दरभंगा के तत्कालीन प्रबंधक बरुण कुमार मिश्रा, मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बहेरा शाखा, मधुबनी के तत्कालीन शाखा प्रबंधक मोहन जी मिश्रा और एक निजी व्यक्ति दयानंद झा को बैंक धोखाधड़ी से संबंधित मामले में तीन साल की कठोर कारावास और 4 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

बता दें सीबीआई ने 14 अगस्त, 1991 को मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (एमकेजीबी) कोहुआ शाखा के तत्कालीन प्रभारी अधिकारी बरुण कुमार मिश्रा और मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (एमकेजीबी) कोहुआ शाखा के फील्ड ऑफिसर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि 1989-90 के दौरान एमकेजी बैंक के शाखा अधिकारी और फील्ड ऑफिसर ने आपराधिक साजिश रची और एचएसएस खाता संख्या 1114 में डेबिट और क्रेडिट प्रविष्टियों में हेरफेर करके 2,48,642 रुपए का गबन किया। इसे दयानंद झा, पुत्र शारदानंद झा और दरभंगा निवासी के नाम से दिखाया गया। जांच के बाद 30 नवंबर, 1994 को सीबीआई ने गबन के कई मामलों में दो अलग-अलग आरोप पत्र दाखिल किए। पहला आरोप पत्र पटना के विशेष न्यायाधीश सीबीआई मामलों की एलडी कोर्ट में बरुण कुमार मिश्रा, मोहन जी मिश्रा और दयानंद झा के खिलाफ दाखिल किया गया था।

कोर्ट ने सुनवाई के बाद आरोपियों को दोषी पाया और उन्हें सजा सुनाई।

स्टेट-हाइवे को नेशनल हाईवे में बदलने की रफ्तार कम करेगी सरकार

राज्य खुद सुधारेंगे सड़कें, केंद्र देगा फंड

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब स्टेट हाईवे को नेशनल हाइवे में बदलने की रफ्तार कम करने जा रही है। अब हर सड़क को नेशनल हाईवे का दर्जा नहीं मिलेगा, बल्कि राज्य सरकारों को खुद अपने हाईवे सुधारने के लिए पैसे दिए जाएंगे। नए मॉडल के तहत, अपग्रेड के बाद इन सड़कों की देख-रेख राज्य सरकारें करेंगी।

केंद्र सरकार अब ग्रीनफील्ड हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाने पर फोकस करेगी। पीएम मोदी ने हाल ही में ट्रांसपोर्ट मंत्रालय को जुलाई के अंत तक ऐसा मॉडल बनाने कहा है जिससे स्टेट हाईवे को नेशनल हाईवे डिक्लेयर करने की जरूरत ही कम हो। मंत्रालय को स्टेट हाईवे और छोटे पोर्ट्स को जोड़ने के लिए कहा गया है।

ग्रीनफील्ड हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाने पर फोकस

पिछले 11 साल में सरकार ने 55,000 किमी राज्य हाईवे को ह॥ में बदला, जिससे अब नेशनल हाइवे की कुल लंबाई 1.46 लाख किमी हो गई है। सरकार का मानना है कि नेटवर्क फैलाने के बजाय, मौजूदा हाईवे को चौड़ा और बेहतर बनाना ज्यादा जरूरी है। मार्च 2025 तक भारत में कुल सड़क नेटवर्क की लम्बाई 63 लाख किमी से ज्यादा हो चुका है।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न

अशोक बिसेन पुनः सर्व सहमति से बनाए गए अध्यक्ष

15 दिनों में जिला कार्यकारिणी गठन का लिया गया निर्णय, अधिकारी कर्मचारी सेवानिवृत पेंशन महासंघ के भी संपन्न किए गए चुनाव

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रविवार 22 जून को मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पुनर्गठन चुनाव को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। नगर के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस चुनाव संबंधी बैठक को लेकर समस्त पदाधिकारी सदस्यों से चर्चा कर, यह चुनाव सर्व सहमति से कराए जाने का निर्णय लिया गया। इस चुनावी प्रक्रिया को संपन्न करने के लिए मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ से प्रदेश मंत्री रजनीश वर्मा चुनाव अधिकारी के रूप में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।तो वही प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोज मिनोटे को सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाकर इन दोनों पदाधिकारी की प्रमुख उपस्थिति में यह चुनाव संपन्न कराया गया।जहा चुनाव के पूर्व जिलास्तरीय बैठक आयोजित की गई। जहां उपस्थित सभी पदाधिकारी सदस्यों ने चुनाव को लेकर अपनी-अपने विचार रखें तो वहीं उन्होंने सर्वप्रथम अध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष का निर्वाचन किए जाने की बात कही। जहां सर्व सहमति से अध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष का निर्वाचन कर,बाद में कार्यकारिणी का गठन किए जाने की सहमति बनी। जिसके उपरांत संगठन के पूर्व अध्यक्ष अशोक बिसेन का नाम एक बार फिर से जिला अध्यक्ष के लिए प्रस्तावित किया गया।जिसका सभी पदाधिकारी सदस्यों ने स्वागत करते हुए सर्व सहमति से उन्हें दोबारा संघ का अध्यक्ष चुना।तो वही पुराने कार्यकाल के सचिव बालेश्वर राहंगडाले भी एक बार फिर सर्व सहमति से संघ के सचिव चुने गए तो वही शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के माध्यमिक शिक्षक महेंद्र नागेश्वर के हाथों में सर्व सहमति से पहली बार मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की कमान सौपा गई है। जहां सर्व समिति से हुए इस निर्वाचन के बाद निर्वाचित पदाधिकारियो द्वारा 15 दिनों के भीतर जिला कार्यकारिणी का गठन कर इसकी घोषणा किए जाने की बात कही है।

अधिकारी कर्मचारी सेवा निवृत्ति पेंशन महासंघ का भी संपन्न कराया गया चुनाव

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के आंतरिक चुनाव संपन्न करने के तुरंत बाद इस बैठक में अधिकारी कर्मचारी सेवा निवृत्त पेंशन महासंघ के भी चुनाव संपन्न कराए गए। हालांकि इस चुनाव में पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सचिव विभिन्न कारणों के चलते उपस्थित नहीं हो सके। लेकिन इन्हीं अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति में सेवानिवृत्त पेंशन महासंघ के सर्व सहमति से चुनाव संपन्न कराए गए। जहां संपन्न कराए गए इस चुनाव में केजी बिसेन के हाथों में अधिकारी कर्मचारी सेवा निवृत्त पेंशन संघ अध्यक्ष की कमान सौपी गई।तो वही पंचम हनवंत को अधिकारी कर्मचारी सेवा निवृत्त पेंशन महासंघ का सचिव बनाया गया है। इसके अलावा इसी बैठक के दौरान सेवानिवृत शिक्षक श्री भजनलाल कटरे को कोषाध्यक्ष पद की कमान सौपी की गई है।

ओपीएस और शिक्षकों की समस्याओं का निवारण ही पहली प्राथमिकता है- बिसेन

संगठन के आंतरिक चुनाव को लेकर की गई चर्चा के दौरान मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अशोक बिसेन ने बताया कि आज मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ का जिला निर्वाचन था। प्रदेश मंत्री रजनीश वर्मा निर्वाचन अधिकारी बनकर आए थे। सभी तहसीलों विकासखंडो पदाधिकारी सदस्यों किं प्रमुख उपस्थित में एक राय लेते हुए सर्व सहमति से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की गई है। मुझे पुनः जिला अध्यक्ष बनाया गया है। हमारी प्राथमिकता सरकार से लंबित मांगों को पूरा करने की रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश संगठन के नेतृत्व में शिक्षकों की मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।जिसमें सबसे प्रमुख मांग पुरानी पेंशन बहाली की रहेगी। इसके अलावा जिला स्तर से कलेक्टर और जिला अधिकारी स्तर पर शिक्षकों की छोटी-छोटी समस्याएं हैं उनका भी निराकरण करना हमारी पहली प्राथमिकता में शामिल रहेगा।

बालाघाट डीपीआरओ श्री वास्कले हुए रिलीव, श्री पटले तीसरी बार होंगे जिला प्रभारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिला जनसम्पर्क अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र वास्कले रविवार को सम्भागीय जनसम्पर्क कार्यालय इंदौर के लिए रिलीव हो गए है। अब बालाघाट जिला प्रभारी अनिल पटले होंगे। डीपीआरओ श्री वास्कले का कार्यकाल 21 माह का रहा। श्री वास्कले ने इस दौरान शासन के विकास कार्यो के प्रचार-प्रसार कार्यो को नए रूप में प्रस्तुत किया। साथ ही प्रशासनिक रूप से कार्यालयीन व्यवस्थाओं को सुचारू रूप देने के प्रयास किये।ज्ञात हो कि श्री वास्कले का मप्र शासन की स्थानांतरण नीति के तहत उनका तबादला संभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर स्थानांतरण किया गया है। डीपीआरओ श्री वास्कले के इंदौर स्थानांतरण के बाद अब जिला जनसंपर्क कार्यालय बालाघाट की कमान पीआरओ श्री अनिल पटले संभालेंगे। वे सम्भवतः सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे।

राहुल जेमी जमईवार बने कलचुरी महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पिछले 90 वर्षों के इतिहास में पहली बार महाकौशल अंचल को गौरवशाली प्रतिनिधित्व देते हुए अखिल भारत वर्षीय हैहय कलचुरी महासभा (स्थापना वर्ष 1935) की मध्यप्रदेश राज्य कार्यकारिणी में राहुल जेमी जमईवार जिला बालाघाट को युवा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।यह नियुक्ति महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक जय नारायण चौकसे की अनुशंसा पर, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अखिल नाडर द्वारा की गई।यह नियुक्ति न केवल कलचुरी समाज के लिए गर्व का विषय है, बल्कि प्रदेश के दूरस्थ और नक्सल प्रभावित अंचल से नेतृत्व की ऐतिहासिक शुरुआत भी है। भोपाल से युवा अध्यक्ष अश्विन राय एवं प्रदेश सचिव गोकुल आर्य ने श्री जेमी को इस नियुक्ति पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। नियुक्ति के बाद राहुल जेमी ने भोपाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चौकसे से मुलाकात कर आभार जताया और समाज के सर्वांगीण विकास पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने अपनी सामाजिक यात्रा में नरेंद्र धुवारे के सतत मार्गदर्शन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल धुवारे, और भाजपा नेता रमाकांत डहाके के सहयोग को विशेष रूप से स्मरण करते हुए आभार प्रकट किया।उल्लेखनीय है कि श्री जेमी भारतीय जनता युवा मोर्चा में भी सक्रिय पदाधिकारी हैं और युवाओं में उनकी गहरी पैठ है।कलचुरी महासभा को विश्वास है कि राहुल जेमी के नेतृत्व में समाज के युवाओं को नई दिशा मिलेगी और संगठन प्रदेश में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।अखिल भारत हैहय कलचुरी महासभा को उम्मीद है कि राहुल जेमी के नेतृत्व में समाज के युवाओं को नई दिशा मिलेगी और संगठन प्रदेश में नई ऊँचाइयों को छुएगा।

समाज को जोड़ना और उत्थान ही प्रथम लक्ष्य- जेमी

इस संबंध में राहुल जेमी ने कहा कि मेरा उद्देश्य युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और प्रगतिशील कलचुरी समाज की ओर अग्रसर होना है। भगवान सहस्त्रबाहु जी के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुँचाना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

सामाजिक मिलन और प्रतिभा सम्मान समारोह का किया जाएगा आयोजन

जिला तेली साहू समाज के कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया निर्णय

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला तेली साहू समाज के कार्यकारिणी की बैठक रविवार को नगर मुख्यालय के मोतीनगर में आयोजित की गई। बैठक में स्वजातीय प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान करने और सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन करने, महिला कार्यकारिणी का पुर्नगठन करने, समाज के उत्थान के लिए नई गाइड लाइन तैयार करने, समाज में फैली कुप्रथाओं को दूर करने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। बैठक के दौरान पूर्व कार्यकारिणी से मिले मूल दस्तावेजों को उपस्थितजनों के समक्ष अवलोकन के लिए रखा गया।

इन बिंदुओं पर लिए गए आवश्यक निर्णय

बैठक में कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लिया गया कि आगामी अक्टूबर माह में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान करने, धर्मांतरण व अंतर जातीय विवाह विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसी तरह पूर्व कार्यकारिणी द्वारा प्रस्तुत अभिलेख जिसमें ऑडिट रिपोर्ट, केश बुक को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने और उसमें सभी स्वजातीय बंधुओं से विचार प्राप्त करने का तय किया गया है।ताकि आगामी बैठक में समाजिक बंधुओं से प्राप्त सुझावों पर विचार किया जा सके। इसके अलावा बैठक में यह भी तय किया गया है कि कोई भी सामाजिक बंधु अपने पूर्वजों या अन्य किसी की स्मृति या तेरहवीं जैसे कार्यक्रम में समाज में राशि दान कर सकता है।बैठक में जिला तेली साहू समाज के संरक्षण नारायण मदनकर, अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर, सचिव संतोष समरिते, सह सचिव प्रमेंद्र मानवटकर, संतोष मदनकर, कन्हैयालाल हटवार, भानेश साकुरे, योगेश तुलसीकर, ईशुलाल धावड़े, संतोष आंबिलकर, केशव बैस, कृष्ण कुमार बावनकर, कमलेश साहू, सुनील कुमार पटले, हीरालाल बावनकर, जयराम कावड़े सहित अन्य मौजूद थे।

नगर पालिका की नाली का विवाद- तीन लोगों की विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 26 प्रेम नगर निवासी रजनी सिंह बैस ने अपने मोहल्ले के अनुराग गोधे, अनुपम गोधे और नंदिनी गोधे के विरुद्ध अश्लील गालियां देने और जान से मार डालने की धमकी देने का आरोप लगाई। कोतवाली पुलिस ने रजनी सिंह बैस द्वारा की गई रिपोर्ट पर इस मामले में उक्त तीनों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 26 प्रेम नगर बालाघाट निवासी रजनी सिंह बैस घरेलू काम काज करती है।प्रेम नगर स्थित उनके मकान के बाजू में खाली प्लाट है और मकान के बाजू से ही नगर पालिका की नाली बहती है। मोहल्ले के अनुराग गोधे ने नगर पालिका में शिकायत किया था रजनी सिंह बैस द्वारा नाली बंद कर दी गई है। जिसकी जांच हेतु नगर पालिका की टीम 17 जून को निरीक्षण के लिए आई थी। इस समय मोहल्ले के अनुराग गोधे अनुपम गोधे और नंदिनी गोधे भी वहां पर आए और नगर पालिका के कर्मचारी चंदेश बाबू से नाली तोड़ने की बात कहने लगे थे।इसी बात का रजनी सिंह द्वारा विरोध की गई तो तीनों ने रजनी सिह बैस को अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियां देने लगे ।जब रजनी सिंह बैस ने उन्हें गालियां देने से मना की तो तीनों ने उन्हें ज्यादा बहस करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस घटना की रिपोर्ट रजनी सिंह पति लखन सिंह बैस 48 वर्ष वार्ड नंबर 26 प्रेम नगर बालाघाट निवासी द्वारा कोतवाली में की गई थी। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में अनुराग गोधे,अनुपम गोधेऔर नंदिनी गोधे के विरुद्ध धारा 296 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

आवश्यकता है

होटल सिटी प्राईड बालाघाट
महाराष्ट्र बैंक के बाजू में
कालीपुतली चौक, बालाघाट
महिला एवं पुरूष कर्मचारियों
की आवश्यकता है
वेतन 4 अंकों में
मो. - 9827116521

आवश्यकता है

हैदराबाद में रहने वाले लांजी के
परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम
और बच्चों की देखभाल के लिए
एक महिला की आवश्यकता है।
अवधि - 06 महीने
निःशुल्क आवास/भोजन
आकर्षक वेतन
संपर्क - 8087277467

निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज के पास मोटरसाइकिल सीमेंट के पिलर से टकराई

आर्मी का जवान सहित तीन युवक घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर से महज 3 किलोमीटर दूर वारासिवनी रोड निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज के पास वाहन को साइड देते समय एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड किनारे सीमेंट के पिलर से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार आर्मी के जवान सहित तीन युवक घायल हो गए। तीनों युवक को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया जिनमें गंभीर रूप से घायल आर्मी के जवान रवि कुमार पिता सोमलाल मेरावी 28 वर्ष ग्राम एकोड़ी थाना वारासिवनी निवासी को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया है। एक घायल युवक प्रकाश पिता नवल सिंह सलामे 22 वर्ष ग्राम बरवाही थाना बैहर निवासी का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है जबकि एक युवक अरविंद पिता गणपत सिंह सैयाम 20 वर्ष ग्राम चीनी थाना परसवाड़ा निवासी को इस दुर्घटना में मामूली चोट आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवि मरावी आर्मी में पदस्थ है जो हाल ही में छुट्टी पर अपने गांव एकोड़ी आया था। प्रकाश सलामें और अरविंद सैयाम बालाघाट सिद्धार्थ नगर बूढ़ी बालाघाट में किराए से रहकर पढ़ाई करते हैं। बताया गया कि 21 जून की रात्रि 11:30 बजे करीब प्रकाश सलामे अरविंद सैयाम मोटरसाइकिल में रवि कुमार मेरावी को उसके गांव एकोड़ी छोड़ने के लिए जा रहे थे। तभी वारासिवनी रोड पूर्व मंत्री श्री बिसेन के बंगले के पास निर्माणाधीन रेलवे का ओवरब्रिज के पास से जाते समय सामने से आ रही एक बोलेरो कार को साइड देते समय मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड किनारे सीमेंट के पिलर से टकरा गई इस दुर्घटना में तीनों युवक घायल हो गए।। तीनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जहा से गंभीर रूप से घायल रवि कुमार मरावी को जिला अस्पताल से

किराया से देना है

किराया/लीज पर देना है
1200 वर्गफुट ,हॉल
(2 हॉल) बैंक, ऑफिस,
शोरूम,अस्पताल, कार/
बाइक /शोरूम,गोदाम के
लिए सम्पर्क करें
पता-ताज कॉम्प्लेक्स नागपुर
हाईवे टच हाई स्कूल के
पास रामपायली 481335
-संपर्क-
7798392786

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

उडनदस्ता टीम की कार्यवाही पर उठ रहे सवाल

अवैध परिवहन पर 4 ट्रैक्टरो को पकड़ा, मामला रफा दफा करने मांगे 3 लाख रु

1लाख रु लेकर किया मामले का निपटारा, ग्राम सुसवा का मामला, सरपंच सहित ग्रामीणों ने उड़न दस्ता टीम पर लगाया वसूली का आरोप, अधिकारी ने किया आरोपो का खंडन, पैसों के लेनदेन से जुड़ा ऑडियो जमकर हो रहा वायरल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पिछले दिनों दक्षिण सामान्य वन मंडल परिक्षेत्र हट्टा के ग्राम सुसवा में वन विभाग की उडनदस्ता टीम ने छापामार कार्यवाही की थी ।जहां इस उड़ानदस्ता टीम ने अवैध परिवहन से जुड़े मामले में चार ट्रैक्टरों को पकड़ा था। हालांकि बिना कोई कार्यवाही किए ही इन ट्रैक्टरों को छोड़ दिया गया। ना तो ट्रैक्टर मालिको व परिवहनकर्ताओ पर प्रकरण बनाया गया। ना ही जप्ती बनाई गई और ना ही वन विभाग टीम ने इसमें कोई कार्यवाही की ।लेकिन अब इस मामले में कथित तौर पर पैसों के लेनदेन का मामला सामने आया है। जिसमें स्थानीय सरपंच ट्रैक्टर चालक मालक सहित अन्य ग्रामीणों ने छापेमार कार्यवाही करने पहुंची वन विभाग की उड़नदस्ता टीम पर ट्रैक्टरों को छोड़ने एवज में वसूली किए जाने का आरोप लगाया है ।स्थानीय सरपंच और ट्रैक्टर चालक मालक का आरोप है कि वन विभाग के उड़ान रास्ता टीम ने फर्जी तरीके से ट्रैक्टरो को पकड़ा था ।वही पैसों की मांग की थी। जहां प्रकरण ना बनाने और कोई कार्यवाही नही किए जाने के एवज मे 3 लाख रु की मांग की गई थी ।वही 1 लाख रु लेकर मामले को मौके पर ही रफा दफा किए जाने का आरोप लगाया है तो वही इस पूरे मामले में शासकीय कार्य में लगे ट्रैक्टरो को जबरन पकड़ने और ट्रैक्टर मालिकों से पैसों की वसूली किए जाने का आरोप लगाते हुए सरपंच सहित अन्य ग्रामीणों ने मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है ।उधर उड़न दस्ता टीम प्रमुख रेंजर धर्मेंद्र बिसेन द्वारा इस पूरे मामले को झूठा व बे-बुनियाद बताते हुए टीम के ऊपर लगाए गए सभी आरोपों का खंडन किया है तो वहीं उन्होंने इस पूरे मामले में सरपंच सहित अन्य पर झूठ बोलने का आरोप भी लगाया है।

पैसों के लेनदेन से जुड़ा कथित ऑडियो हुआ वायरल

उधर पैसों के लेनदेन के इस मामले का एक कथित ऑडियो भी सोशल मीडिया पर इन दिनों जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वन विभाग की टीम में शामिल एक कथित कर्मचारी, पैसों के लेनदेन की बात स्वीकारते हुए यह पैसे अपने अधिकारियों को देने की बात कह रहा है। हालांकि इस ऑडियो की पुष्टि बालाघाट एक्सप्रेस या पदमेश न्यूज द्वारा नहीं करता ।हालांकि इस ऑडियो में 1लाख की जगह 50 हजार रु की रकम लेने और देने की बात सुनाई आ रही है ।उधर सूत्र दावा कर रहे हैं की यह ऑडियो वन विभाग की छापेमारी टीम में शामिल एक कर्मचारी का है लेकिन संबंधित अधिकारियों ने इस पूरे प्रकरण और पैसों के कथित लेनदेन के आरोपो को झूठा व बे-बुनियाद बताते हुए इस पूरे मामले को ही सिरे से खारिज कर दिया है।

क्या है पूरा मामला

बताया जा रहा है कि दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र हट्टा के ग्राम सुसवा में 17 जून की सुबह 10 बजे पंचायत एंव ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक सुदूर सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। स्थानीयजनों के मुताबिक ग्राम पंचायत सुसवा के अंतर्गत बालाराम चौधरी के मकान से सूखा नाला तक बन रही सुदूर सड़क में, नाले में खराड़ी डालने व कुछ खराड़ी बारिश के पूर्व ग्राम की कच्ची सड़कों पर डालने के लिए ग्राम सुसवा निवासी रामदास पांचे अपने ट्रैक्टर से सूखानाले से खराड़ी ला रहा था,तभी बालाघाट की 4 सदस्यी उड़नदस्ता टीम ने दबिश दी और उक्त खराड़ी ला रहे 1 ट्रेक्टर सहित खेत मे खाद डालकर वापस लौट रहे 03 खाली ट्रेक्टरों को पकड़ लिया ।बताया गया कि इसी मामले को रफा दफा करने के लिए उडनदस्ता की टीम में शामिल कर्मचारियों ने 3 लाख रु की मांग की थी और 1 लाख रु लेकर मौके पर ही मामले को रफा-दफा कर दिया।

बिना अनुमति खराड़ी निकालने आरोप में पकड़े थे ट्रेक्टर

बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर पकड़ने के पश्चात घबराए ट्रेक्टरों मालिक एंव ट्रेक्टर किसान मालिको ने ग्राम पंचायत सुसवा के सरपंच प्रकाश बाहे को मामले की सुचना देते हुए बताया कि गांव से बह रहे सूखानाले से रामदास पांचे खराड़ी ला रहा था। जबकि हम तीन लोग जिनमे गोविंद पांचे, तामेश्वर बाहे व नितेश कावरे खेत में खाद डालकर खाली ट्रैक्टर लेकर वापस लौट रहे थे ।तभी बालाघाट की उड़नदस्ता टीम ने पकड़ लिया है ।जिसपर तुरंत सरपंच , उपसरपंच सहित अन्य पंचो के साथ मौका स्थल पर पहुंचे और उड़नदस्ता टीम से चर्चा की। आरोप है कि टीम ने बिना अनुमति के खराड़ी निकालने के जुर्म में 4 ट्रैक्टरों को पकड़ा है और ट्रैक्टरो को छोड़ने के एवज में रु 03 लाख रुपये की मांग की, इस खराड़ी से भरे 01 ट्रैक्टर के साथ अन्य 03 ट्रैक्टर और थे जो पूरी तरह खाली थे और खेत में खाद डालकर ओर कुछ पैरा लेकर वापस लौट रहे थे।

ग्रामीणों की उपस्थिति में दी गई 1 लाख रु की रकम?

स्थानीयजनों के मुताबिक यह मामला वन विभाग का था या राजस्व विभाग का ।ये उक्त ट्रैक्टर मालिक रामदास को पता ही नही था इस कारण उक्त चारो ट्रैक्टर मालिक घबरा गए ।आरोप है कि करीब एक घण्टा चली चर्चा में वन परिक्षेत्र अधिकारी हट्टा धर्मेंद्र बिसेन से भी फोन पर बात की गई तो उन्होंने भी जगह पर ही मामले को रुपये देकर रफा दफा करने व ट्रैक्टरों को छोड़ दिये जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान सड़क पर काम कर रही महिलाओं सहित करीब ग्राम के 100 से अधिक ग्रामीणजन आ गए और उनकी उपस्थिति में ही उड़नदस्ता टीम को खेत में ही 01 लाख रुपये दिया गया ।तब कंही फ्लाइंग टीम बालाघाट ने बिना पंचनामा या कानूनी कार्यवाही के चारो ट्रैक्टरो को छोड़ दिया।

मैंने खुद टीम को 1 लाख रु दिए है- सरपंच बाहे

मीडिया से जानकारी साझा करते हुए ग्राम पंचायत सुसवा सरपंच प्रकाश बाहे ने बताया कि मैने उड़नदस्ता टीम से विनती की ,की खराड़ी राजस्व विभाग की जमीन से लाई जा रही है वह आपका क्षेत्र नही है और जो सड़क बनाई जा रही वह भी सरकार की है ।बारिश के पूर्व ग्राम पंचायत की कच्ची सड़को में गड्ढे बन गए हैं उन्हें खराड़ी से भरना पड़ेगा इसलिए ग्राम पंचायत ने खराड़ी लाने की अनुमति दी है। लेकिन वह मानने तैयार नही थे और उन्होंने ट्रेक्टरों को राजसात करवाने की धमकी देते हुए 03 लाख रुपये की मांग की और कहा कि रुपये दोगे तो बिना कार्यवाही के छोड़ देंगे इस विषय में मेरी बात वनपरिक्षेत्र अधिकारी हट्टा धर्मेंद्र बिसेन से भी हुई लेकिन उन्होंने भी कहा कि बालाघाट की उड़नदस्ता टीम आई है तो वहीँ रुपये देकर मामले को निपटा लो नही तो लम्बे से चले जाओगे ।जिससे चारो ट्रैक्टर मालिक डर गए और करीब 01 घण्टे की चर्चा में पूरे मामले को रफा दफा करने के एवज में चारो ट्रैक्टर मालिको और मेरे द्वारा रू.जमा कर खेत मे ही 01 लाख रुपये दिए गए ।इस तरह हमारा ट्रेक्टरों को छोड़ने को लेकर समझौता हुआ और हमारे द्वारा उड़नदस्ता टीम को पैसे दिए गए ।उन्होंने बताया कि उडनदस्ता टीम में अजय चौरे, सौरभ यादव वनपाल ,दिलीप पालेवार ,दीपक रहांगडाले सहित अन्य टीम के सदस्य शामिल थे।

ग्राम पंचायत ने नाले से खराड़ी लाने की दी थी अनुमती-रामदास

ट्रैक्टर मालिक व चालक रामदास पांचे ने बताया कि मुझे ग्राम पंचायत द्वारा अनुमति दी गई थी की राजस्व विभाग की भूमि पर बने सूखा नाले से खराड़ी लाकर ग्राम पंचायत की कच्ची सड़को पर बने गड्डो में डालना है और उन्ही के कहने पर मैं खराड़ी ला रहा था। जहाँ साहब लोगे ने पकड़ लिए और ट्रैक्टर को राजसात करवाने की धमकी देते हुए पैसे मांगने लगे। मैंने सरपंच को जानकारी दी तो सभी ग्रामीण जन भी आ गए हम चार लोगो ने मिलकर 01 लाख रुपये दिए तब उन्होंने ट्रेक्टर छोडे।

मैं खाद डालकर खाली ट्रैकर लेकर आ रहा था मुझे भी पकड़ लिए-गोविंद

ट्रैक्टर मालिक व किसान गोविंद पांचे ने बताया कि मैं सुबह अपने खेत में ट्रेक्टर से खाद डालकर खाली वापस लौट रहा था तभी वन विभाग के कुछ लोगो ने मुझे पकड़ लिया। पैसे मांगने लगे ।फिर जबरदस्ती के समझौते में 01 लाख रुपये हम चार लोगों को देना पड़ा और यह पैसा सरपँच साहब ने ही खेत में दिए हैं।

मैं खेत से पैरा ला रहा था मुझे भी पकड़ लिए-तामेश्वर

किसान तामेश्वर बाहे ने बताया कि मैं सुबह अपने खेत में ट्रेक्टर से पैरा लेकर आ रहा था तभी वन विभाग के कुछ लोगो ने मुझे पकड़ लिया ।बोले कि अभी भी समय है पैसे दो नही तो कार्यवाही करेंगे मैंने सरपंच को जानकारी दी और फिर जबरदस्ती के समझौते में 01 लाख रुपये हम चार लोगों सहित सरपंच को देना पड़ा और यह पैसा सरपँच साहब ने ही टीम को खेत में दिए हैं ।

सभी आरोप झूठे और निराधार हैं- रेंजर धर्मेंद्र बिसेन

चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी धर्मेंद्र बिसेन ने बताया कि पैसे लेकर ट्रैक्टर को छोड़े जाने का मामला हमारे भी संज्ञान में आया है। लेकिन हमारे ऊपर लगे सभी आरोप झूठे ,बे-बुनियाद और निराधार है। हमने अपने स्टाफ से पूछताछ की है उन्होंने इन तथ्यों को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बात सच है कि ट्रैक्टर जप्ती की कार्यवाही नहीं हुई, प्रकरण भी नहीं बनाया गया। क्योंकि वहां बहुत सारे उपद्रवी तत्व आ गए थे। उन्होंने जप्ती की कार्यवाही नहीं करने दी ।उन्होंने बताया कि जो ऑडियो पैसों के लेनदेन का बताया जा रहा है जिसमें मेरा भी नाम लिया जा रहा है ,वह गलत है। हमने अपने स्टाफ वालों से बात की है स्टाफ वाले बोल रहे हैं कि उसमें हमारी आवाज नहीं है। वहीं सरपंच सहित अन्य से भी हमारी बात हुई है कोई इस मामले में 03 लाख, कोई 1 लाख तो कोई 50 हजार रु देने की बात कर रहा है ।उनके ब्यान एक से नही है। मेरी सरपंच से पैसों को

बेटे द्वारा धक्का देने से महिला दरवाजे से टकराकर हुई घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चमन टोला में एक महिला बेटे द्वारा धक्का देने से दरवाजे से टकरा गई ।जो सिर में चोट लगने से घायल हो गई। घायल महिला ललिता बाई पति खेल चंद घरड़े चमन टोला निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ललिता बाई मजदूरी करती है जिसके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है एक बेटी की शादी हो चुकी है। 21 जून की शाम 6:00 बजे करीब ललिता बाई और उसके पड़ोसी महिला कलाबाई के बीच किसी बात को लेकर के झगड़ा हो रहा था। तभी ललिता बाई का लड़का खुमेश घरडे आया और अपनी मां को घर के अंदर जाने के लिए बोलकर उसने अपनी मां ललिता बाई को जोर से धक्का दे दिया। जिससे ललिता बाई दरवाजे से टकरा गई और सर में चोट लगने से घायल हो गई। घायल महिला ललिता बाई को लामता के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट किया गया है।

रतनारा अंधे हत्याकांड

जय किशोर की हत्या में उसकी पत्नी रेखा पर शक -अभिरक्षा में पूछताछ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाने के ग्राम रतनारा में जयकिशोर दमाहे 36 वर्ष की हत्या उसी की पत्नी रेखा दमाहे द्वारा किए जाने के शंक पर हट्टा पुलिस ने इस महिला से पूछताछ शुरू की है । 18 एवं 19 जून की दरमियानी रात यह वारदात उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर के अंदर अकेला सोया था। हट्टा पुलिस ने जय किशोर दमाहे की हत्या करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की थी और इस दौरान जय किशोर दमाहे की पत्नी रेखा दमाहे को अपने पति की हत्या करने के शक में उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू की है। 23 जून को हट्टा पुलिस रतनारा अंधे हत्याकांड का पूर्ण रूप से खुलासा कर सकती है। इस मामले की जांच पड़ताल थाना प्रभारी अविनाश सिह राठौर द्वारा की जा रही है।

विभिन्न वर्गों में नहीं बटेगा हमारा समाज

कलार समाज के विभिन्न संगठनो वर्गों की बैठक सम्पन्न, सामाजिक उत्थान के लिए समाज के सभी वर्गों ने एक साथ लाने का लिया निर्णय

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। एक ही समाज के विभिन्न संगठनों व वर्गों से समाज में होने वाली भ्रांतियो को दूर करने, सामाजिक बन्धुओ को अलग-अलग संगठनों में विभाजित होने से बचने और सभी सामाजिक बन्धुओ का एक संगठन वर्ग में विलय कर समाज का एक मजबूत संगठन बनाने व समाज को जोड़े रखने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए रविवार को नगर के अंबेडकर चौक स्थित एक भवन में कलार समाज की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया ।आयोजित इस बैठक में कलार समाज के सभी संगठनों के पदाधिकारी व सदस्यों की प्रमुख उपस्थिति में समाज द्वारा बनाए गए अलग-अलग संगठनों वर्गों को एक संगठन बनाने की बात कही गई तो वही, सर्व वर्गीय कलार समाज संगठन के नेतृत्व में आगामी समय में आयोजित होने वाले सभी तीज त्यौहार व कार्यक्रमों को एक मंच से सभी वर्गों समाज संगठनों की उपस्थिति में सभी सामाजिक बन्धुओ को

साथ लेकर सामुहिक रूप से आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है ।इस निर्णय की समाज के सभी वर्गों द्वारा सरहाना की गई है ।आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला सर्व वर्गीकरण कलार समाज अध्यक्ष राधेलाल दौने ने बताया कि आज समाज के सभी वर्गों के अध्यक्ष व सामाजिक बन्धुओ की एक सामूहिक बैठक रखी गई है। हम बहुत दिनों से देख रहे हैं कि हमारे समाज में बंटवारा हो रहा है। हम सभी को एकत्र करने के लिए आज बैठे हैं। हमारा मानना है कि सभी वर्ग के लोग एक रहे, कुछ वर्गों में आपसी मतभेद हो रहा है उसी को दूर करने के लिए यह बैठक बुलाई गई है ।बैठक में प्रमुख रूप से जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के अध्यक्ष राधेलाल दौने, क्षत्रिय मराठा कलार समाज अध्यक्ष संजीव धुवारे, डहरवाल कलार समाज पूर्व अध्यक्ष शिवाजी बावीसताले, अमृतलाल धुवारे, सोहन दौने, सुनील पालेवार, सूरज दौने, रविन्द्र सोनवाने, नीलू पिपलेवार, अभिषेक पिपलेवार, सुनील धुवारे सहित कलार समाज के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मोटरसाइकिल सवार तीन नकाबपोश द्वारा की गई मारपीट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत

6 दिन पहले कोतवाली के ग्राम गर्रा में हुई थी मारपीट

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मारपीट में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की नागपुर से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो गई मृतक शिवप्रसाद पिता अशोक नागेश्वर 31 वर्ष वार्ड नंबर 8 ग्राम गर्रा बालाघाट निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव प्रसाद नागेश्वर ड्राइवरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं और बड़ा भाई संतोष नागेश्वर है। शिवप्रसाद नागेश्वर अपने परिवार के साथ एक ही मकान में अलग रहता था। बताया गया है कि 14 जून की रात 9:30 बजे शिवप्रसाद नागेश्वर घर से घूमने निकला था और दुकान तरफ आया था। रात्रि 10:30 बजे शिवप्रसाद नागेश्वर घर आया और खाना खाकर सो गया था। दूसरे दिन 15 जून को सुबह तीन चार बजे शिवप्रसाद नागेश्वर उठा और उसने बताया कि रात जब मैं घूमने के लिए गया था तभी एक मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग मुंह में गमछा बांधे हुए आए और उसे हाथ बुक्के और सीने में ईंट से मारकर भाग गए। परिजनों ने शिवप्रसाद नागेश्वर का प्राइवेट डॉक्टर से इलाज करवाए थे। 16 जून को सुबह 9 बजे उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये थे और उसी दिन 4 बजे जिला अस्पताल से शिवप्रसाद नागेश्वर को उसके घर ला लिए थे किंतु अचानक तबीयत खराब होने पर रात 11 बजे शिवप्रसाद नागेश्वर को बालाघाट नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किए थे। 17 जून को उसे बालाघाट के निजी अस्पताल से गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे वहां इलाज चला किंतु शिवप्रसाद नागेश्वर ठीक नहीं हुआ। 21 जून की शाम 6 बजे करीब से शिवप्रसाद नागेश्वर को उसके परिवार वालों ने नागपुर के मेडिकल कॉलेज में ले जाकर भर्ती किये। जहां पर अधिक तबीयत खराब होने पर शिवप्रसाद नागेश्वर को उसके परिवार वालों ने मेडिकल कॉलेज से छुट्टी कराकर जिला अस्पताल बालाघाट ला रहे थे। 22 जून को दोपहर में शिव प्रसाद नागेश्वर को जिला अस्पताल लाया गया। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। शिव प्रसाद नागेश्वर की नागपुर से जिला अस्पताल बालाघाट रास्ते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे और आरक्षक विक्रम शर्मा ने शिवप्रसाद नागेश्वर का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

एसपी मिश्रा ने कोतवाली थाना का किया औचक निरीक्षण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा कोतवाली थाने का औचक निरीक्षण किया गया ।इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के रिकॉर्ड संधारण की स्थिति का अवलोकन किया तो वही रिकार्ड के उचित संधारण के निर्देश दिए ।इसके अलावा थाने परिसर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था की गहन समीक्षा की ।इस दौरान उन्होंने पुराने जब्ती के वाहनों के निराकरण की स्थिति की जांच कर शीघ्र कार्रवाई के लिए निर्देशित किया ।वही आमजन हेतु पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की उपलब्धता देखी। आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार हेतु सुझाव दिए ।इस के अलावा उन्होंने थाने के सभी कमरों में बिजली की वायरिंग, विशेषकर खुले व लटकते तारों की सुरक्षा की समीक्षा कर सुधार के निर्देश दिए ।तो वही प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही ।जहा उन्होंने समस्त स्टाफ को निर्देशित किया कि थाना परिसर सदैव साफ-सुथरा एवं जनसुविधा के अनुरूप रहना चाहिए। इसके अलावा अन्य कार्यों के लिए भी निर्देशित किया गया।

तालाब में बने गड्डे में डुबने से बाल-बाल बची 5 बच्चियां

अस्वस्थ्य बच्चियों को अस्पताल में करवाया गया भर्ती, उपचार जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत नैतरा स्थित ग्राम कौड़ीटोला निवासी रामेश्वर चावके के मकान के पीछे बने मीनाक्षी तालाब में बने गड्डे के पानी में रविवार को दोपहर 2 बजे 5 बच्चियां बार-बार डुब रही थी। जिन्हे समय रहते ही सुरक्षित बाहर निकालकर बचा लिया गया। साथ ही तालाब में बने गड्डे के पानी में बार-बार डुबने से अस्वस्थ हुई 5 बच्चियों को लालबर्रा अस्पताल में भर्ती किया गया है जहां उपचार जारी है, जो खतरे से बाहर है। वहीं समय रहते बच्चियों को तालाब में बने गड्डे से बाहर नही निकाला जाता तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौड़ीटोला नैतरा निवासी रामेश्वर चावके के मकान के पीछे विगत वर्ष पूर्व ग्राम के किसी किसान के खेत में मीनाक्षी तालाब का निर्माण किया गया है। जिसका वर्तमान समय में मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है। साथ ही तालाब की पार में लगे पेड़ों में पानी डालने के लिए तालाब के बीच में गड्डा बनाया गया है। जिसमें जमा हुए पानी से पेड़ों में सिंचाई की जाती है। रविवार को दोपहर 2 बजे कौड़ीटोला निवासी 5 वर्षीय विधि चावके, 9 वर्षीय सिद्दी चावके, कालीमाटी कटंगी निवासी 8 वर्षीय प्राची कड़वे, 3 वर्षीय रित कड़वे, 5 वर्षीय रागिनी कड़वे ये 5 बच्चियां रामेश्वर चावके के मकान के पीछे स्थित तालाब की ओर घुमने गये थे। तभी वे खेलते-खेलते मीनाक्षी तालाब के अंदर बने गड्डे के पानी में एक बच्ची अचानक गिर गई। जिसके बाद अन्य बच्चियों ने उससे देखकर उसे बचाने के लिए गड्डे में उतरे तो एक के बाद एक सभी गड्डे के पानी में डुबने लगे। जिसके बाद 9 वर्षीय सिद्दी/रामेश्वर चावके कड़ी मशक्कत कर गड्डे के अंदर से किसी तरह से बाहर निकली और जोर-जोर से बचाव-बचाव कहकर चिल्लाने लगी। इसी दौरान सावंगी बीट प्रभारी वनरक्षक धर्मेन्द्र बघेल वन क्षेत्र का गस्त कर रहा था। जिसे बच्चीं के चिल्लाने की आवाज सुनाई देने पर वह तालाब की ओर जाकर देखा तो 4 बच्चीं तालाब में बने गड्डे के पानी में डुबे हुए थे। जिसके बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी गई और वनरक्षक श्री बघेल व ग्रामीणों की मदद से तालाब में बने गड्डे में डुबे 4 ब%िचयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जबकि तालाब के अंदर बने गड्डे में करीब 3 से 4 फीट पानी जमा था। जिसमें बार-बार डुब रही बच्चियों को बचा लिया गया और पानी में डुबे सभी बच्चियों को स्थानीय चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। जिसके बाद सभी अस्वस्थ बच्चियों को एम्बुलेंस से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया जहां उपचार जारी है एवं सभी बच्चियां खतरे से बाहर है। समय पर तालाब में बने गड्डे में डुबे बच्चियों को नही निकाला जाता तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। वहीं कालीमाटी कटंगी निवासी प्राची/केशव कड़वे, रित/केशव कड़वे, रागिनी/केशव कड़वे तीनों बहने अपने मामा के घर कौड़ीटोला नैतरा निवासी रामेश्वर चावके के घर आये है। जो मामा की लड़की के साथ मकान के पीछे कुछ दुरी पर बने मीनाक्षी तालाब की ओर घुमने गये थे। इसी दौरान खेलते-खेलते 5 बच्चियां तालाब के अंदर बने गड्डे में जमा पानी में डुब गये थे लेकिन उन्हे बाल-बाल बचा लिया गया।

सभी बच्चियां स्वस्थ है - रामेश्वर

रामेश्वर चावके ने बताया कि पांच बच्चियां एक साथ मकान के पीछे तालाब की ओर गये थे तभी शौच करने के बाद तालाब में बने गड्डे में पानी लेने गये होगें इसी दौरान पैर फिसलने से एक बच्ची गड्डे में गिर गई होगी। जिससे निकालने के लिए दुसरी बच्ची गई तो वह भी गिर गई। इस तरह से एक के बाद एक तालाब में बने गड्डे के पानी में गिर गये। जिसके बाद 9 वर्षीय सिद्दी गड्डे से बाहर निकालकर बचाव-बचाव कहकर

चिल्लाने लगी और हमें जानकारी दी कि उसके साथ में तालाब की ओर आये 4 बच्चियां गड्डे में डुब गई है। जिसकी जानकारी लगते ही तत्काल घटना स्थल पहुंचकर गड्डे के पानी में डुबी 4 बच्चियां को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जिनके शरीर में पानी घुस गया था जिनका ग्राम में प्राथमिक उपचार कर करने के बाद सभी बच्चियों को लालबर्रा अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। श्री चावके ने बताया कि समय पर जानकारी नही मिलती तो बच्चियों के साथ बड़ी दुर्घटना हो सकती थी, तालाब के अंदर बने गड्डे को भरवाया जाये एवं सभी बच्चियां स्वस्थ है।

गढ़वाल समाज शिष्ट मण्डल ने सांसद श्रीमती भारती पारधी को सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के द्वारा मंगल भवन सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गत दिवस बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी से उनके निवास पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर मांगों को पूरा किये जाने की मांग की है। इस दौरान अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं के द्वारा समाज की बहुप्रतीक्षित मांग बालाघाट में मंगल भवन एवं आजादी की लड़ाई में गढ़वाल समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा अहम भूमिका निभाई गई है। उनकी याद में बालाघाट में प्रवेश द्वार बनाये जाने के लिए भूमि आवंटित करने सहित समाज हित के अन्य विषयों पर चर्चा की। महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि गत दिवस बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी से मुलाकात कर मांगों को ज्ञापन सौंपा गया है। जिसके बाद सांसद महोदया ने हमें आश्वास्त किया है कि मांगों को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर, भारतीय जनता पार्टी युवा प्रकोष्ठ पूर्व जिला अध्यक्ष गजेंद्र भारद्वाज, समाज सेवी राजेन्द्र ब्रम्हे, नन्दू चावले, संरक्षक हरिपाल धानेश्वर, दिनेश गौतम, नारायण सोलंकी, सचिव रविशंकर अजीत, कोषाध्यक्ष शिवलाल अजीत, उपाध्यक्ष बसंत दिनेवार, संजय कंचनवार, विष्णु धानेश्वर, राम ब्रम्हे, श्याम बनवाले, तूफान नागवंशी, शैलेश अर्जुनवार एवं अन्य सामाजिक बन्धु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस आईटी एवं सोशल मिडिया सेल के ब्लॉक अध्यक्ष बने रामहर्षित सोलंकी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के द्वारा लगातार अपने संगठन को मजबूत करने के लिए अपने सभी विंग की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जा रहा है। जिससे वे अधिक से अधिक युवाओं को अपनी पार्टी में स्थान देकर उनकी ऊर्जा का उपयोग पार्टी हित में कर सके। इसी के तहत जिला कांग्रेस आईटी एवं सोशल मीडिया सेल व्हाट्सएप विभाग के संगठन को आगे बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतु पटवारी के निर्देशानुसार, मध्यप्रदेश कांग्रेस

आईटी एवं सोशल मीडिया सेल प्रदेश अध्यक्ष चंचलेश व्यास के अनुमोदन, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उइके व कांग्रेस आईटी-सोशल मीडिया सेल जिला अध्यक्ष शाहबाज अहमद के मार्गदर्शन पर जिला कांग्रेस आईटी-सोशल मीडिया सेल व्हाट्सएप्प जिला समन्वयक राकेश मेश्राम कलार के द्वारा नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। साथ ही अपनी कार्यकारिणी विस्तार करते हुए उनके द्वारा कार्यकारिणी सदस्यों, पदाधिकारियों की प्रथम सूची जारी की गई है। जिसमें लालबर्रा ब्लाक से मोहगांव ध. निवासी रामहर्षित/मुकेश सोलंकी को ब्लाक अध्यक्ष बनाया गया है और उनसे यह अपेक्षा की गई है कि वे पार्टी हित में आगे काम करेंगें। वहीं नवनियुक्त कांग्रेस आईटी एवं सोशल मिडिया सेल ब्लाक अध्यक्ष रामहर्षित सोलंकी ने बताया कि संगठन के द्वारा जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर संगठन के हित में काम किया जायेगा। रामहर्षित/मुकेश सोलंकी को कांग्रेस आईटी एवं सोशल मिडिया सेल व्हाट्सएप विभाग का ब्लाक अध्यक्ष बनाये जाने से उनके चित परिचितों में हर्ष व्याप्त है।

रटेगांव के वार्ड नं. 5 एवं 6 में सीसी सड़क निर्माण करवाने की उठी मांग

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के वार्ड नं. 5 एवं 6 में पक्की सड़क का निर्माण नही होने के कारण निवासरत लोगों को बारिश के दिनों में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही लंबे समय से वार्डवासी के द्वारा पंचायत से वार्ड में सीसी सड़क का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदार के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे दोनों वार्ड के वार्डवासियों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में रटेगांव के उपसरपंच सहित वार्डवासियों ने बताया कि वार्ड नं. 5 एवं 6 की सड़क खराब हो चुकी है जिसके कारण आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और लंबे समय से सीसी सड़क का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन

अब तक पक्की सड़क का निर्माण नही किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि सड़क क'ची होने के कारण बारिश होने पर कीचड़ होने से स्कूली बच्चों के साथ ही सभी को परेशानी होती है। आगे बताया कि वार्ड नं. 5 एवं 6 में सीसी सड़क निर्माण के लिए पंचायत में प्रस्ताव भी लिया गया है लेकिन अब तक सड़क का निर्माण नही हुआ है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि जल्द वार्ड नं. 5 एवं 6 में सीसी सड़क का निर्माण करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सेन (नाई) समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम 1 जुलाई को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सेन (नाई) समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम जिला केश शिल्पी प्रकोष्ठ बालाघाट के तत्वाधान में 1 जुलाई को दोपहर 12 बजे से बालाघाट भटेरा रोड़ स्थित होटल में आयोजित किया गया है। चर्चा में सेन (नाई) समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास ने बताया कि सेन (नाई) समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम 1 जुलाई को दोपहर 12 बजे से बालाघाट में आयोजित किया गया है और इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं जिन्होने वर्ष 2024-25 में कक्षा 10 वीं, 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंकों से उत्तीर्ण हुए है। साथ ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किये गये ऐसे समाज के प्रतिभावानों को अतिथियों के हस्ते सम्मान किया जायेगा। श्री श्रीवास ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, राज्य केश शिल्पी मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा, सेन समाज विकास संगठन प्रदेशाध्यक्ष प्रवीण सेन, राज्य केश शिल्पी मंडल प्रदेश सदस्य खुशीलाल श्रीवास, बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी, नगरपालिका बालाघाट अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, नगरपालिका परिषद उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, अमोल कुकड़कर के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मदनलाल चावके, जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, महामंत्री डॉ. पीताम्बर उरकुड़े, युवा जिलाध्यक्ष मनोज सेन पारधी, नगराध्यक्ष सुमित सेन, केशशिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष रोशन सराठे, नगराध्यक्ष शैलू सेन, सक्रिय सदस्य डॉ. रवि श्रीवास, उपाध्यक्ष आत्माराम चन्ने, डॉ. डीआर शिवनकर, नवनीत लांझेवार, सचिव सुभाष मधुकर, रवि ठाकुर, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त, मिथलेश सराठे, सहसचिव विजय सूर्यवंशी, आदर्श सेन, गितेन्द्र लांझेवार, प्रकाश फुलबांधे, संरक्षक मंडल डीएल श्रीवास, डॉ. भुनेश भारद्वाज, अधि. बाबुलाल सर्राठे, अधि. अशोक वाट, यशवंतराव लक्षणे, एनएल जुझारे,

ईश्वरीप्रसाद भारद्वाज, भोजलाल सराठे, केएल शेण्डे, डॉ. गौरीशंकर भारद्वाज, पीताम्बर चौधरी, धनीराम उसराठे, अशोक सेन, चैनलाल श्रीवास, गणेश भारद्वाज, सुखदेव सेन सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

फिजिकल क्लब औल्याकन्हार में मनाया गया 11 वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग दिवस पर बच्चों एवं ग्रामीणों को वितरित की गई योग से संबंधित किताबें

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में स्थित फिजिकल क्लब में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, एपीसी चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन, बालाजी कम्प्यूटर के संचालक हेमंत मुदलियार की प्रमुख उपस्थित एवं ब्लॉक योग प्रभारी टीकमलाल डहरवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रात: 6 बजे एक अनुशासित योग शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही ब्लाक योग प्रभारी टीकमलाल डहरवाल के द्वारा योग प्रोटोकॉल के अनुसार ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, कटि चालन, घुटना संचालन, ताड़ासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, कपालभाति और प्राणायाम सहित दर्जनों आसनों का अभ्यास करवाया गया और उपस्थितजनों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग और ग्राम पंचायत औल्याकन्हार की सक्रिय सहभागिता रही एवं इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों, ब'चों व महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिये। वहीं योग प्रभारी श्री डहरवाल के द्वारा योग के महत्व, योग का मूल उद्देश्य, पारंपरिक योग संप्रदाय और योग के मानसिक एवं शारीरिक लाभ की जानकारी

साझा करते हुए कहा कि एक समय मैं स्वयं उदर रोग से पीड़ित था। मुझे अपने दैनिक जीवन में बेहद कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा था जिससे मैं बेहद हताश व निराश हो चुका था। जिसके बाद मैंने नियमित रूप से योग अभ्यास करना प्रारंभ किया, तब मैं अब पूरी तरह से स्वस्थ हो चुका हूं। वहीं इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने श्री डहरवाल का शॉल भेंट कर सम्मान किया। साथ ही राष्ट्रीय योग प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी छात्रा भावना मात्रे के द्वारा भी लोगों को योग के महत्व के बारे में जानकारी देकर योगाभ्यास करवाया गया। हेमंत मुदलियार के द्वारा योग को बढ़ावा देने के लिए एक अनुकरणीय पहल की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से उनके द्वारा ग्रामीणजनों, बच्चों एवं प्रतिभागियों को नि:शुल्क योग पुस्तकों का वितरण भी किया गया। जिसके माध्यम से वे नियमित रूप

से योग सीखकर, उसका अभ्यास कर स्वस्थ रह सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एपीसी चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन ने कहा कि एपीसी में यह आयोजन पहली बार हो रहा है और योग भारत की प्राचीन धरोहर है, यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है। यदि हम बच्चों को बचपन से योग की शिक्षा दें, तो वे न केवल अच्छे नागरिक बनेंगे, बल्कि एक सशक्त और सकारात्मक समाज की नींव भी रखेंगे। कार्यक्रम के अंत में समिति के द्वारा सभी प्रतिभागियों को पोषणयुक्त स्प्राउट का वितरण किया गया। इस अवसर पर सरला यादव, रविता पांडे, पुष्पा चौहान, दीपा बेल, खेमन टेंभरे, मीनाक्षी बंशपाल, धनवंती नागेश्वर, तब्सून कुरैशी, सुरमन बिसेन, ए.एन.एम. शिखा पारधी, सी.एच.ओ. प्रज्ञा तुमसरे, शिक्षक नीतेश गिरि गोस्वामी, शिक्षक विनयकुमार टेंभरे, महेन्द्र चौहान, सालिकराम कटरे, उम्मेद चावले, भुनेश्वर कटरे, उमाप्रसाद नागेश्वर व सुरेश यादव सहित अन्य प्रतिभागीगण व ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक 4 जुलाई से

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी प्रमुख अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता हैफ।

मूल जमीन मालिक के बिना ही बिक गई 11 एकड़ जमीन

मामला आदिवासी की जमीन की अफरा-तफरी का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा स्थित आदिवासी की जमीन की अफरा तफरी करने का मामला प्रकाश में आया है। यह जमीन ईश्वरी टेकाम की थी जिसके बिना ही दूसरे लोगों के द्वारा जमीन को अपने नाम कर खरीदी बिक्री कर ली गई। यह जिले का एक बड़ा मामला सामने आया है जिसमें आदिवासी की १०.७३ एकड़ जमीन की खरीदी बिक्री कर ली गई है । बिना जमीन के मूल मालिक के जिसको लेकर २२ जून को आदिवासी समाज की बैठक आयोजित की गई। जिनके द्वारा सड़क पर लड़ाई लड़ कर इस प्रकार आदिवासियों पर किए गए अन्य अत्याचार के खिलाफआंदोलन करने वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करने और ईश्वरी टेकाम को न्याय दिलाने की बात कही गई है।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत वारा अंतर्गत मदनपुर रोड़ पर शिवधाम मोहल्ले के किनारे ईश्वरी टेकाम की १०.७३ एकड़ जमीन स्थित थी। जो १९८३ के बंटवारे में उनके ससुर के नाम आई थी जिनकी मौत के बाद यह जमीन १९९७ में उनके ससुर की इकलौती संतान उनकी पत्नी के नाम हुई थी।और वर्ष २०२२ में उनकी पत्नी की मौत के बाद यह जमीन ईश्वरी टेकाम और उनके बच्चों के नाम पर दर्ज थी। जिसमें १९८३ के बंटवारे को वरकड़े परिवार के द्वारा एसडीएम की कोर्ट में चैलेंज किया गया था जहां पर उक्त व्यक्ति का अवैध कब्जा बताया गया था। जिसमें एसडीएम के द्वारा १९८३ का बटवारा खारिज कर तहसीलदार की कोर्ट में यह प्रकरण भेज दिया गया था। जिसमें तहसीलदार के द्वारा १३ जून को मामले में ईश्वरी टेकाम और उनके बच्चों का नाम हटाकर वरकड़े परिवार का नाम चढ़ा दिया गया। जबकि तहसीलदार इमरान मंसूरी का १० जून को स्थानांतरण हो चुका था । ऐसे में १३ जून को आदेश के बाद १४ जून को वरकड़े परिवार का नाम चढ़ा और १७ जून को जमीन की रजिस्ट्री हो गई। जिसमें जमीन मालिक को रजिस्ट्री की जानकारी ही उनके मोबाइल पर आए मैसेज से पता चला तो उन्होंने तत्काल समाज के लोगों को जानकारी देकर एसडीएम के यहाँ नामांतरण पर रोक लगाने के लिए शिकायत की है। वहीं प्रशासन पर उनका पक्ष नहीं सुनने के साथ ही किसी प्रकार का नोटिस भी ना जारी करने का आरोप लगाया है। जिसमें उनके द्वारा समाज के लोगों को घटना की जानकारी दी गई ।जिस पर समाज के गणमान्य नागरिकों के द्वारा २२ जून को बैठक कर आदिवासी परिवार पर हुए इस अन्याय अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। वहीं जरूरत पड़ने पर महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार तक जाने की बात कही गई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

महिला के पिछे दुसरे लोगो ने जमीन हड़प कर अफरा तफरी कर दी-ईश्वरी टेकाम

जमीन मालिक ईश्वरी टेकाम ने बताया कि मेरी जमीन का विषय है जिसके लिए सामाजिक लोगों को मैंने बुलाया था कि मेरी जमीन की अफरा तफरी कर दी गई है। हमारा

प्रकरण तहसील में चल रहा था फिर क्या हुआ पता नहीं रजिस्ट्री हो गई। हमारी जमीन की यह कैसे हुई मुझे समझ नहीं आ रहा है। तहसील का नोटिस भी नहीं मिला और कोई जानकारी भी नहीं मिली हमारे खसरे से नाम को हटा दिया गया और नए नाम जोड़कर रजिस्ट्री कर दी गई है। यह जमीन पहले मेरे ससुर के नाम पर थी फिर मेरी पत्नी और २०२२ में यह हमारे नाम पर आई थी करीब ११ एकड़ जमीन है। हमारा प्रकरण एसडीएम के यहां चल रहा था सनुलाबाई वरकड़े, मनोज वरकड़े,दिनेश वरकड़े ,विनोद वरकड़े,आसनबाई वरकड़े धन्नु वरकड़े ने हमारा नाम दर्ज करो कहा था जबकि उनका कोई अधिकार नहीं है हमारा पक्ष बिना सुने यह किया गया है। रजिस्ट्री सीताबाई उइके जामखारी खैरलाँजी की रहने वाली है उसके नाम की गई है । वह बहुत गरीब महिला है उसके पीछे किसी दूसरों ने यह जमीन खरीदे हैं। हम इसके लिए आगे जिला कलेक्टर के पास जाकर अपना हक लेंगे तहसील में हमने आपत्ती लगाए हैं।

अन्याय अत्याचार के खिलाफ न्याय मिलने तक सड़को पर लड़ी जायेंगी लड़ाई-नंदलाल उइके

गोंगंपा जिला अध्यक्ष नंदलाल उइके ने बताया कि मुझे जानकारी लगी तो आया था इसमें फर्जीवाड़ा समझ आ रहा है। जिले का यह सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा घोटाला है की एक आदिवासी की जमीन किसी गैर आदिवासी के द्वारा खरीदी करवायी गई है। जिसके नाम से रजिस्ट्री हुई है वह पीला कार्ड धारी महिला है वह कैसे ११ एकड़ जमीन खरीदेगी यह अचंभित करने वाला मामला है।इससे ज्ञात होता है कि कितना मानसिक प्रताड़ना और प्रॉपर्टी अलग खरीदे हैं लोग कैसे आदिवासी को भगाना उस पर अत्याचार शोषण करना चाह रहे हैं। ऐसा रहा तो वह मिट जाएंगे उनके बच्चे कहां जाएंगे वह आदिवासी अपनी जमीन पर है उनके परिवार का भरण पोषण अब कैसे होगा। ईश्वरी टेकाम कि यह जमीन है उन्हें मैं बहुत पहले से जानता हूं उनके ससुर की यह जमीन थी फिर उनकी पत्नी के नाम १९९७ में आई और २०२२ में यह जमीन उनके नाम आई थी। फिर पता नहीं दूसरा परिवार कहां से खड़ा होकर दलालों से साठ गांठ कर जमीन बेच दिया १९८२ में यह बटवारा हुआ था।

आदिवासी का अलग सिस्टम है परंतु सरकार इस बेकार सिस्टम से आदिवासी पर अन्याय अत्याचार कर शोषण कर रही है। जमीन खरीदने वाले पर पैसे वालों का हाथ है इस विषय की जानकारी हम एसडीम कलेक्टर से लेकर लड़ाई लड़ेंगे और जब तक न्याय नहीं मिलता तब तक रोड़ पर खड़े रहेंगे।

आदिवासियों के साथ अंधेर नगरी चौपट राजा का खेल चल रहा है-रामकली टेकाम

पूर्व पार्षद रामकली टेकाम ने बताया कि ईश्वरी टेकाम को मैं समाज से जानती हूं यह आदिवासी की जमीन के साथ ऐसा करना गलत है इन्हें बेघर किया जा रहा है। दूसरों के द्वारा अंधेर नगरी चौपट राजा का खेल चल रहा है। इतना अन्याय सही नहीं है उनके बच्चे कहां जाएंगे दूसरों ने कब्जा कर लिया है तो हम समाज के नाते यहां पर आए हुए हैं और इनका साथ देंगे जब तक इन्हें अधिकार नहीं मिलेगा तब तक हम उनके साथ खड़े हैं। पूरा समाज है हम आदिवासी है यह पहला नहीं है ऐसे कई मामले हुए हैं दूसरों को जमीन कैसे हड़पेंगे सरकार बैठी है कई योजनाएं चला रही है। परंतु अंदर दलाल लोग पैसे वाले हैं आदिवासी गरीब है उनकी थोड़ी बहुत जमीन है तो उस पर भी इन्होंने नियत गड़ा कर रखी है अब आदिवासी जागरुक हो रहा है। वह अपनी जमीन बचेगा भी नहीं और किसी को हड़पने भी नहीं देगा यह सब गलत तरीके से हो रहा है।

ईश्वरी टेकाम को न्याय नही मिला तो राष्ट्रपति तक जायेंगे-भुवनसिंह कोर्राम

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष भुवन सिंह कोर्राम ने बताया कि ईश्वरी टेकाम का मुझे मामला पता चला १० एकड़ जमीन गलत तरीके से बेची गई है। मूल मालिक के बिना ही भूमाफिया सिंडिकेट ने प्रशासन के साथ मिलकर जमीन हड़पने का काम किया है। जिसमें यहां तक की रजिस्ट्रार से नाम ट्रांसफर लगे तो जानकारी मिलते ही अपर कलेक्टर के यहां हमने रोक लगा दी है। इस प्रकार बहुत जमीन पर सिंडिकेट काम कर रहा है प्रशासन को जांच करना चाहिए।

प्रशासन के माध्यम से ही जमीन हड़पने का कार्य किया जा रहा है । यदि जिला प्रशासन कुछ नहीं करता तो राज्यपाल तक जायेंगे। क्योंकि आदिवासी के संरक्षण के अधिकार जिला कलेक्टर ,महामहिम राज्यपाल, अनुसूचित जनजाति कल्याण व राष्ट्रपति को है वहां तक हम जायेंगे। इस मामले की मैं प्रशासन से जांच करने की मांग करता हूं और नतीजे तक पहुंच कर न्याय दिलाने तक हम रुकेंगे नहीं। ऐसा ही डिंडोरी का भी मामला आया है हमारे बैहर में कई रिकॉर्ट चल रहे हैं इसमें देखने में आता है कि आदिवासी की जमीन आदिवासी के नाम गैर आदिवासी खरीद लेता है जो कौड़ियों में खरीद कर उसे करोड़ों में बेचता है।

सरस्वती विद्यालय में मनाया गया योग दिवस

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय एवं अभाविप के संयुक्त तत्वाधान में विश्व योग दिवस कायक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मंत्र उच्चारण के साथ सरस्वती विद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य जीवन राहगंडाले योग आचार्य एवं क्रीड़ा प्रमुख ने योग कराकर सहयोग एवं समर्पित भाव का प्रदर्शन किया। जिसमें सर्वप्रथम सरस्वती वंदना पश्चात योगाचार्य ने संधि योग प्राणायाम, कपालभाति, अनुविलोम ,भ्रामरी ,वृक्षासन, ताड़ासन ,गरुड़ासन एवं अन्य आसान सूर्य नमस्कार विद्यालय आचार्य परिवार एवं भैया बहनों को विधिवत करवाया गया। इस योग के उपलक्ष में पूर्व छात्र ने भी विद्यालय में आकर भाग लिया साथ ही योग के महत्व पर प्रकाश डाले। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाएं सहित विद्यार्थी एवं युवा मौजूद रहे।

लाखों का पुलियां बना शोभा की सुपारी

मार्ग पर अतिक्रमण और रोड़ सकरी होने से आवागमन हो रहा बाधित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम मोहल्ला में पेट्रोल पंप बायपास पुलियां जो ढूटी नहर पर बना हुआ है। जहाँ चमनलाल डोंगरे के मकान के सामने प्रारंभ में मार्ग की स्थिति अतिक्रमण व अन्य कारणों से बहुत ज्यादा खराब है। जहां पर ऊंचा ब्रेकर और सीधा ढलान वाली सड़क बनी हुई है जिस पर हुए अतिक्रमण से रोड़ सकरी हो गयी हैं। जिसके कारण लोगों को आने जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लोगों को फेरा काटकर दूसरे मार्ग का उपयोग करना पड़ रहा है। जहां रात्रि के समय दुर्घटना होने की काफी संभावनाएं भी बनी हुई है। वहीं आवागमन के दौरान आयें दिन दुर्घटनाएं हो रही है। ऐसी स्थिति में लोगों को काफी समस्याओं का सामना कर आवागमन करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा पंचायत से अतिक्रमण हटाकर मार्ग की व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी बालाघाट मार्ग से बायपास मार्ग के रूप में जायसवाल पेट्रोल पंप के पास से वारासिवनी वार्ड नंबर ४ का एक बाईपास मार्ग शिवधाम के लिए आता है। जहां पर नहर विभाग के द्वारा पुलिया का निर्माण किया गया है जो सीधे चमनलाल डोंगरे के मकान के सामने की सड़क को जोड़ता है। जहां पर क्रांकीट का ब्रेकर बहुत ऊंचा बना हुआ है और सामने गहरा ढलान होने के साथ मार्ग किनारे निवासरत लोगों ने टीन शेड लगाकर गाड़ी खड़ी कर अतिक्रमण कर लिया है जिस कारण समस्या बनी हुई है। जबकि आगे भी एक मार्ग है जिसे वर्तमान में डाइवर्ट मार्ग बनाया गया है। वहीं यह पुलियां से निकलने वाला मार्ग सीधे मदनपुर मार्ग को जोड़ता है। जहां पर ढलान के कारण दुर्घटना हो रही है इसके निराकरण के लिए राहगीरों सहित वार्डवासियों के द्वारा मांग की जा रही है कि उक्त स्थान का अतिक्रमण हटाकर व्यवस्थित मार्ग का निर्माण करवाया जाए ताकि हर कोई सुविधा पूर्वक आवागमन कर सके।

अतिक्रमण हटाना चाहियें तब पुलिया को कोई महत्व होगा-पवन धुर्वे

पार्षद पवन धुर्वे ने बताया कि गोंडीटोला अपने किसी कार्य से गया हुआ था जहां से शिवधाम मोहल्ला होते हुए आ रहा था। तो यहां पर यह जो लाखों रुपये की लागत से नया पुल बनाया गया है वहां पर रास्ते में ब्रेकर की समस्या बनी हुई है और गहरा ढलान होने से दिक्कत हो रही है। जबकि यह रोड़ बनना चाहिए अभी बहुत छोटी गली है करीब १२ फीट की रोड़ बनानी चाहिए ताकि सभी लोग आवागमन कर सकें। वर्तमान में काफी दिक्कत है आने.जाने में मैं स्वयं यहां पर अभी गिर गया दुर्घटना होने की पूरी संभावना है। स्कूल चालू हो गए हैं बच्चे भी यही से आना जाना करेंगे उनको भी समस्या होगी यह मार्ग सीधे मदनपुर कोस्ते और रामपायली को निकलता है। रोड़ बनना चाहिए मार्ग पर निवासरत लोगों ने अतिक्रमण भी कर लिया है उसे भी साफकरना चाहिए ताकि आवागमन में दिक्कत ना हो।

१०फीट की रोड़ को चौड़ी रोड़ बनाना चाहियें और टीन शैड़ हटाना चाहियें-तपेश सुलकिया

राहगीर तपेश सुलकिया ने बताया कि मैं थानेगांव का रहने वाला हूं अपने किसी कार्य से ग्राम पंचायत वारा में आया हुआ था। अभी गांव जा रहा हूं तो यह जो पुलिया है यह सीधा बाईपास हमें रामपायली चौक के लिए मिलता है जहां से डोंगरमाली और थानेगांव मार्ग निकलता है। समीप का मार्ग होने से डायरेक्ट यहीं से हर कोई आना.जाना कर रहा है परंतु यह जो रोड़ है वह ठीक नहीं है। इसे बनाया जाना चाहिए इसके आसपास का अतिक्रमण भी हटाना चाहिए दुर्घटना होने की पूरी संभावना है। कोई भी कभी भी दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है और छोटा मार्ग है १० फीट का भी नहीं है। बड़े वाहन आने.जाने में दिक्कत है यहां जो गांड़ियां खड़ी है और टीन शेड लगा हुआ है उसे हटा दिया जाता है तो बेहतर होगा।

कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर टीन शेड लगा लिए गए हैं प्रशासन को कार्यवाही करना चाहिए-सर्यूभान सिंह पूसाम

सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम ने बताया कि सरकार ने बढ़ती हुई आबादी को देखते हुए यातायात को कम करने के लिये लाखों रुपए की लागत से यहां पर यह पुल बनाया गया है। ताकि ट्रैफिक जाम की स्थिति ना हो सभी बेहतर तरीके से आना.जाना कर सके। परंतु यह पुलियां के पास में कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर टीन शेड लगा लिए गए हैं। जिसमें प्रशासन को कार्यवाही करना चाहिए ग्राम पंचायत के माध्यम से भी उक्त व्यक्तियों को पत्र जारी किया गया था। जिसमें उनके द्वारा पहले अतिक्रमण हटा लिया गया था फिर अतिक्रमण कर लिया गया है। तहसीलदार से हमारी मांग है कि वह मामले में कार्यवाही करें हम अपने स्तर से सभी प्रकार का सहयोग प्रशासन को देने के लिए तैयार है।

एटीएम में प्रकाश व्यवस्था नही होने से उभोक्ताओं को हो रही परेशानी

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । रामपायली नगर के हृदय स्थल चौक में बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र का एटीएम वर्षों से लगा है। जहां अनेक अव्यवस्थाओं का आलम आए दिन बना रहता है । वर्तमान में इस एटीएम अंधकार के साए में चल रहा है ,रात्रि कालीन प्रकाश व्यवस्था सुलभ नही होने के कारण यहां गंभीर अनहोनी का संदेह सदैव बना दिखाई देता है । क्योंकि यहां की प्रकाश व्यवस्था महीनों से ठप पड़ी हुई है रात्रि कालीन किसी को इस एटीएम से लेनदेन करना है तो उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । जिसकी सूचना बैंक आफ महाराष्ट्र के अधिकारियों को दी जा चुकी है ,बावजूद यहां की प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त नहीं होना गंभीर घटना को अंजाम से नकारा नहीं जा सकता है। आम उपभोक्ताओं ने यहां की प्रकाश व्यवस्था को सुलभ करने की मांग करते हुए अधिकारियों को इस एटीएम को लावारिस हालत में नही रखने की अपील की गई है।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिला?ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषत: तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रुड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है।

ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है?

अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।

ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवत: ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए।

-ललित गर्ग

भारत देश आत्मनिर्भर है और किसी आतंकी हमले को नहीं सहेगा

हमारे देश की ताकत भगवान राम जी के आदर्श हैं उन्होंने शांति से जीना भी सिखाया, और नारी सम्मान के लिए युद्ध करना भी सिखाया, हमारा देश किसी भी अपने मामले में किसी दूसरे देश की दखलअंदाजी बिलकुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ देश 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर है और आतंकवादी घटना बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ बात प्रधानमंत्री मोदीजी ने जी -7 सम्मलेन पर कहा, इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुपी साध ली और लंच पर बुलाया लेकिन श्री मोदीजी ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि ट्रम्प ने दोनों देशों को एक ही नजरिये से ट्रेड का बहाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीफ लंच करने गए इससे ऐ सिद्ध होता है अमेरिका पर भरोसा करना बिल्कुल ठीक नहीं है इसका हमेशा पुराना इतिहास रहा है भारत के लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को हटाया है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो कारगिल युद्ध में सेटेलाइट इमेज माँगा था जो अमेरिका ने देने से मना कर दिया ऐ तो भारत के सेना का जज्बा था कि कारगिल युद्ध में विजय रहा भारत के जवान हमारे वैज्ञानिक हमारे देश के नायक हैं जिन्होंने अमेरिका के दबाब में भी 1998 में परमाणु परीक्षण भी कर लिया और भारत परमाणु संपन्न देश है जो ना तो किसी से डरेगा ना ही किसी के लालच में प ?गा क्योंकि भगवान राम का आशीर्वाद है।भारत देश ना तो किसी से डरा है ना किसी की चापलूसी की प्रधानमंत्री से साफ कह दिया आतंकवादी को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जायेगा भारत पाकिस्तान पर भारी पड़ा और पाकिस्तान ने ही युद्ध रोकने की कोशिश की थी और प्रधानमंत्री जी ने चीजफायर कराता मोदीजी हमेशा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर लगे है हमारी शक्ति को दुनिया ने देखी है हम भारतीय दुश्मन को मार सकते हैँ चाहे शहीद क्यों ना होना पड़े और जब 140 करोड़ भारतीय आतंकी के खिलाफ लड़ेंगे तो उसे मिट्टी में मिला देंगे भारत परमाणु संपन्न देश है और डी आर डी ओ, इसरो, ब्रह्ममोश और कई ऐसी मिसायल टेक्नोलॉजी की कंपनी है जो विश्व स्तर का मिसाइल सिस्टम है हम लोग देश के लिए मर मिटने वाले में से हैँ लेकिन गुलामी या आतंकी पसन्द नहीं है इसलिए अंग्रेजो को हराया आखिर मोदीजी क्यों नहीं गए ट्रम्प के बुलावे पर क्योंकि अब वो भारत नहीं है जो आतंकवादी हमले पर चुप वैठने वाला है ऐ वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविंद सिंह और कई वीर योद्धाओ का देश है जो शहीद होना पसंद करेगा लेकिन आतंकी के खिलाफ झुकना नहीं और उसे युद्ध माना जायेगा ऐ प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा है पाकिस्तान के परमाणु बम पर दूसरे देश जो डिनर पर बुलाते हैँ उसका नियंत्रण है जबकी हमारी ताकत किसी दूसरे देश पर बिल्कुल निर्भर नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओ ने पाकिस्तान को जबरदस्त सिकस्त दि थी ऐ दुनिया ने देखा है जहाँ तक इजराइल और ईरान के युद्ध का सवाल है इसमें भारत ने किसी का पक्ष नहीं रखा है जबकी ईरान के समर्थन में अब रूस और चीन सामने आ गए हैं ऐ ट्रम्प महोदय केवल युद्ध भड़का रहें हैँ और दूसरे के घर में बेबजह झाँक कर खुद ही मजाक के पात्र बन गए है इसलिए वहाँ के जानेमाने उद्योगपति स्टॉर्लिंक के मालिक एलेन मस्क बै दुरी बना ली भारत को उसी समय सचेत रहना चाहिए जब हमारे भारतीय जिसमें कुछ भारतीय डंकी रुट ने नहीं गए थे वो भी कार्गो प्लेन में हथकड़ी बाँधकर भारत में उस स्थान अमृतसर पर भेजा गया जहाँ गुरू का स्वर्ण टेम्पल है ट्रम्प केवल बोल कर एक देश से दूसरे देश को लड़ा रहें है और बाद में उसे अकेले छोड़ देते हैं जैसे यूक्रेन को अकेले छोड़ दिया और भरी सभा में उसकी बेईजत भी कर दि हर देश का अपना रक्षा करने का अधिकार है पहले इजराइल को ईरान से एटमबम बनाने से रोकने के लिए उकसाया और इजराइल ने आक्रमण किया जबकी उसे लड़ाई के हर दिन का कर्ज 600 करोड़ रूपये के आसपास है लेकिन हिम्मत है उसे मालूम होगा ईरान की ताकत लेकिन वो सोचा होगा की अमेरिका मदद करेगा और अब हर दिन मीटिंग चल रहा जबकी उसके शहरों को भारी नुकसान ईरान के मिसाइल से हो रहा युद्ध में उसी ने झोंका है क्योंकि वो लागातार ऐ बोलते नजर आ रहे हैँ कि ईरान कभी परमाणु बम नहीं बना सकता इसलिए इजराइल को जंग में ढकेल कर पीछे हट रहें हैं क्योंकि जिसे करना रहता है वो इसपर इतना नहीं सोचेगा और इतने दिनों में शत्रु इसका फायदा उठा सकेगा भारत को तटस्थ है क्योंकि दोनों उसके लिए महत्वपूर्ण है अत: ट्रम्प केवल कागजी शेर की तरह बड़ी बड़ी बातें करते है और जब किसी की जरुरत पड़ती है तो युद्ध को भड़का कर हाथ पीछे कर लेते हैँ इस तरह का बयान देना कि हमें पता है ईरान का सुप्रीम लीडर कहाँ है तेहरान खाली करो इसके क्या मायने हैं और अगले सप्ताह होने तक दोनों देश में कितना खून खराबा होगा कहते है कि भारत और पाकिस्तान का जंग मैंने रुकवाया तो पहली बात ऐ भारत का पाकिस्तान से नहीं उसके आतंकवादी से था और जो इसका सरगना आशिर मुनीर जो वहाँ का सेना प्रमुख था उसे अमेरिका बुलाकर ऐ तो सिद्ध हो जाता है कि आतंकवादी को कमजोर नहीं उसमें हौसला बढ़ा रहें हैं जिससे उनकी ही बदनामी हो रही है यदि सही मायने में जंग रुकवाना है तो इजराइल और ईरान में रुकवा दें जिसमें दोनों को भारी नुकसान हो रहा है इजराइल तो छोटा देश है लेकिन उसका हौसला बढ़ा है लेकिन आगे इसे शांतिपूर्ण तरीके से रोकना चाहिए अमेरिका की साख इससे गिर रही है क्योंकि उसे महाशक्ति के रूप में जानते हैँ जब ईराक और अफगानिस्तान में कुछ ही दिनों में उसे घुटने पर लें आया था और अफगानिस्तान में ही सबसे ज्यादा बंकर ब्लस्टर बम का उपयोग पहाड़ी के अंदर छिपे आतंकवादी को मारने में की थी और इराक जो ईरान से बर्षो से युद्ध लड़ा उसके अंदर कब्जा कर लिया और सद्दामहुसैन को फांसी दें दि अरब में जो हो रहा है वो खलीफा के लिए हो रहा है जहाँ एक से दूसरे देश में काफी मतभेद हैँ शिया और सुन्नी को लेकर इसलिए वहाँ मुस्लिम देश एकमत नहीं है यदि होता तो सीरिया में तख्तापलट नहीं होता खैर युद्ध में विनाश ही होता है और इसका असर पुरे विश्व पर पड़ता है अब ऐ बात समझ लेनी चाहिए की किसी दूसरे देश के बहकावे में नहीं बल्कि आगे के भविष्य को देखते हुए ही युद्ध में हाथ डालें और उसको दूरगामी परिणाम को देखते हुए ही युद्ध करें हमें तो लगता है जो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडन का प्रशासन इससे अच्छा था क्योंकि उसने इजराइल को ईरान में ऐसे हमले से सतर्क किया था और उसके परमाणु सयन्त्र पर हमले ना करने की सलाह दि थी और वो खुद ही इजराइल गए थे जब आतंकी हमला हुआ था उससमय इजराइल मजबूत नजर आ रहा था लेकिन आज कमजोर नजर आ रहा है जैसे लगता है अमेरिका के बहकावे में ऐ कदम उठाया।

-संजय गोस्वामी

48 लाख आवेदनों में से 60244 उम्मीदवारों का योग्यता व कौशलता के बल पर चयन का जबरदस्त आगाज

वैश्विक स्तरपर भ्रष्टाचार रूपी महामारी का डंक पूरी दुनियाँ का हर देश झेल रहा है जिसके उपाय रूपी वैक्सीन का आविष्कार शायद अभी किसी देश ने नहीं किया है,परंतु उपायों पर काम जरूर चल रहा है,अगर मन में संकल्प हो,व दिल में जज्बा लेकर भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकना है तो, मेरा मानना है कि डंके की चोट पर सरकारी नौकरियों में न खर्ची न पर्ची, पारदर्शिता के साथ बिना रिश्वत व सिफारिश के साथ भारती करना होगा जिसमें पीएम से लेकर सीएम तक व गृहमंत्री से लेकर अंतिम स्टेज के कर्मचारियों को पूर्ण सहयोग करना होगा। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि रविवार 15 जून 2025 को मैं देर शाम से टीवी चैनलों इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया से लगातार टच में रहकर यूपी के लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान स्थल पर बड़े पैमाने पर चल रहे 60244 अभ्यर्थियों के जॉइनिंग लेटर सौंपने का समारोह चल रहा था जिसपर मीडिया के माध्यम से मेरी पूरी नजर लगी हुई थी, उसमें माननीय केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल को छू लेने वालीबात कही कि यहां 60244 अभ्यर्थी बैठे हैं, हिम्मत से कह रहा हूं कि किसी को भी एक रूपए रिश्वत नहीं देनी पड़ी,बस! यही बात और यही मॉडल मैं एडवोकेशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, चाहता हूं कि पूरे देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जाए जो, माननीय पीएम और गृहमंत्री ही कर सकते हैं,सेल्यूट सर।चूँकि आज देश के सामने इतनी बड़ी भर्ती व पारदर्शिता की गारंटी वाली मिसाल कायम हुई है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे न खर्ची न पर्ची पारदर्शिता के साथ बिना रिश्वत व सिफारिश से हुई भर्ती मॉडल को सभी राज्यों ने अपनाना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान पर 15 जून 2025 को चल रहे नौकरी जॉइनिंग लेटर सौंपने का समारोह की करें तो,यूपी में 60,244 चयनित सिपाहियों को जॉइनिंग लेटर दिए गए। इनमें से 15 को केंद्रीय गृहमंत्री और सीएम ने लेटर बांटे। बाकियों को समारोह स्थल पर दिए गए। यूपी में पहली बार ऐसा हुआ, जब इतने बड़े पैमाने पर जॉइनिंग लेटर बांटे गए।चयनित सिपाहियों को 1,300 बसों से लखनऊ लाया गया।गृहमंत्री ने लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान में कहा- यूपी सरकार में अब गुंडों का फरमान नहीं चलता। इस काम को आप सभी 60 हजार युवाओं को और आगे बढ़ाना है। अगले पांच सालों में ऐसी व्यवस्था हो जाएगी कि किसी भी एफआई आर के बाद तीन साल के भीतर उसपर सुप्रीम कोर्ट तक फैसला हो जाएगा। उन्होंने कहा- पहले 11 राज्यों में नक्सलवाद हुआ करता था। पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाइयां कीं। मेरी बात याद रखना, 31 मार्च, 2026 तक भारत नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।आगे बोले- बिना पर्ची, बिना खर्ची के हुई ये भर्ती रेखांकित करने योग्य है पिछली सरकारों में कई सारी भर्तियां भी हुई,परंतु मेरे सामने 60,244 अभ्यर्थी बैठे हैं। मैं उनके सामने हिम्मत के साथ कह रहा हूं कि किसी को एक रुपए की रिश्वत किसी को देनी नहीं पड़ी है। भर्ती पारदर्शिता के साथ हुई है। न खर्ची, न पर्ची, सिफारिश से भी नहीं, जाति के आधार पर भी नहीं, और भ्रष्टाचार से भी नहीं। योग्यता के आधार पर 48 लाख आवेदन में से आपका चयन आपकी योग्यता के आधार पर हुआ है।सिपाही भर्ती में 12 हजार से अधिक बच्चियां हैं, जिनके चेहरे की मुस्कान और तेज देखकर काफी सुकून मिला है। गृहमंत्री ने कहा कि 60,244 युवाओं के लिए आज का दिन शुभ है।चयनित सिपाही बोले- एक भी रुपया घूस नहीं लगा। सीएम ने कहा- याद रखना ट्रेनिंग में जितना पसीना बहेगा, खून उतना कम बहेगा। गरीब से गरीब परिवार का बेटा सिपाही बना है। 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने यूपी के युवाओं को साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं, चाहे दलित हों, पिछड़े, महिला या पुरुष सबको बिना किसी भेदभाव के भर्ती का अवसर मिला है। उन्होंने अच्छी पुलिस साबित होने का संदेश दिया है।

साथियों बात अगर हम 60244 अभ्यर्थियों के सिलेक्शन की पूरी प्रक्रिया की करें तो,48 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में 150 सवाल पूछे गए थे। हर सवाल के 2 नंबर तय थे, यानें कुल 300 नंबरों की परीक्षा हुई थी। माइनस मार्किंग भी थी,हर गलत सवाल पर 0.25 नंबर काटे गए।सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए लिखित परीक्षा के बाद 1,74,316 अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था। 10 से 27 फरवरी 2025 के बीचफिजिकल टेस्ट कराया गया,इसके बाद नॉर्मलाइज्ड स्कोर और आरक्षण नियमों के आधार पर फाइनल मेरिट लिस्ट तैयार की गई। तीन महीने पहले, यानी 13 मार्च को फाइनल रिजल्ट घोषित किया गया था।12,048 महिलाओं और 48,196 पुरुषों ने परीक्षा पास की थी। जिसके आधार पर अंतिम रिजल्ट निकला।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के डंक से अर्थव्यवस्था प्रभावित होकर विकास पर असर पड़ने की करें तो,भारत में भ्रष्टाचार एक ऐसा मुद्दा है जो केन्द्रीय, राज्य और स्थानीय सरकारी संस्थानों की अर्थव्यवस्था को कई तरह से प्रभावित करता है। भारत की अर्थव्यवस्था को ठप करने के लिए भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया जाता है। 2005 में ट्रान्सपैरेंसी इंटरनेशनल द्वारा किए गए एक अध्ययन में दर्ज किया गया कि 62 पेर्सेंट से अधिक भारतीयों ने किसी न किसी समय पर नौकरी पाने के लिए एक सार्वजनिक अधिकारी को रिश्वत दी थी। 2008 में, एक अन्य रिपोर्ट ने दिखाया कि लगभग 50 पेर्सेंट भारतीयों को रिश्वत देने या सार्वजनिक कार्यालयों द्वारा सेवाओं को प्राप्त करने के लिए सम्पर्कों का उपयोग करने का प्रत्यक्ष अनुभव था। 2022 में उनके भ्रष्टाचार बोध सूचकांक ने देश को 180 में से 85वें स्थान पर रखा,इसपैमाने पर जहां सबसे कम रैंक वाले देशों को सबसे ईमानदार सार्वजनिक क्षेत्र माना जाता है। सरकारी समाज कल्याण योजनाओं से धन की हेराफेरी करने वाले अधिकारियों सहित भ्रष्टाचार में विभिन्न कारकों का योगदान है। उदाहरणों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटीअधिनियम और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान शामिल हैं।भ्रष्टाचार के अन्य क्षेत्रों में भारत का ट्रकिंग उद्योग शामिल है,जो अंतर्राज्यीय राजमार्गों पर कई नियामकों और पुलिस बन्धों को वार्षिक अरबों रुपये की उत्कोच देने के लिए मजबूर है।

साथियों बात अगर हम भारत के महाशक्ति बनने में भ्रष्टाचार भी एक कसौटी होने की करें तो, भारत के महाशक्ति बनने की सम्भावना का आकलन अमरीका एवं चीन की तुलना से किया जा सकता है। महाशक्ति बनने की पहली कसौटी तकनीकी नेतृत्व है। दूसरी कसौटी श्रम के मूल्य की है। महाशक्ति बनने के लिये श्रम का मूल्य कम रहना चाहिये। तब ही देश उपभोक्ता वस्तुओंका सस्ता उत्पादन कर पाता है और दूसरे देशों में उसका उत्पाद प्रवेश पाता है। चीन और भारत इस कसौटी पर अव्वल बैठते हैं जबकि अमरीका पिछड़ रहा है।तीसरी कसौटी शासन के खुलेपन की है। वह देश आगे बढ़ता है जिसके नागरिक खुले वातावरण में उद्यम से जुड़े नये उपाय क्रियान्वित करने के लिए आजाद होते हैं। बेड़ियों में जकड़े हुये अथवा पुलिस की तीखी नजर के साये में शोध, व्यापार अथवा अध्ययन कम ही पनपते हैं। भारत और अमरीका में यह खुलापन उपलब्ध है। चीन इस कसौटी पर पीछे पड़ जाता है। वहां नागरिक की रचनात्मक ऊर्जा पर कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण है।चौथी कसौटी भ्रष्टाचार की है। सरकार भ्रष्ट हो तो जनता की ऊर्जा भटक जाती है। देश की पूंजी का रिसाव हो जाता है। भ्रष्ट अधिकारी और नेता धन को स्विट्जरलैण्ड भेज देते हैं। ट्रान्सपेरेन्सी इंटरनेशनल द्वारा बनाई गई सूची में भारत को 84वां स्थान दिया गया है।पांचवीं कसौटी असमानता की है। गरीब और अमीर के अन्तर के बढ़ने से समाज में वैमनस्य पैदा होता है।सरकारी महकमे से उठी मांग उठ रही है कि भ्रष्टों पर सरकारी भत्ते की मौज हो बंद, तब रिश्वतखोरी के मामले रोकने में कामयाब होंगे।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि न खर्ची न पर्ची,पूरी पारदर्शिता के साथ बिना रिश्वत व सिफारिश से हुई भर्ती मॉडल को सभी राज्यों ने अपनाना समय की मांग। 48 लाख आवेदनों में से 60244 उम्मीदवारों का योग्यता व कौशलता के बल पर चयन का जबरदस्त आगा?। मेरे सामने 60244 अभ्यर्थी बैठे हैं,उनके सामने हिम्मत से कह रहा हूं कि किसी को भी एक रूपए की रिश्वत नहीं देनी पड़ी है केंद्रीय गृहमंत्रीकी सराहनीय हुंकार को सेल्यूट।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इन्दौर। निचले स्तरों पर आयी लेवाली से आलौच्य सप्ताह के दौरान दलहनों में चना बढ़त पर रहा। तुअर मजबूती पर रही। खाद्य तेलों में बाजार बढ़त पर देखे गये। तिलहनों में सरसो-रायडा टिका रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुर्खी पर रही।

किराना - शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। शक्कर में कामकाज अच्छा रहा। बाजार 4110-4140 रू. प्रति क्विटल पर मजबूत देखे गये। खोपरा गोला पूछपरख से बड़कर 265-285 रू. प्रति किलो पर आ गये। साबूदाने व अन्य फलिहारी जिंसों में श्रावणी माँग से बाजार में सुधार की स्थिति रही। कालीमिर्च में आयातित मालों की सुर्खी से बाजार मजबूत देखे गये। कालीमिर्च एटम क्वालिटी मालों में 825-850 रू. प्रति किलो पर देखा गया। जीरे में व्यापार की मात्रा सामान्य ही है। जीरा राजस्थान क्वालिटीनुसार 280-320 रू. प्रति किलो बोला गया। सौंफ व अन्य अचार मसालों में पूछपरख से बाजार मजबूत देखे गये। नारियलों में माँग है। आवकों में दम वाली बात नहीं है। नारियल 120 भरती मालों में 2600-2650 रू. प्रति थैले पर आ गया। अन्य किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

तेल तिलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु आयातित मालों में सुधार से भावों में मजबूती देखी गयी। आलौच्य अवधि में सींगदाना तेल इन्दौर लाइन पर 1340-1360 रू. प्रति 10 किलो बोला गया। राजकोट तेलिया 60-65 रू. प्रति 15 किलो बड़ाकर बोला गया। सोया तेल में 15-30 रू. प्रति 10 किलो तक की तेजी आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में 1175-1180 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। तिलहनों में सोयाबीन 4200-4300 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। सरसो व रायडे में बाजार टिके रहे।

दाल दलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार अच्छा ही रहा। चने में निचले स्तरों पर आयी माँग के बाद भावों में 200 रू. प्रति क्विटल तक की तेजी आयी। चना बढ़िया मालों में 5700-5750 रू. प्रति क्व?िटल से बड़कर 5900-5950 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। तुअर में बाजार 6200-6500 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उड़द-मूंग में आवकें सामान्य ही रही। उड़द में बाजार 7200-7400 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। मूंग में माँग व पूर्ति के बीच भावों में टिकाव देखा गया।

बीते सप्ताह सरसों, पाम-पामोलीन, बिनौला तेल में तेजी, मूंगफली में गिरावट रही

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पाम-पामोलीन और सोयाबीन तेल, सरसों तेल-तिलहन के भाव में तेजी का रुख रहा। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के अच्छे दाम नहीं मिलने और तेल पेराई मिलों की मांग में कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के भाव पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहे। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश का तेल-तिलहन कारोबार मुख्यत- शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है, जहां लगभग पूरे सप्ताह तेजी बनी रही। विदेशी बाजारों की इस तेजी की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा सोयाबीन तेल कीमतों में समीक्षाधीन सप्ताह में सुधार आया। लेकिन सोयाबीन डीओसी के बेहतर दाम नहीं मिलने की वजह से देशी पेराई मिलें सोयाबीन खरीद में कम दिलचस्पी ले रही हैं। इसके अलावा हाजिर बाजार में सोयाबीन के साथ-साथ मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे है। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 4,425-4,475 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बने रहे। वहीं सोयाबीन दिल्ली का दाम 100 रुपये बढ़कर 12,700 रुपये, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये तेज होकर 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली फसल मंडियों में आने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये टूटकर 5,675-6,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश- 150 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 13,650 रुपये क्विंटल और 2,210-2,510 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये बढ़कर 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये बढकर 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 150 रुपये बढ़कर 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति बदली

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। इजरायल ने 13 जून को सबसे पहले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। एक वैश्विक व्यापार विश्लेषक कंपनी के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। यह दो साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके साथ ही यह इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह पर चलना बेहतर रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी की याद सता सकती हैं व घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आप अपने आर्थिक मामलों को मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करेंगे, जिससे आप अपने कुछ कर्जा को भी आसानी से उतार सकेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप दूसरों के मामलों में बेवजह न बोलें। प्रेम जीवन जी रहे लोग काफी रोमांटिक मूड में रहेंगे और साथी को कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप अपनी सभी कर्मियों को दूर करने की कोशिश करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। शेयर मार्केट से जुड़े लोग अच्छी मात्रा में धन लगा सकते हैं। आपने अगर किसी काम को लेकर गलती की है, तो आप उसके लिए तुरंत माफी मांग लें। आपके काम में भी काफी रुचि बनी रहेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए चुनौतियों भरा रहने वाला है। विद्यार्थियों को आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। परिवार का कोई सदस्य नौकरी को लेकर कहीं बाहर जा सकता है। आप अपने बिजनेस में चल रही योजनाओं के उतार-चढ़ाव को लेकर परेशान रहेंगे। किसी सदस्य के विवाह के बात पक्की हो सकती है। आपको किसी बात को लेकर बेवजह परेशान न हों।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आय को बढ़ाने वाला रहेगा। आप किसी काम को लेकर यदि परेशान चल रहे हैं, तो उसके लिए जीवनसाथी से बातचीत कर सकते हैं। आप भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे। आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर थोड़ा संयम रखने की आवश्यकता है। यदि आपको कोई जिम्मेदारी मिलें, तो आप उससे बिल्कुल पीछे न हटें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। आप किसी को धन उधार देने से बचें। किसी कानूनी मामले में आपका अच्छा खासा खर्च करने के बाद ही निपटारा होता दिख रहा है। कारोबार में आप अपनी योजनाओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों की जरूरतों पर आपको पूरा ध्यान देना होगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। दोस्तों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए धार्मिक कार्यक्रमों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेने की आवश्यकता है। आपको कोई बड़ा जोखिम लेने से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में आपके कामों की सराहना होगी और आपके साथी आपके लिए कोई पुरस्कार भी दे सकते हैं। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको थोड़ा तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा मिल सकता है। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचे। पारिवारिक मामलों में आपको थोड़ा ध्यान रखने की आवश्यकता है। आपके आसपास में कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप रहें। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। माता जी का कोई पुराना रोग उभर भर सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए काम को पूरा करने के लिए रहेगा। कारोबार में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको किसी सामाजिक सम्मेलन में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है। आप अपने जीवनसाथी से काम को लेकर कोई भी बात गुप्त ना रखें, जो लोग विदेश जाने की योजना बना रहे थे, तो उन्हें कोई ऑफर आ सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चों पर लगाम लगाने के लिए रहेगा। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे, लेकिन आप अपने पारिवारिक बिजनेस को लेकर परिवार में किसी बड़े सदस्य से बातचीत कर सकते हैं। यदि आपका कोई कानूनी मामला आपको परेशान कर रहा था, तो आपको उसकी कानूनी राय लेनी होगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। नौकरी में आपको परमिशन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके कामों में कुछ बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिन्हें आप दूर करने की कोशिश करेंगे। आपको अपने खान-पान पर पूरा परहेज रखना होगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको भरपूर मात्रा में सहयोग मिलेगा। माता पिता से आपको आशीर्वाद लेकर घुमने जाना आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके कुछ लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। बिजनेस में आपको मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी और आपकी आय भी बढ़ेगी। भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने के लिए सोच विचारकर रहे हैं, तो आपकी वह इच्छा भी पूरी हो सकती है। जीवनसाथी आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। आप किसी दूसरे के मामले में ज्यादा ना बोलें। यदि आप किसी यात्रा का जाएं, उसमें आपको वाहन बहुत ही से सावधानी से चलाने की आवश्यकता है, नहीं तो कोई दुर्घटना हो सकती है।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा इजरायल-ईरान संघर्ष और इससे वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां शेयर बाजार की चाल पर प्रभाव डालेगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक अभी अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक अमेरिका के आगामी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर और व्यक्तिगत उपभोग खर्च के आंकड़ों पर भी कड़ी नज़र रखेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें भारत के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा ?कि अप्रैल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की प्रवृत्ति में उलटफेर हुआ तथा मई में इसमें काफी मजबूती आई। मई में दर्ज किया गया निवेश पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक रहा, जो भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष सहित अन्य भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से जून में बाजार में सतर्कता के साथ आशावादी रुख देखने को मिल रहा है।

शब्दजाल - 7938

शब्दजाल में 'ना' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ना	हु	मे	रि	ना	ट	क	ल	च	ट	र्जी
ज	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
नी	पी	ना	यि	का	ग	बा	द	ह	प	ल
न	ग	ए	ना	मु	म	कि	न	ह	लि	ना
व	र	ना	ग	रि	क	ला	कि	यो	प	मा
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	कू
न	ना	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	ल
क	रि	का	र	य	र	ना	का	म	वि	रे
र	या	बा	बि	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ल	व	ना	का	रा	टि	ल
बां	स	ना	रा	य	ण	ले	स	सु	रा	ल

नामाकूल,नाकारा,नाकाबिल,नाजनीन, नागरिक,नाटक,नामुमकिन,नाकाम, नारायण,नायिका

शब्दजाल - 7937 का हल

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.00 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	09.16 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.28 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.54 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	18.10 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.01 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.34 बजे से
राहुकाल		मेष	01.05 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	02.45 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.43 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 174 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 22.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 15.17 बजे को समाप्त।
योग धृति 13.17 बजे को समाप्त।
करण गर 11.47 बजे तदनन्तर वणिज 22.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872384
जूलियन दिन 2460849.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6882

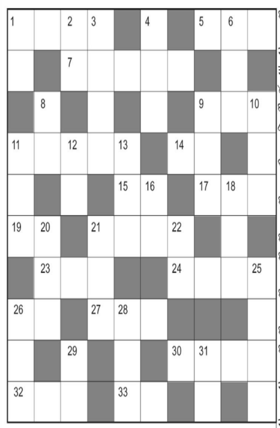

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्कराली' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. रजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6881

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		बा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लक्ष्य की तलाश

बहुत पुरानी कथा है। एक राजा अपने राजसी दायित्वों से ऊब गए थे। वह जो भी करते, बेमन से करते। वह चाहते थे कि किसी तरह राजपाट त्याग दें और ईश्वर का साक्षात्कार करें। एक दिन उन्होंने राजसिंहासन अपने उत्तराधिकारी को सौंपा और राजमहल छोड़कर जंगल की ओर चल पड़े। उन्होंने रास्ते में कई विद्वानों के साथ सत्संग किया, कुछ दिनों तक तपस्या की किंतु उनके भीतर अतृप्ति बनी रही। मन में खिन्नता का भाव लिए वह तीर्थयात्रा पर निकल पड़े। एक दिन चलते-चलते वह काफी थक गए और भूख के कारण निढाल से होने लगे। वह पगडंडी से उतर एक खेत में रुके और एक पेड़ के नीचे बैठ सुस्ताने लगे। उन्हें देख एक किसान उनके पास जा पहुंचा। वह उनका चेहरा देखकर ही समझ गया वह थके होने के साथ भूखे भी हैं। किसान ने हांडी में उबालने के लिए चावल डाले। चावल की हांडी को आग पर चढ़ाकर उसने राजा से कहा, 'उठो, यह चावल पकाओ, जब चावल पक जाएं तब मुझे आवाज दे देना। हम दोनों इससे पेट भर लेंगे।' राजा मंत्रमुग्ध होकर किसान की बात सुनते रहे। किसान के वहां से जाने के बाद उन्होंने चावल पकाने शुरू कर दिए। जब चावल पक गए, तो उन्होंने किसान को बुलाया और दोनों ने भरपेट चावल खाए। भोजन करने के बाद किसान काम में लग गया और राजा को ठंडी छांव में गहरी नींद आ गई। उन्होंने स्वप्न में देखा कि एक दिव्य पुरुष खड़ा होकर कह रहा है, 'मै कर्म हूं और मेरा आश्रय पाए बगैर किसी को शांति नहीं मिलती। राजन, तुम भी पुरुषार्थ करो और अपना लक्ष्य प्राप्त करो।' नींद खुलने पर राजा ने सपने पर विचार किया तब उन्हें कर्म में प्रवृत्त होने की प्रेरणा मिली। वह वापस अपने राज्य लौट गए। उन्होंने जनकल्याण को अपना लक्ष्य बना लिया और उसी में रम गए। इससे उन्हें आत्मिक शांति मिली। उन्हें लगा कि यही वह लक्ष्य था जिसे वह अब तक ढूंढ रहे थे।

सूडोकु नवताल- 7191

★★★ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7190 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 8406

बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8405 का हल

म	हा	का	ल		च	र	क	
त	र		ह		कि		ला	क
वा		ह	जा	म	त			सू
ला	य	क		द		ना	सू	र
		ला	बा		व	जु		
ना	प	ना		आ		क	या	स
य			म	हा	न	ता		र
क	था		जा		र		सी	ता
	ल	ल	क		म	हा	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

भूकंप अलर्ट सिस्टम को स्मार्टवॉच पर लाने की तैयारी में गूगल

नई दिल्ली। गूगल कंपनी अब अपने भूकंप अलर्ट सिस्टम को स्मार्टवॉच पर लाने की तैयारी में है। इसी दिशा में गूगल एक नया कदम उठाने जा रहा है। पहले से एंड्राएड स्मार्टफोन में उपलब्ध यह फीचर अब वियर ओएस आधारित स्मार्टवॉच पर भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे यूजर्स को भूकंप की रियल-टाइम चेतावनी समय रहते मिल सकेगी। यह अलर्ट सिस्टम खासकर उन क्षेत्रों में उपयोगी होगा जहां भूकंप का खतरा ज्यादा होता है। समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थान पर जा सकते हैं और जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। हालांकि भारत में इस फीचर की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि वियर ओएस डिवाइसेस के लिए जैसे ही अपडेट आएगा, इसका विस्तार भारत समेत अन्य देशों में भी किया जाएगा। अब यही तकनीक स्मार्टवॉच में भी उपयोग की जाएगी, जिससे उपयोगकर्ताओं को सीधे उनकी कलाई पर भूकंप की चेतावनी मिलेगी। यह सिस्टम केवल चेतावनी ही नहीं, बल्कि भूकंप के केंद्र यानी एपिकसेंटर की जानकारी भी साझा करता है। हालांकि अलर्ट मिलने का समय कितना पहले होगा, इसकी जानकारी अभी गूगल ने नहीं दी है। यह फीचर वीयर ओएस को और भी ज्यादा उपयोगी और जीवनरक्षक बना सकता है। गूगल का यह सिस्टम पारंपरिक सेइस्मोमीटर की बजाय स्मार्टफोन में मौजूद मोशन सेंसर का इस्तेमाल करता है। जब एक ही इलाके में कई डिवाइस एक साथ कंपन महसूस करते हैं, तो ये डाटा गूगल सर्वर तक भेजा जाता है, जो पुष्टि होने पर तुरंत यूजर्स को अलर्ट भेजता है।

मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी, मुकदमा दर्ज

नोएडा। नोएडा में मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी हो गया है। इससे ठग ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राहकों के शिकायत पर कंपनी प्रबंधन ने जानकारी कि तो डेटा में सेंधमारी होने का पता चला। कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली द्वारिका के रहने वाले जसविंदर सिंह अहलूवालिया की सेक्टर 60 में अग्रवाल मूवर्स एंड पैकर्स के नाम से कंपनी का कार्यालय है। वह कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ हैं। उनका कंपनी प्रबंधन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन है, जो देशभर के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इनमें वरिष्ठ नौकरशाह, रक्षा कर्मी, न्यायाधीश, राजनयिक और प्रमुख नागरिक शामिल हैं। एक जून से ग्राहकों के पास ठगों के काल पहुंचने की शिकायत मिल रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने लाजिस्टक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही उनकी जानकारी लीक हो रही है। इसका पता चलने पर कंपनी प्रबंधन ने संज्ञान लिया जबकि वह डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीकृत साइबर सुरक्षा रखते हैं। कड़ी सुरक्षा के बाद भी प्रबंधन को पता चला है कि अवैध साइबर घुसपैठ हो रही है। इससे ग्राहकों के नाम, पते व सामान की जानकारी का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह इसके संबंध में तकनीकि ऑडिट भी करा चुके हैं। उन्होंने डेटा हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

नगर परिषद उपाध्यक्ष का 5 दिनों से जारी धरना प्रदर्शन विधायक राजकुमार कर्राहे के आश्वासन पर किया समाप्त

नगर के विकास कार्यों में हो रही देरी से नाराज़ पार्षदगण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर बीते 18 जून से नगर परिषद के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यो के धीमी रफ्तार एवं पूर्ण नही होने के चलते अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन कर रहे थे। जिनका धरना प्रदर्शन 22 जून को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के आश्वासन पर समाप्त किया गया। इस दौरान नगर परिषद लांजी के पार्षद गण, उपयंत्री, व्यापारी संघ लांजी के सदस्य गण, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार गण उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर ने विधायक राजकुमार कर्राहे के सामने नगर परिषद लांजी की विभिन्न समस्याऐं रखी की किन किन लापवाहियों के चलते लांजी नगर का विकास रूका पड़ा हूँआ है। कई ऐसे कार्य है जिनका वर्षा से भूमि पूजन हुआ है लेकिन कार्य प्रारंभ नही किये गये है। कई कार्य प्रारंभ है लेकिन पूर्ण नही हुआ है। अनेको निर्माण कार्य गुणवत्ताहिन हो रहे है जिनकी सूध लेने वाले मुकदर्शक बन कर बैठे है। इन सभी चर्चाओ के बाद यह निश्कर्ष निकला है कि सभी निर्माण कार्यो की समीक्षा आगामी 2 जूलाई को परिषद के सभा हॉल में की जावेगी जिसमे समस्त परिषद पदाधिकारी, अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होंगे। विधायक राजकुमार कर्राहे उक्त समीक्षा बैठक लेंगे।

पार्षदो में आक्रोश नही होती परिषद की बैठक

चर्चा के दौरान लगभग सभी पार्षद गण उपस्थित थे जिन्होने विधायक श्री कर्राहे से कहा कि नगर परिषद में समय समय पर जो समस्त पदाधिकारियों की बैठके होनी चाहिये वह नही होती जिसके कारण तो पता ही नही चल पाता कि नगर परिषद के अन्तर्गत कौन कौन से कार्य संचालित है। किस मद से कार्य किये जा रहे है कार्यो को किन आधार एवं इस्टीमेट के अनुसार पूर्ण किया जा रहा है। नगर मे सफाई में सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाये गये है इसके अलावा अनेको विषयों पर चर्चा हुई जिसमें परिषद की बैठके आवश्यक रूप से कराई जाये यह बात सामने आई है।

इनका कहना है

उक्त संबध में विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि लगभग 4- 5 दिनों से नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर के द्वारा नगर परिषद के निर्माण कार्यों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। जब मैं यहां पहुंचा तो उन्होंने बताया कि नगर परिषद में जो निर्माण कार्य किये जा रहे उसमें गुणवत्ता की कमी है। साथ में कुछ ऐसे भी निर्माण कार्य है जिनका पहले भूमि पूजन हो चुका है लेकिन ठेकेदारों ने अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं किया है ऐसी स्थिति में तत्काल कार्य प्रारंभ होना चाहिए और जो गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य हो रहे है उस पर भी निगरानी रखी जानी चाहिए। ताकि अच्छे से लांजी नगर का विकास हो। और भी कुछ समस्याएं जो पार्षदों ने बताई है इस विषय पर भी चर्चा की गई और उपयंत्री को बुलाकर उनसे निर्माण कार्यों को लेकर समझाइश दी गई। वहीं हमने तय किया है की 2 जुलाई को नगर परिषद में समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी जिसमें सभी अधिकारी और ठेकेदारों को भी बुलाया जाएगा और कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

राजकुमार कर्राहे
विधायक लांजी किरनापुर

आज मेरे धरना प्रदर्शन का पांचवा दिन था और आज हमारे विधायक राजकुमार कर्राहेजी द्वारा मुझे आश्वाशन दिया है कि कार्यों को हम जल्द से जल्द गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाएंगे। और मैं विधायक जी पर भरोसा करते हुए मैं आज अपना धरना प्रदर्शन समाप्त कर रहा हु।

संदीप रामटेक्कर
उपाध्यक्ष नगर परिषद लांजी

नगर परिषद लांजी के उपयंत्री अमित नगपूरे ने कहा कि लांजी नगर परिषद के के उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जो निर्माण कार्य को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया है वहां आज समाप्त किया गया है और यह सुनिश्चित किया गया है कि आने वाली दो जुलाई को हमारे द्वारा समीक्षा बैठक सभी अधिकारी और ठेकेदारों और जनप्रतिनिधियो के बीच बुलाई जाएगी। बैठक में सभी ठेकेदारों से वन टू वन उनके कार्यों की जानकारी लेंगे और अगर कोई तकनीकी समस्या आ रही है तो उसका निराकरण करेंगे।और सभी कार्यों को गति देने का प्रयास हमारे तरफ से किया जाएगा। ठेकेदारों द्वारा किसी भी प्रकार का गुणवत्ताहीन कार्य किया जाता है तो उनपर पेनाल्टी लगाई जाएगी।

अमित नगपुरे उपयंत्री
नगर परिषद लांजी

रिसेवाड़ा हाई स्कूल के पीछे पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत रिसेवाड़ा हाई स्कूल के पीछे एक युवक का शव 22 जून को शाम करीब 4 बजे पलाश के पेड़ पर फांसी के फंदे में लटकता हुआ पाया गया। जिसे स्थानीय लोगो ने देखकर बहेला पुलिस को उक्त संबध में सूचित किया गया। बहेला पुलिस मौका स्थल पर पंहुची तथा शव को पेड़ से नीचे उतारा गया तथा शव की शिनाख्त करवाई गई लेकिन कुछ घंटो तक शव की शिनाख्त नही हो पाई थी। बाद में ज्ञात हुआ कि शव दुलापुर निवासी जीवन पिता ज्ञानीराम सैय्याम उम्र 20 वर्ष का है। शव को बहेला के पुलिस के द्वारा सिविल अस्पताल लांजी लाकर मूर्चूरी में रखा गया है। वहीं शव को लेकर परिजनों ने बताया कि जीवन अपनी बहन के घर भूरसाडोंगरी 21 जून को गया था तथा 22 जून को 11 बजे लगभग भूरसाडोंगरी से अपने गांव दुलापूर के लिये जाने निकला था लेकिन घर नही आया हमने फेसबुक व्हाट्सएप मुं देखकर लोगो ने हमे सूचित किया कि आपका भाई रिसेवाड़ा फांसी पर लटका पाया गया है। तथा भाई जीवन के शव को सिविल अस्पताल लांजी ला लिये थे। वहीं अब तक यह ज्ञात नही हो पाया है कि जीवन ने आत्महत्या क्यों कि है। बहेला पुलिस उक्त संबध में मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

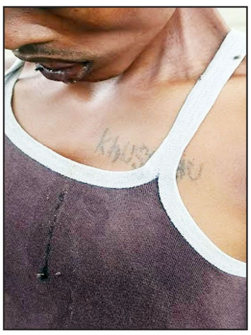

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नवांकुर-यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति, लांजी के तत्वाधान में 21 जून को नगर के सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में 11वां अंतरराष्टीय योग दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 6 बजे आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में समिति के गणमान्य सदस्यों, स्थानीय नागरिकों और योग प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ थीम के अंतर्गत किया गया, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करता है।कार्यक्रम का शुभारंभ नवांकुर-यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति के सचिव रमेश आसटकर के मार्गदर्शन में हुआ। श्री आसटकर ने योगाभ्यास को सुनियोजित और विधिवत ढंग से संचालित किया, जिसमें सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भद्रासन, वज्रासन, कपालभाती, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों को योग के लाभों के बारे में बताया और इसे दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। श्री आसटकर ने कहा, 卐योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि यह मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन प्रदान करता है, जो आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष नरेश आसटकर, विजय रामटेक्कर, टी.सी. बिहोने, अमित हेजिब, छबीलाल मरठे, मुकेश आसटकर और सदरुलाल बोहने जैसे गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही। इन सभी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। विजय रामटेक्कर ने अपने संबोधन में कहा, योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक है, बल्कि समाज को जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने एकजुट होकर योगाभ्यास किया और योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। टी.सी. बिहोने ने इस अवसर पर कहा, 卐योग एक ऐसी साधना है, जो हमें प्रकृति और समाज के साथ सामंजस्य स्थापित करने में मदद करती है। अंतरराष्टीय योग दिवस का यह आयोजन हमें एकजुटता और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करता है। यह आयोजन आयुष मंत्रालय द्वारा जारी कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुरूप किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को योग को नियमित रूप से अपनाने और अपने परिवार व समाज में इसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सेंट्रल इंडिया एकेडमी में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सेंट्रल इंडिया एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल, लांजी में 11वां अंतर्राष्टीय योग दिवस सुबह 6 बजे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।सर्वप्रथम मां सरस्वती और मां भारती की पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात भोपाल से माननीय मुख्यमंत्री और विशाखापट्टनम से माननीय प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया।विद्यालय के प्राचार्य हेमंत बनाकर ने योग के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, जीवन में कार्य जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही व्यायाम हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिदिन योग और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल कर शरीर को स्वस्थ और सुसंगठित रखा जा सकता है। उन्होंने छात्रों को सुबह जल्दी उठने और नियमित व्यायाम की सलाह दी। वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती संध्या मिश्रा ने भी योग के विविध लाभों की जानकारी दी। समिति अध्यक्ष श्रीमती विभा अनिल तिवारी ने योग दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।प्राचार्य के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भ्रामरी प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया।कार्यक्रम के अंत में समिति सदस्य श्रीमती मीरा बनकर ने छात्रों को नियमित विद्यालय आने और अध्ययन में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के योगदान की सराहना की और कार्यक्रम की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया।इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग रहा।

शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल बहेला में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ योग शिविर का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। ग्यारहवें अंतरराष्टीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2025 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के समस्त स्टाफ, जनप्रतिनिधि, पुलिस थाना बहेला के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। शाला प्रभारी श्रीमती रेखा लिल्हारे ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद विशाखापट्टनम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग दिवस उद्बोधन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। सभी छात्रों, अतिथियों और शिक्षक स्टाफ ने प्रसारण के अनुसार योग किया।योग प्रभारी शिक्षक मनोज कोठारे और डालीराम उपराडे ने योग की विभिन्न क्रियाओं और गतिविधियों का संचालन किया। श्री उपराडे ने योग के लाभों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात शाला प्रभारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। समापन पर स्टाफ, जनप्रतिनिधियों और छात्रों को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में किया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्टीय शिक्षा परिषद के पत्र और डॉ. शंकरशाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा के निर्देशानुसार पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में 21 जून को अंतरराष्टीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख श्रीमती वंदना वैद्य के मुख्य आतिथ्य और प्राचार्य टी.एस. बिहोने की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया।अंतरराष्टीय योग दिवस, जो प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 में अपनी 11वीं वर्षगांठ के साथ विशेष महत्व रखता है। इस साल की थीम 卐एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग卐 है, जो मनुष्य, प्रकृति और समग्र स्वास्थ्य के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर केंद्रित है।महाविद्यालय के योग शिक्षक के.के. उमरे के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योगासनों में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, शवासन, पद्मासन, चक्रासन और धनुरासन शामिल थे। श्री उमरे ने आसनों के सही तरीके, उनके लाभ और योग की शैली पर विस्तृत जानकारी दी। प्राणायाम सत्र में उज्जायी, अनुलोम-विलोम और कपालभाती का अभ्यास कराया गया।कार्यक्रम में डी.एल.एड., बी.एस.सी.बी.एड., और बी.एड. के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों, और महाविद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राध्यापक श्री सी.एस. मेश्राम का विशेष योगदान रहा।यह आयोजन योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

तीन साल पहले से ही मिशन 2028 की तैयारी में जुटी भाजपा

- 2023 से बेहतर प्रदर्शन के लिए 172 सीटों पर बढ़ाई सक्रियता

भोपाल। भाजपा ने जिस रणनीति के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी कर प्रदेश की सभी 29 सीटें जीती थी, अब उसी रणनीति पर 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार मिशन 2028 के तहत भाजपा ने 172 (एससी और आदिवासी वर्ग के प्रभाव वाली 127 सीटों के साथ ही सामान्य वर्ग की 45 सीट)विधानसभा सीटों पर विशेष रणनीति बनाकर काम करने जा रही है। इसको लेकर पचमढ़ी में तीन दिनों तक चली बैठक में मंथन भी किया गया। जानकारों का कहना है कि आगामी विधानसभा में प्रदेश की सभी सीटें जितने का लक्ष्य बनाया गया है।

गौरतलब है कि भाजपा विधायकों और सांसदों को पचमढ़ी में 3 दिनों तक अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में भाजपा ने दलित-आदिवासी वर्ग के प्रभाव वाली सीटों को लेकर विधायकों, सांसदों के ग्रुप बनाकर चर्चा की। इस चर्चा में भाजपा ने विधायकों को यह टारगेट दिया है कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र के उन वर्गों से बातचीत करें जो हार-जीत तय करते हैं। भाजपा ने उन सीटों को इस लिस्ट में रखा है जो सामान्य यानी अनारक्षित हैं। लेकिन, हार जीत में दलित आदिवासी वर्ग के वोटर महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस चर्चा से साफ है कि आगामी समय में इन 45 अनारक्षित विधानसभाओं में से कुछ सीटें आरक्षित हो सकती हैं। इनको लेकर भाजपा गंभीर है और परिसीमन के बाद होने वाले चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसका नजारा पचमढ़ी में भी देखने को मिला। वहां तीन समूहों में चर्चा हुई। इस ग्रुप डिस्कशन में तीन प्रकार से विधानसभा सीटों को विभाजित किया गया था। पहले समूह में एससी वर्ग के प्रभाव वाली 71 विधानसभा सीटों के विधायकों के साथ चर्चा की गई। इस समूह की बैठक को क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने संबोधित किया। दूसरे समूह में आदिवासी वर्ग के प्रभाव वाली 56 सीटों के विधायकों को रखा गया। इस समूह से प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने चर्चा की। तीसरे ग्रुप में अन्य 74 विधानसभा सीटों के विधायकों, सांसदों के साथ मंत्री राकेश सिंह ने चर्चा की।

इन सीटों से तह होता है सत्ता का रास्ता

दरअसल प्रदेश में आदिवासी और एससी वर्ग के प्रभाव वाली सीटें सत्ता का रास्ता तय करती हैं। भाजपा विधायकों और सांसदों को पचमढ़ी में 3 दिन तक अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा सीटों पर फोकस किया गया था। इसके लिए अलग-अलग ग्रुप बनाकर विधायकों से चर्चा हुई है। मप्र में आदिवासी सीटें, जिस राजनीतिक दल के हिस्से में गई, उसके हाथ में सत्ता रही। यही कारण है कि दोनों राजनीतिक दल आदिवासी सीटों पर फोकस कर रहे हैं। भाजपा इसकी तैयारी में अभी से जुट गई। भाजपा इस वर्ग के कल्याण के लिए

तमाम योजनाएं चला रही है। पिछले तीन चुनाव में राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से आदिवासी वर्ग वाली सीटों का प्रभाव रहा। इन सीटों की हार-जीत राज्य की सियासत में बड़ा बदलाव ला देती है, जिस भी राजनीतिक दल को इन सीटों में से ज्यादा पर जीत हासिल हुई, उसे सत्ता नसीब हुई है। इतना ही नहीं लगभग हर चुनाव में यहां मतदाताओं का रूख भी बदलता नजर आता है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में इन सीटों में से 30 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी और सत्ता में आ गई थी। वर्ष 2013 के चुनाव में भाजपा के हाथ में 31 सीटें आई थी। समूह चर्चा में ये कहा गया कि प्रदेश में 47 विधानसभा सीटें आदिवासी और 35 विधानसभाएं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। लेकिन, 36 सीटें ऐसी हैं जो आरक्षित नहीं हैं लेकिन, एससी वर्ग के वोटर निर्णायक हैं। इसी तरह 9 सामान्य सीटें ऐसी हैं जहां आदिवासी वोटर निर्णायक हैं। जो सीटें सामान्य हैं लेकिन, एससी, एसटी वोटर महत्वपूर्ण भूमिका में हैं उन सीटों के विधायकों को प्रभावशाली वोटर्स के बीच जाकर बातचीत करना चाहिए। उनके जो स्थानीय मुद्दे हैं या सरकार से अपेक्षाएं हैं उनको जानकर समाधान के लिए काम करना चाहिए।

परिसीमन के बाद होने वाले चुनाव की तैयारी

पचमढ़ी में हुए प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा ने विधायकों को यह टारगेट दिया है कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र के उन वर्गों से बातचीत करें जो हार-जीत तय करते हैं। भाजपा ने उन सीटों को इस लिस्ट में रखा है, जो सामान्य यानी अनारक्षित है, लेकिन हार जीत में दलित आदिवासी वर्ग के वोटर महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस चर्चा से साफ है कि आगामी समय में इन 45 अनारक्षित विधानसभाओं में से कुछ सीटें आरक्षित हो सकती हैं। इनको लेकर भाजपा गंभीर है और परिसीमन के बाद होने वाले चुनाव की तैयारी में जुट गई है। गौरतलब है कि प्रदेश की कुल 230 विधानसभा सीटों में एससी के लिए आरक्षित सीटें 35 हैं। इनमें कांग्रेस के एससी विधायक 9, भाजपा के एससी विधायक 26 हैं। वहीं एसटी के लिए आरक्षित सीटें 47 हैं। इनमें कांग्रेस के एसटी विधायक 22, भाजपा के एसटी विधायक 24 और अन्य दल के एसटी विधायक 01 हैं। भाजपा की कोशिश है की आगामी विधानसभा में इन सीटों पर पार्टी का प्रदर्शन और बेहतर हो। इसके लिए अभी से रणनीति बनाकर काम किया जा रहा है। समूह चर्चा में विधायकों से कहा गया कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए जो क्षेत्र आरक्षित हैं वहां के विधायकों को अनुसूचित जाति, आदिवासी वर्ग के लोगों के बीच जाकर ये जानने का प्रयास करना चाहिए कि क्या उन्हें शासन की योजना का पात्रता के अनुसार फायदा मिल रहा है या नहीं? लोगों, युवाओं, महिलाओं और स्थानीय स्तर पर किसानों से बातचीत कर यह जानने की कोशिश करें कि वे सरकार से क्या चाहते हैं? भाजपा से इन वर्गों की क्या अपेक्षा है? उनकी परेशानियां क्या हैं? बैठक में इस बात पर खासा जोर दिया गया कि जिन वर्गों के मतदाता प्रभावशाली भूमिका में हैं यदि वे किसी और दल के साथ जुड़े हैं तो उन्हें जोडने् का प्रयास करें। पढ़े-लिखे युवाओं, और दलित वर्ग के इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, व्यवसायियों को जोडने् का प्रयास करें। यदि आप नहीं जोड़ेंगे तो कोई और उन्हें अपने साथ जोड़ लेगा।

वनों का संरक्षण एवं संवर्धन पहली प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के वनों के संरक्षण एवं संवर्धन को पहली प्राथमिकता में रखा गया है। वनों को हरा-भरा रखने के लिये अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अब प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ रहा है और ओपन फारेस्ट कम हो रहा है। मध्यप्रदेश वनों में हर्बल औषधियों का भी खजाना है। वर्ष 2024-25 में वन विभाग 6 करोड़ से अधिक की हर्बल औषधियों की आपूर्ति आयुष विभाग एवं सरकारी संस्थानों को कर चुका है। मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, विशेष वन एवं वन्य प्राणियों की विविधता के लिये जाना जाता है। यहां वनों के रहने और नदियों के बहने का भी संबंध है। वनों की गोद से निकली सोन, नर्मदा, ताप्ती, चंबल के साथ सिंध, बेतवा, केन, धसान, तवा, क्षिप्रा और कालीसिंध जैसी नदियां जन-जीवन को जीवन दे रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में वनों से निकलने वाले तेन्दूपत्ता से 15 लाख परिवारों की आजीविका चल रही है। इससे 35 लाख लोग जुड़े हुये हैं, जिनमें 15 लाख पुरूष और 20 लाख से अधिक महिलाएं हैं। प्रदेश के वनों से हर वर्ष 12 लाख बोरा से अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया जाता है। प्रदेश सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्रहण करने वालों का पारिश्रमिक 3 हजार से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा कर दिया है। वनोपजों के संग्रहण एवं विपणन के अधिकार ग्राम सभाओं को दिये गये हैं। तेन्दूपत्ता का संग्रहण एवं विपणन मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज व्यापार एवं विकास सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से कराया जाता है। प्रदेश के 20 जिलों की कुल 243 ग्राम सभाओं द्वारा स्वयं सग्रहण एवं विपणन किया जाता है। लघु वनोपज का स्वामित्व ग्राम सभाओं को सौंपा गया है। प्रदेश में लघु वनोपज व्यवसाय से ग्रामीणों को उचित लाभ दिलाने के लिये अनेक नीतिगत निर्णय लिये गये हैं। लघु वनोपज के अंतर्गत तेन्दूपत्ता के व्यवसाय से होने वाली सम्पूर्ण शुद्ध आय प्राथमिक सहकारी वनोपज समितियों को उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के वन क्षेत्र को हरा-भरा रखने के लिये वन विभाग की नई कार्ययोजना में 50 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र को टारगेट किया गया है इसके लिये 5 साल की कार्ययोजना बनाई गई है। कार्ययोजना के अंतर्गत नेशनल मिशन फॉर ए ग्रीन इंडिया के तहत वातावरण तैयार किया जाना है। इसमें वनों पर आधारित 30 लाख परिवारों की आजीविका को सुधारने का लक्ष्य है। ग्रीन इंडिया मिशन के अंतर्गत वर्ष 2017-18 से वर्ष 2024-25 तक 200 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत हुई है इससे 29 हजार 876 हेक्टेयर क्षेत्र को उपचारित कर 70 लाख 37 हजार 589 पौधों का रोपण किया गया है।

भाजपा की महिला विधायक ने एसपी को हटवाने लगाए प्रताडऩा के आरोप

भोपाल। गुना जिले की चाचौड़ा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रियंका मीणा ने पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी पर प्रताडऩा के आरोप लगाए हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में पुलिस अधीक्षक पर थाना प्रभारियों के तबादले भी मनमर्जी से करने के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में वे आईजी कार्यालय एवं मुख्यमंत्री कार्यालय को अपनी प्रताडऩा से अवगत करा चुकी हैं। चाचौड़ा से विधायक प्रियंक पेंची ने पत्र में कहा है कि चाचौड़ा क्षेत्र अंतर्गत समस्त थाने के प्रभारी बिना प्रभारी मंत्री और स्थानीय विधायक की अनुशंसा के बदल दिए गए हैं। रोज नई-नई कहानियां गढक़र वर्तमान गुना एसपी एवं चाचौड़ा एसडीओपी द्वारा केवल महिला विधायक होने के कारण प्रताड़ित किया जा रहा है। इस विशेष पर तुरंत ध्यान देकर कार्यवाही की जाए। इतना ही नहीं पत्र में कहा है कि इस विषय पर आईजी ग्वालियर और मुख्यमंत्री कार्यालय को फोन के माध्यम से अपनी प्रताडऩा को लेकर अवगत कराया है। बताया गया कि इस मामले को गृह विभाग संज्ञान लिया है। यहां बता दें कि 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी अंकित सोनी गुना पुलिस अधीक्षक हैं।

सरकारी मेडिकल कॉलेज में हर मृत्यु का ऑडिट

- अस्पतालों में किए गए इलाज पर रिसर्च

भोपाल। नेशनल मेडिकल काउंसिल की गाइडलाइन के आधार पर डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन ने एक एक्शन प्लान तैयार किया है। डॉ अरुण कुमार ने जानकारी देते हुए कहा, सरकारी मेडिकल कॉलेज में किसी भी मरीज की मौत पर मेडिकल रिसर्च होगी।

मध्य प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में जिन मरीजों की मौत होगी। उनका साइंटिफिक एनालिसिस किया जाएगा। मौत की वजह को पता लगाने, किए गए इलाज, दी गई दवा तथा मरीज के ऊपर उसका असर सभी की जांच होगी।

इस तरह के विश्लेषण से मौत के कारण का पता लगाया जाएगा। सारी जानकारी एक फॉर्मेट में तैयार की जाएगी। इस कार्य के लिए एमबीबीएस और पीजी के छात्रों की सेवाएं, मेडिकल कॉलेज में अनिवार्य की गई है।

मध्य प्रदेश के प्रत्येक सरकारी मेडिकल कॉलेज की इससे रैंकिंग तैयार होगी। इसके लिए रिसर्च स्टूडेंट को आउटकम वेबसाइट अपडेट और डाटा रिपोर्टिंग से संबंधित कार्यों पर फोकस किया जाएगा। नई नीति से जहां छात्रों की पढ़ाई, इलाज और सर्जरी के लिए अनुभव बेहतर होगा।

एकीकृत ट्रेनिंग हेल्थ और मेडिकल एजुकेशन विभाग के मर्जर होने के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत, स्किल लेब, मृत्यु प्रमाणन और मेडिकल पॉलिसी जैसे विषयों पर बेहतर प्रशिक्षण संभव हो सकेगा। 1 साल में दो बार फैकल्टी के लिए ट्रेनिंग भी आयोजित की जाएगी।

सरकारी बसों को चलाने के ब्लूप्रिंट को सीएम की हरी झंडी

भोपाल। राज्य परिवहन निगम के बंद होने के बाद से मप्र में परिवहन व्यवस्था बेपटरी हो गई है। निजी बस ऑपरेटर्स केवल उन्हीं मार्गों पर बसें दौड़ा रहे हैं, जिन मार्गों पर कमाई ज्यादा है। इसके साथ ही यात्रियों से किराया भी तय सीमा से अधिक वसूला जा रहा है। ऐसे में अब मोहन सरकार ने प्रदेश की जनता को निजी ऑपरेटर्स की लूट से बचाने के लिए पीपीपी मोड पर सरकारी बसें चलाने की योजना बनाई है। इसका ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। अब राज्य स्तरीय होल्डिंग कमेटी के गठन की प्रक्रिया चल रही है।

बता दें कि प्रदेश में पीपीपी यानि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बसें चलाने से पहले मार्गों का सर्वे किया जा रहा है। सरकारी बसें केवल उन्हीं मार्गों पर चलाई जाएंगी, जिन मार्गों पर निजी बसें कम चल रही है। इसके साथ ही यात्रियों के लोड का सर्वे भी किया जा रहा है। सबसे पहले जिन शहरों में बस चलाने का निर्णय लिया गया है उनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा और सागर जिले शामिल हैं। इन मार्गों पर यात्रियों के दबाव और निजी परिवहन सेवाओं के खस्ताहाल होने के कारण सबसे पहले इन 7 जिलों का चयन किया गया है।

नो प्रोफिट, नो लास पर आधारित होगी सेवा

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बताया कि मप्र में पीपीपी मोड पर बस चलाने का उद्देश्य प्रदेश की जनता को दूरस्थ अंचलों तक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। यह सर्विस पूरी तरह से नो प्रॉफिट-नो लास पर आधारित होगी। अभी प्रदेश में पीपीपी मोड पर बस संचालन का मामला प्रारंभिक चरण में है। मार्गों का सर्वे किया जा रहा है। जिन मार्गों पर डिमांड अधिक होगी, सबसे पहले उन्हीं रूट पर बस सेवा शुरू की जाएगी।

हर जिले में बनेगी जिला परिवहन कमेटी

अधिकारियों ने बताया कि मप्र में पीपीपी मोड पर बस संचालन की त्रिस्तरीय व्यवस्था होगी। सबसे पहले राज्य स्तर पर एक होल्डिंग कंपनी का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही जिन 7 शहरों में सरकारी बसें चलाई जाना है, वहां क्षेत्रीय परिवहन कंपनी का गठन किया जाएगा। इसके अलावा हर जिले में जिला परिवहन कमेटी होगी। जिससे स्थानीय स्तर पर बसों की मॉनीटरिंग की जा सके और यात्रियों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जा सके।

सीसीटीवी और एआई सिस्टम से लैस होंगी बसें

बता दें कि राज्य परिवहन निगम को घाटे की वजह से मप्र में बंद किया गया था। इसका बड़ा कारण बस स्टाफ द्वारा की जा रही अनियमितताएं थी। ऐसे में इस बार सरकार बसों की एआई के जरिए निगरानी करेगी। सभी बसों में सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। राज्य स्तर पर होल्डिंग कंपनी और क्षेत्रीय स्तर पर गठित कंपनियों के कार्यालय में कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जिससे इन बसों की लाइव ट्रैकिंग की जा सके। इसके साथ ही यात्रियों को हैंड हेल्ड मशीन से टिकट दिए जाएंगे। बस संचालन का जिम्मा किसी और को तो टिकट वसूली का जिम्मा अन्य कंपनी को दिया जाएगा।

सरकार नहीं खरीदेगी एक भी बस

सरकार पीपीपी मोड पर बसें चलाएगी यानि ये सभी बसें प्राइवेट ऑपरेटर्स से किराए पर ली जाएंगी। बस संचालन के लिए सरकार एक भी बस नहीं खरीदेगी। वहीं कंपनी को नुकसान न हो इसके लिए यात्रियों के साथ कार्गो परिवहन की सुविधा भी दी जाएगी। इसके साथ ही लास्ट माइल कनेक्टिविटी और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए एप का निर्माण कराया जाएगा।

मप्र में बनेगा नया जिला, डिंडोरी के होंगे 2 टुकड़े!

- 47 सालों से हो रही शहपुरा को जिला बनाने की मांग

भोपाल। मप्र का आदिवासी जिला डिंडोरी अब टूटने की कगार पर खड़ा हो गया है। इस जिले में दो विधानसभा हैं, डिंडोरी और शहपुरा। जिसमें शहपुरा क्षेत्र के लोग इसे नया जिला बनाने की मांग पर इस बार न सिर्फ अड़े हुए हैं, बल्कि आंदोलन के लिए भी लामबंद हैं। इसके लिए शहपुरा क्षेत्रवासियों और आमजनों ने एक मांग पत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम नायब तहसीलदार शहपुरा को सौंपा है। इस पत्र में शहपुरा को नया जिला बनाने की मांग की है।

दरअसल, शहपुरा जिला बनाओ संघर्ष समिति ने शहपुरा तहसील कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार सुखमन कुलेश को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें शहपुरा को जिला बनाने की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि शहपुरा को जिला बनाने की मांग पिछले 47 सालों से लगातार की जा रही है। यह मांग बीच-बीच में तब तेज होती है जब विधानसभा या लोकसभा चुनाव आते हैं। लेकिन इस बार एक पत्र ने शहपुरा क्षेत्र वासियों की टेंशन बढ़ा दी। इस पत्र में मंडला जिले की सबसे बड़ी तहसील निवास को जिला बनाने के लिए विस्तृत जानकारी चाही गई है। जिसमें निवास को शहपुरा के साथ जोडक़र जिला बनाने की बात लिखी गई है। जिसके बाद शहपुरा के लोग लामबंद हो गए।

ज्ञापन के माध्यम से शहपुरा जिला बनाओ संघर्ष समिति के सदस्यों ने बताया कि सन 1977 से लेकर आज तक शहपुरा को डिंडोरी से पृथक कर अलग जिला बनाने की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है। लेकिन अब तक प्रदेश सरकार ने कोई विचार नहीं किया है। यह मांग उस दौरान भी की गई जब मंडला जिले से डिंडोरी को अलग जिला बनाया जा रहा था। इसको लेकर क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों ने महामहिम राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री, राज्यपाल से लेकर कैबिनेट मंत्रियों तक को ज्ञापन एवं मांग पत्र सौंपा है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है, शहपुरा को जिला बनाने के लिए निवास, मेहदवानी, विक्रमपुर, चौरई, रहटा क्षेत्र एवं तहसील व विधानसभा को जोड़ा जाए। मांग पत्र में शहपुरा क्षेत्रवासियों ने उल्लेख किया है कि हाल में ही शासन प्रशासन के द्वारा एक पत्र जारी किया है। जिसमें उल्लेख है कि निवास को जिला बनाए जाने के लिए स्थानीय प्रशासन से राजस्व विभाग संबंधी जानकारी शहपुरा राजस्व क्षेत्र की चाही गई है। जिसमें शहपुरा और मेहदवानी ब्लॉक को शामिल किया जाना है। इस पत्र के वायरल होने के बाद से शहपुरा क्षेत्र की जनता एक बार फिर सक्रिय हुई और मांग पत्र सौंपा है कि शहपुरा को ही अलग जिला बनाया जाए।

सरकारी कॉलेजों की सीटें भरी...निजी कालेजों में एडमिशन का टोटा

भोपाल । उच्च शिक्षा विभाग की ओर से नए शैक्षणिक सत्र को जुलाई में शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरणों में है। समय पर शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए एक महीने पहले ही यूजी एवं पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए काउंसलिंग शुरू हो गई थी। सरकारी कॉलेज की अधिकतर सीटें भर चुकी है। वहीं निजी कॉलेज संचालकों की दूसरे राउंड में भी 70 फीसदी ज्यादा साइट खाली रहेगी। 24 जून को सेकंड काउंसलिंग की सूची जारी हो जाएगी और 25 जून से कॉलेज लेवल काउंसलिंग भी शुरू होगी।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 15 मई से प्रवेश के लिए पहले चरण शुरू हो गया था। पहले दौर में बीए, बीकॉम, बीएससी, एमए, एमकॉम, एमएससी आदि यूजी-पीजी की सीटों पर तकरीबन सवा लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए आवेदन किया था। पहला चरण पूरा होने के बाद 13 से 18 जून तक दूसरा चरण कॉलेज में प्रवेश के लिए रखा गया था। इसमें करीब 1 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। अब इसकी आवंटन सूची 24 जून तक आएगी। इसका विद्यार्थियों को बेसब्री से इंतजार भी है। दरअसल, प्रदेश के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों में यूजी की 6 लाख 70 हजार और पीजी की 1 लाख 80 हजार सीट रहती है। कुल 8 लाख 50 हजार सीटें हर साल प्रवेश के लिए निर्धारित रहती हैं। खाली सीटों में सबसे ज्यादा आंकड़ा निजी कॉलेजों का रहता ही है।

प्रवेश से पूर्व विद्यार्थी गंभीरता से करे विचार

स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद विद्यार्थी कॉलेज में प्रवेश के लिए उत्सुक रहते है। निजी कॉलेज संचालक नए विद्यार्थियों को उनके स्कूलों से ही संपर्क कर कॉलेज में प्रवेश होने तक अलग-अलग प्रकार के प्रलोभन या चॉइस दी जा रही है। इसमें कॉलेज की बिल्डिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, लाइब्रेरी, मैदान, वाई फाई के साथ प्लेसमेंट की गारंटी का वादा करने से भी नहीं चूकते। यही नहीं फीस में भी निजी कॉलेज डिस्काउंट कर रहे है, ताकि उनके कॉलेजों में ज्यादा से ज्यादा प्रवेश हो जाए।

कांग्रेस नेता कब्रिस्तान पर बना रहे गोशाला

- भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा से भूमिपूजन

भोपाल। भोपाल में कोलार क्षेत्र के अकबरपुर बंजारी में कब्रिस्तान की जमीन पर गोशाला बनाई जा रही है। कब्रिस्तान के केयरटेकर शेख मतीन ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि इस जमीन पर वक्फ बोर्ड का रजिस्टर्ड कब्रिस्तान की है, जिस पर कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव कब्जा कर गोशाला बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस मामले में कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने कहा कि कल हमारे पास इस तरह की शिकायत आई थी। हमने आवेदन को तुरंत ही तहसील कार्यालय भिजवा दिया है, वहां से जवाब आने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकेगा।

केयरटेकर शेख मतीन का कहना है कि 21 जून की शाम को बड़ी संख्या में लोग कब्रिस्तान परिसर में पहुंचे और टेंट लगाना शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर उन्होंने कोलार थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। खास बात ये है कि रविवार सुबह कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव ने गोशाला का भूमिपूजन हुजूर से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा से कराया।

वक्फ बोर्ड का सूचना बोर्ड अज्ञात लोगों ने उखाड़ा

शेख मतीन ने अपनी शिकायत में बताया कि यह जमीन जिला खसरा नंबर 112 के तहत आती है, जो वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में पंजीकृत है। वक्फ बोर्ड रजिस्ट्रेशन क्रमांक-766 के अनुसार, यह जगह एक मान्यता प्राप्त कब्रिस्तान है और मध्यप्रदेश शासन के गजट नोटिफिकेशन में भी इसका जिक्र है। शिकायत में केयरटेकर ने कांग्रेस नेताओं अश्विनी श्रीवास्तव और राम यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने मिलकर कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर गोशाला निर्माण के लिए भूमिपूजन कराया। भूमिपूजन में पहुंचे बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव मेरे पास आए थे और उन्होंने कहा कि उन्हें यह जमीन अलॉट हुई है। वे यहां निश्शुल्क गोशाला बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह काम पूरी तरह सेवा भाव से प्रेरित है। मुझे लगा कि यह पुण्य का काम है, इसलिए मैं भूमिपूजन में शामिल हुआ। इसमें कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। मप्र वक्फ बोर्ड के चेयरमैन सनवर पटेल ने कहा कि हमें इस मामले की जानकारी मिली है। हम अपने रिकॉर्ड को देखकर प्रशासन से बात करेंगे।

मुस्लिम समाज की हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कब्रिस्तान की जमीन पर इस तरह के निर्माण से मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा- यह जमीन धार्मिक स्थल के रूप में गजट में दर्ज है। अगर प्रशासन ने इस पर तुरंत रोक नहीं लगाई तो हम हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

लीड्स टेस्ट-भारत का पहला विकेट गिरा, यशस्वी आउट

इंग्लैंड ने पहली पारी में 465 रन बनाए; बुमराह को 14वीं बार 5 विकेट

लीड्स। भारत ने तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 51 रन की बढ़त हासिल कर ली है। रविवार के तीसरे सेशन में भारतीय टीम इंडिया ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 45 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल क्रीज पर हैं। यशस्वी जायसवाल 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ब्रायडन कार्स ने कैच किया।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में आज इंग्लैंड ने 209/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 465 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी। ओली पोप 106, हैरी ब्रूक 99 और बेन डकेट 62 रन बनाकर आउट हुए। जैमी स्मिथ ने 40 और क्रिस वोक्स ने 38 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा को 3, मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले। भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए थे।

राहुल-सुदर्शन खेल रहे

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 50 रन पार हो गई है। केएल राहुल ने ब्रायडन कार्स के ओवर में 2 चौके लगाकर कुल बढ़त को 50 पार पहुंचाया।

यशस्वी जायसवाल 4 रन बनाकर आउट, कार्स को विकेट

भारतीय टीम ने तीसरे ओवर में पहला विकेट गंवा दिया है। यहां यशस्वी जायसवाल 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराया।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं - रोहित

नई दिल्ली। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

बुमराह ने रुट को दसवीं बार आउट किया, अकरम का रिकार्ड तोड़ा

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह ने इस मैच की पहली पारी में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को 28 रनों पर पेवेलियन भेजा। बुमराह की गेंद पर रूट का कैच करुण नायर ने पकड़ा। इस प्रकार रुट को 10वीं बार बुमराह ने अपना शिकार बनाया। रुट ने आउट होने से पहले ओली पोप के साथ तीसरे विकेट के लिए 80 रन जोड़े। ऑल ने नाबाद 100 रन बनाये। बुमराह ने दिन भर में 48 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी के पहले ओवर की अंतिम गेंद पर ज़ैक क्रॉली को करुण के हाथों कैच आउट कराया। क्रॉली ने छह गेंदों पर चार रन बनाए। बुमराह ने बेन डकेट का भी विकेट लिया। डकेट ने 94 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 62 रन बनाए। डकेट का विकेट लेने के साथ ही बुमराह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन गये। इससे पहले इन देशों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज वसीम अकरम का था। बुमराह ने साल 2018 को टेस्ट डेब्यू के बाद से ही इंग्लैंड में 10 टेस्ट में 40 विकेट लिए हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 12 टेस्ट में 64 विकेट लिए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड में दो टेस्ट में छह विकेट और दक्षिण अफ्रीका में आठ टेस्ट में 38 विकेट अपने नाम किये हैं। वहीं अकरम के नाम सेना देशों में 147 विकेट हैं।

ट्रोल्स को आरजे महवश का करारा जवाब, बोलीं- 2019 से इंडस्ट्री में हूं

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग आज आम हो गई है, लेकिन कुछ सितारे ऐसे भी हैं जो चुप रहने के बजाय तीखे और तथ्यों से भरपूर जवाब देना जानते हैं। ऐसी ही एक मिसाल पेश की है आरजे महवश ने, जिन्हें हाल ही में फिर से ट्रोल किया गया कि क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने उनका करियर बना दिया। लेकिन इस बार महवश ने चुप्पी नहीं साधी बल्कि अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर आलोचकों को करारा जवाब दिया।

वीडियो की शुरुआत एक कमेंट के स्क्रीनशॉट से होती है जिसमें लिखा गया है, युजी भाई ने इसका करियर बना दिया। इसके जवाब में महवश कहती हैं, 2019 से इस इंडस्ट्री में हूं, आओ इससे पहले का अपना करियर दिखाती हूं। इसके बाद उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'सेक्शन 108' की झलक दिखाकर साफ कर दिया कि उनका करियर किसी के भरोसे नहीं बना। इतना ही नहीं, एक और कमेंट को पढ़ते हुए उन्होंने कहा, जब तू पैदा भी नहीं हुआ था न छोटू, तब से क्रिकेट शोज होस्ट कर रही हूं। 2019 से पिच पर हूं, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के फॉरवर्डेड मैसेज मत पढ़ा करो। इस दौरान उन्होंने एमएस धोनी, क्रिस गेल, मोहम्मद कैफ, शेन वॉटसन और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ अपनी मुलाकातों की झलक भी दिखाई।

अपने पोस्ट के कैप्शन में महवश ने लिखा, जब तक खुद के लिए नहीं बोलोगे, कोई तुम्हारे लिए नहीं बोलेगा।卐 उनका यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर फैंस ने उनके आत्मविश्वास और बेबाकी की जमकर तारीफ की। कई लोगों ने कहा कि ट्रोल्स को इसी अंदाज में जवाब देना चाहिए। महवश का यह जवाब न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महिलाएं आज अपने दम पर मुकाम बना रही हैं और किसी को उन्हें कमतर आंकने का हक नहीं है।

शुभमन गिल को बनना होगा कपिल देव जैसा लीडर- योगराज सिंह

मोहाली। भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह का मानना है कि टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा, ठीक उसी तरह जैसे कपिल देव ने 1983 के विश्व कप में किया था। भारत अब टेस्ट क्रिकेट के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है। इनके जाने के बाद टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है और एक नई लीडरशिप की शुरुआत हो रही है।

योगराज सिंह ने कहा कि शुभमन गिल को न केवल अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए बल्कि टीम को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने सलाह दी कि गिल को बल्लेबाजी करते समय खुद के लिए ऊंचे लक्ष्य तय करने चाहिए जैसे 100, 200 या यहां तक कि 300 रन और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहना चाहिए। उनके अनुसार, गिल को सिर्फ कप्तानी का बोझ नहीं उठाना, बल्कि प्रेरणा स्रोत बनकर टीम का नेतृत्व करना होगा। भारत इस समय रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर की भी कमी महसूस करेगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में गेंदबाजी विभाग में भी युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। योगराज सिंह को भरोसा है कि अगर शुभमन गिल ने सकारात्मक और प्रेरणादायक नेतृत्व दिखाया, तो भारत के पास इंग्लैंड को उसके ही घर में हराकर 2007 के बाद पहली बार कोई विदेशी टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि उन्होंने युवराज सिंह से भी गिल और अभिषेक शर्मा को लेकर चर्चा की है और दोनों ही खिलाड़ियों को नेतृत्वकारी भूमिका में बड़ा योगदान देना होगा।

एमएलसी 2025 में मिशेल के अर्धशतक से वाशिंगटन फ्रीडम जीती

कैलीफोर्निया। मिशेल ओवेन के शानदार अर्धशतक से मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 11वें मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क को 2 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही वाशिंगटन फ्रीडम ने सत्र में तीसरी जीत हासिल की। इससे अब फ्रीडम लाभ के साथ ही अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, तीसरी हार के साथ ही एमआई न्यूयॉर्क चौथे पायदान पर खिसक गयी है।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमआई न्यूयॉर्क ने क्विंटन डी कॉक और मोनांक पटेल के अच्छे प्रदर्शन से निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए। इस सलामी जोड़ी ने बीच के 6.1 ओवरों में 70 रन बनाये। मोनांक ने 20 गेंदों में पांच चौके लगाकर 32 रन बनाये। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े। कॉक इस पारी में अर्धशतक लगाने वाले अकेले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 34 गेंदों में 2 छक्कों और सात चौकों की सहायता से 55 रन बनाये। वहीं पूरन 30 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। माइकल ब्रेसवेल ने 24 गेंदों में तेजी से 42 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में में एक छक्का और पांच चौके लगाये। विरोधी टीम की ओर से ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल ओवेन और इयान हॉलैंड ने एक-एक विकेट लिया। इससे बाद वाशिंगटन फ्रीडम ने मिशेल के अर्धशतक से आ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मिशेल ने रचिन रविंद्र के साथ 2.5 ओवरों में 45 रन बनाये। रचिन 10 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। मिशेल ओवेन ने 26 गेंदों में पांच चौके और छक्के लगाकर 60 रन बनाये, जबकि मार्क चैपमैन ने 32 गेंदों में 45 रन बनाये। वहीं जैक एडवर्ड्स ने भी 30 रनों का योगदान देकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग में बेल्जियम ने भारत को 6-3 से हराया

एंटवर्प। बेल्जियम ने भारतीय हॉकी टीम को यहां चल रही एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग 2024-25 में 6-3 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया। बेल्जियम ने शुरुआत में ही दो गोल दागकर भारतीय टीम पर दबाब बना दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोलों से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दिला दी पर इसके बाद बेल्जियम ने अंतिम क्षणों में तीन गोल के साथ ही मुकाबला 6-3 से जीत लिया। बेल्जियम की ओर से आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल किये।

बेल्जियम को मैच की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया पर आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोलकर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने बराबरी पर आने के लिए जमकर प्रयास किये। बेल्जियम की ओर से हेंड्रिक्स ने मध्यांतर से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार तरीके से की पर बेल्जियम ने भारतीय टीम की रणनीति विफल कर दी। अंतिम दस मिनटों में खेल रोमांचक हो गया और विक्टर फाबर्ट के पर पर थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल दाग दिया। वहीं इसके बाद सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 पहुंच गया। अमित ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारतीय टीम की ओर से तीसरा गोल दागा पर तब तक देर हो गयी थी। अंतिम क्षणों में टॉम बून ने गोल कर बेल्जियम को जीत दिला दी।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

- आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है।

घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। 卐हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,卐 वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफ्रा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

बुमराह को बार-बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा - कार्तिक

लीड्स। पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार-बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा,卐बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा.

कार्तिक ने साथ ही कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं। एक दिन में जब बड़ी मुश्किल से 60 ओवर फेंके जाते हैं तब बुमराह ने पहले ही दिन 13 ओवर फेंक दिए। इससे साफ है कि हर बार जब आपको विकेट की जरूरत होती है, तो बुमराह को लाना पड़ा।卐 कार्तिक ने साथ ही कहा,卐 वह हमेशा टीम के लिए अधिक से अधिक विकेट लेते हैं। इसलिए आप उस आदत में पड़ जाते हैं पर दूसरों को निश्चित रूप से प्रेरित करने का तरीका अब कप्तान को तलाश होगा। वहीं अन्य गेंदबाजों को भी कहना होगा कि मैं तैयार हूं, मुझे गेंद दो, यह मेरी योजना है, मैं गेंदबाज करना चाहता हूं।

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिदांबरम स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा। इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादस से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए - कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था।

कोटक ने कहा,卐ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विवार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।卐

शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

वहीं उन्होंने आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के बारे में भी कहा कि वह अपनी अपनी योजनाएं खुद बनाते हैं और तय करते हैं कि कैसे खेलना है और फिर बल्लेबाजी करते जिन्होंने यहां पहली ही पारी में 178 गेंदों पर 134 रन बनाए। साथ ही कहा कि ऋषभ की ये पारी सामान्य शैली से थोड़ी अलग थी पर ये उनकी योजना का ही हिस्सा था। वह पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पाये थे जिसको देखते हुए अन्होंन इस पारी में अपना अंदाज बदला है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौर में उनपर लापरवाही से बल्लेबाजी के आरोप लगे थे।

मध्यप्रदेश-गुजरात समेत 19 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश, बालासोर में सुवर्णरेखा नदी में आई बाढ़

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने रविवार को मध्यप्रदेश, यूवी समेत देश के 19 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, बिहार, बंगाल, झारखंड, कर्नाटक, केरल, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर में यलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में शनिवार शाम से जोरदार बारिश हो रही है। ओडिशा के बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हो गए हैं। नदी का जलस्तर 10.36 मीटर के खतरे के निशान को पार कर गया है।

मध्य प्रदेश के चित्रकूट में शुक्रवार रात से हो रही बारिश से

बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं को वहां जाने से रोक दिया गया है। गुना में फतेहगढ़ की कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई, इसमें तीन युवकों की मौत हो गई। राजस्थान के जोधपुर में बरसात के कारण पुलिया पर पानी के बीच कार निकाल रहे एक शख्स की कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से कारोबारी और उनके समधी-समधन की मौत हो गई।

सोमवार 23 जून को हिमाचल, उत्तराखंड, यूपी, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण गोवा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं अकेले मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, बिहार, सिक्किम, बंगाल, कर्नाटक और केरल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 24 जून को गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण गोवा, बिहार, छत्तीसगढ़, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। सिक्किम, बंगाल, पूर्वी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, यूपी, ओडिशा, झारखंड, दिल्ली, चंडीगढ़, विदर्भ, बंगाल, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर सेवाएं बंद, सभी हेली कंपनियां वापस लौटीं

-15 जून के हादसे के बाद नहीं किसी भी हेली ने नहीं भरी थी उड़ान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भरने वाली सभी आठ हेली कंपनियां तय समय से दो दिन पहले ही वापस लौट गई हैं। शनिवार को हेली कंपनियों ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। दूसरे चरण की हेली सेवा अब आगामी सितंबर माह से शुरू होगी। केदारनाथ धाम के लिए 22 जून तक हेली कंपनियों के टिकट बुक थे, लेकिन 15 जून को गौरीकुंड खर्क के पास हुई हेली दुर्घटना के बाद से उड़ान शुरु नहीं हो पाई थी।

डीजीसीए ने भी सख्त निर्देश हेली कंपनियो को दिए हुए थे। हादसे के बाद दो दिन तक सरकार ने उड़ान पर रोक लगाई, लेकिन इसके बाद मौसम खराब होने के कारण उड़ान नहीं हो सकी। हालांकि इस बीच मौसम कई बार साफ भी रहा लेकिन कोई भी हेली ने उड़ान नहीं भरी। इसके पीछे कयास लगाए जा रहे हैं, कि डीजीसीए के सख्त निर्देश के बाद कोई भी हेली कंपनी रिस्क नहीं लेना चाहती थी।

वहीं अब हेली सेवा की तय समय से दो दिन पूर्व ही सभी हेली कंपनियों वापस लौट गई है। 15 जून से लेकर अब तक सात हजार से ज्यादा टिकट कैंसिल हो चुके हैं। वहीं हेलीपैडों पर सन्नाटा है। हेली सेवाएं दे रही पवनहंस, हिमालयन हेली, ग्लोबल, थंबी, ऐरा कंपनियां वापस लौट गई हैं, जबकि हेली दुर्घटनाओं के चलते डीजीसीए आर्यन, ट्रांस भारत और क्रिस्टल की सेवाएं पहले ही बंद करा दी थी।

दूसरे चरण की हेली सेवाएं सितंबर माह से शुरू होती हैं, सेवा मौसम पर निर्भर करती हैं, यदि मौसम साफ रहा तो सितंबर के पहले सप्ताह में सेवाएं शुरू की जाएंगी, नहीं तो 15 सितंबर के बाद शुरू होंगी। हेली सेवाओं के नोडल अधिकारी ने बताया कि सभी हेली सेवाएं वापस लौट गई हैं।

दुर्घटनाग्रस्त विमान की पूंछ पेड़ में फंसी, काफी मशक्कत के बाद मलबे से लदे ट्रक को निकाला

अहमदाबाद। दुर्घटना विमान का मलबा ले जा रहे ट्रक में उस वक्त ब्रेक लग गई जब प्लेन की टेल (पूंछ) एक पेड़ में फंस गई7 जिसके बाद पूरी सड़क बंद कर दी गई और विमान का पिछला हिस्सा हटाया गया। इसके लिए पुलिस और दमकल की टीमें तैनात की गईं। ट्रक में लदे विमान का पिछला हिस्सा शाहीबाग डफनाला के पास एसीबी कार्यालय के सामने एक पेड़ में फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। मौके पर पहुंचकर ऑपरेशन शुरू किया गया। शाहीबाग श्मशान घाट से कैंप हनुमान मंदिर तक का रास्ता बंद कर दिया गया। इसके बाद पेड़ की कुछ टहनियों को काटा गया। इसके अलावा ट्रक की हवा भी कम कर दी गई थी। जिससे ट्रक थोड़ा नीचे हो गया। इस तरह काफी मशक्कत के बाद पूंछ को सफलतापूर्वक निकाला गया।

75 साल पुराने पेड़ों की देखभाल करने वालों को मिल रही पेंशन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 75 साल से ज्यादा पुराने पेड़ों की देखभाल के लिए 'प्राण वायु देवता योजना' शुरु की थी। इसके तहत इस साल भी आवेदन लिए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत पेड़ों के मालिकों को हर साल 3000 रुपए की पेंशन दी जाती है, ताकि इन विरासत वृक्षों का संरक्षण और रखरखाव हो सके।

इस योजना की शुरुआत 2021 में तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर ने की थी। इसका उद्देश्य राज्य के ऐतिहासिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने पेड़ों को संरक्षित करना था। इन्हें 'विरासत वृक्ष' का दर्जा दिया जाता है। वन विभाग के मुताबिक वर्तमान में प्रदेश में करीब 4000 पेड़ इस योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। करनाल के वन अधिकारी ने बताया कि विभाग इस संख्या को और बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने पेड़ पर्यावरण के लिए उपयोगी हैं, ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। इन्हें संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सरकार का मानना है कि इस पहल से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और आमजन को भी पेड़ों की महत्ता का अहसास होगा। साथ ही यह योजना लोगों को प्राकृतिक धरोहरों को सहेजने के लिए प्रेरित भी कर रही है। इस योजना से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ पेड़ की उम्र का प्रमाण और भूमि स्वामित्व के दस्तावेज भी अनिवार्य हैं। हरियाणा सरकार की यह पहल देशभर में अनूठी है, जो पेड़ों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि प्राणवायु देवता के रूप में सम्मान दे रही है।

जरुरी नहीं कि पड़ौसी से हमेशा बेहतर संबंध रहें- जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों के मामले में हर समय सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बिना अधिक विवरण साझा किए जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ काम करने से आपको लाभ होगा और भारत के साथ काम न करने की एक कीमत चुकानी पड़ेगी।

संवाद सत्र के दौरान विदेश मंत्री ने कहा, कुछ लोगों को इसे समझने में अधिक समय लगता है, जबकि कुछ लोग इसे बेहतर समझते हैं। बेशक इसका एक अपवाद पाकिस्तान है, क्योंकि उसने अपनी पहचान सेना के तहत परिभाषित की है और उसमें शत्रुता का भाव है। इसलिए यदि आप पाकिस्तान को एक तरफ रख दें, तो यह तर्क हर जगह लागू होगा। जयशंकर ने शनिवार रात अपने एक्स हैंडल पर लगभग एक घंटे की बातचीत का लिंक साझा किया। विदेश मंत्री से एक रणनीतिक विशेषज्ञ के साथ बातचीत में पिछले 11 वर्षों में अमेरिका और चीन के रुख में आए बदलावों के बारे में भी पूछा गया और पूछा गया कि नयी दिल्ली इस बदलाव को कैसे देखती है। जयशंकर ने कहा, जहां तक ??अमेरिका का सवाल है, हां, उसके बारे में अंदाजा लगाना मुश्किल है, इसलिए एक व्यवस्थित स्तर पर, आप इसे यथासंभव अधिक से अधिक संबंधों के साथ स्थिर करते हैं। उन्होंने कहा, यदि आपको चीन के सामने खड़ा होना है, तो हम काफी कठिन दौर से गुजर चुके हैं, इसलिए क्षमताओं को बेहतर बनाना महत्वपूर्ण है।

ठेकेदार इंजीनियर सुनील को आर्थिक अपराध शाखा ने भेजा नोटिस, सियासत गर्माई

-विधायकों की खरीद-फरोख्त, किडनैपिंग साजिश जांच में आया नाम

पटना। इन दिनों बिहार में राजनीतिक हलचल यूं तो विधानसभा चुनाव को लेकर वैसे ही तेज हो चली है, लेकिन इसी बीच एक बड़े खुलासे ने राजनीतिक गलियारे और ज्यादा गरमाने का काम कर दिया है। आजेडी से जुड़े ठेकेदार और इंजीनियर सुनील को आर्थिक अपराध शाखा (ईओयू) ने पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। यह मामला पिछले साल पटना के कोतवाली थाने में दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें विधायकों को महागठबंधन के पक्ष में वोट देने के लिए पैसों का लालच और अपहरण की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।

यह मामला उस समय का है जब जेडीयू और बीजेपी गठबंधन की नई सरकार को बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट से गुजरना था। उसी दौरान आरोप लगे कि महागठबंधन की ओर से जेडीयू विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही है। जेडीयू विधायक सुधांशु शेखर ने आरोप लगाया था कि उन्हें

10 करोड़ रुपये का ऑफर देकर महागठबंधन के पक्ष में वोट देने को कहा गया। विधायक कृष्ण मुरारी शरण को मंत्री पद देने का लालच देने की बात सामने आई। वहीं बीमा भारती और दिलीप राय के अपहरण की कोशिश का भी आरोप लगा था।

यहां बताते चलें कि ईओयू की ओर से जारी किए गए नोटिस ठेकेदार सुनील के दो ठिकानों पर भेजे गए हैं, इनमें पहला किदवईपुरी (पटना) स्थित आवास है जबकि दूसरा सहदुल्लापुर गांव (गंगा बृज थाना, वैशाली) स्थित घर को बताया गया है। इसी के साथ ईओयू ने सुनील को मामले की जांच में सहयोग करने और पूछताछ में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

बताया जाता है कि ईओयू की जांच में इस साजिश का बहु-राज्यीय नेटवर्क सामने आया है। शुरुआती जांच में जिन जगहों का नाम सामने आया है, उनमें उत्तर प्रदेश, झारखंड, दिल्ली और नेपाल (अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन का संकेत) शामिल हैं। इन सभी जगहों से अवैध रूप से धन भेजने, विधायकों से संपर्क करने और दबाव बनाने की गतिविधियों के साक्ष्य मिलने की बात कही जा रही है।

जांच क्यों है अहम?

यह मामला न केवल राजनीतिक भ्रष्टाचार से जुड़ा है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दुरुपयोग की आशंका को भी सामने लाता है। विधायकों को लालच और धमकी देकर वोट प्रभावित करने का प्रयास भारतीय लोकतंत्र की गंभीर अवहेलना मानी जा रही है। खास बात यह है कि ईओयू इस मामले की अब दोबारा तेजी से जांच कर रही है और सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में और भी बड़े नामों पर शिकंजा कस सकता है। इसलिए भी इस पूरे मामले को बिहार में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

ऑपरेशन नियमों की लगातार अनदेखी पर डीजीसीए की एअर इंडिया को चेतावनी

अगर फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बडियां जारी रहीं, तो लाइसेंस कर देंगे सस्पेंड

नई दिल्ली(ईएमएस)। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एअर इंडिया को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बडियां जारी रहीं, तो एयरलाइन का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम पायलट ड्यूटी शेड्यूलिंग और निगरानी में लगातार और गंभीर उल्लंघनों के कारण उठाया गया है। इससे पहले शनिवार को डीजीसीए के आदेश पर एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाया था। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं।

एअर इंडिया इन अधिकारियों को क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़ी सभी जिम्मेदारियों से तत्काल हटाए। इन अधिकारियों के खिलाफ इंटर डिसिप्लिनरी एक्शन तुरंत शुरू करे। 10 दिन में डीजीसीए को रिपोर्ट दे। इन अधिकारियों को जब तक सुधारात्मक प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक नॉन-ऑपरेशनल पदों पर ट्रांसफर किया जाए और इन्हें किसी भी फ्लाइट सेफ्टी या क्रू अनुपालन जुड़ी पोस्ट पर काम करने की परमिशन न दी जाए। भविष्य में क्रू शेड्यूलिंग, लाइसेंसिंग या फ्लाइट समय से जुड़े किसी भी नियम का उल्लंघन पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें जुर्माना, लाइसेंस निलंबन या ऑपरेटर परमिशन कैंसिल करना शामिल हो सकता है।

डीजीसीए ने एअर इंडिया की ऑडिट डीटेल्स भी मांगी

डीजीसीए ने एअर इंडिया के 2024 से किए गए सभी इंस्पैक्शन और ऑडिट का ब्यौरा मांगा है। डीजीसीए ने फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर्स से एअर इंडिया का ब्यौरा 22 जून तक उपलब्ध कराने को कहा है। यह डेटा प्लान-अनप्लांड इंस्पैक्शन, ऑडिट, कॉकपिट/एनरूट, स्टेशन फैसिलिटी, रैंप और केबिन इंस्पैक्शन के बारे में है। इधर, प्लेन हादसे में मारे गए लोगों के परिजन और आश्रितों को अंतरिम मुआवजा दिया जाने लगा है। 20 जून से शुरू हुई इस प्रक्रिया में अब तक तीन परिवारों को भुगतान मिल चुका है। शेष दावों पर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को किया गिरफ्तार, काले बैग के बारे में करेगी पूछताछ

-राजा की हत्या के बाद विशाल को ब्रोकर जेम्स ने फ्लैट किराए पर दिया था

शिलांग। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक और गिरफ्तारी हुई है। शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार रात प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। ये ब्रोकर वही है, जिसने राजा हत्याकांड के आरोपी विशाल को इंदौर के देवास नाका का फ्लैट किराए पर दिया था। सरेंडर से पहले इसी फ्लैट में सोनम ने फरारी काटी थी। सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूत छिपाने, नष्ट करने के मामले में सहआरोपी बनाया है।

प्रॉपर्टी ब्रोकर ने फ्लैट के गार्ड के साथ मिलकर उस बैग को गायब किया था, जिसमें पिस्टल और पांच लाख रुपए के साथ राजा के जेवर होने की बात कही थी। उधर, सोनम और राज को 13 दिनों की न्यायायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम के परिवार, ऑफिस, गोदाम के कर्मचारियों और राजा के परिजन के बयान दर्ज किए हैं। शिलॉन्ग पुलिस उस काले रंग के बैग की तलाश में इंदौर आई थी, जिसके बारे में सोनम ने बताया था।

सोनम ने पुलिस से कहा था कि राज कुशवाहा ने राजा को ठिकाने लगाने के लिए एक पिस्टल खरीदी थी। पहले पिस्टल से ही राजा को मारने का प्लान था। बाद में धारदार हथियार से मारा। पिस्टल और पांच लाख रुपए

काले बैग में कपड़ों के बीच छिपाकर रखे थे। ये बैग सोनम के प्रेमी राज कुशवाह ने विशाल के जरिए ऑटो रिक्शा बुक करके सोनम के पास देवास नाका के फ्लैट में भेजा था। 8 जून को इंदौर से निकलते समय सोनम बैग फ्लैट में छोड़कर आई थी। फ्लैट की चाबी गार्ड को सौंपकर दी थी। सोनम के जाने के बाद 10 जून को सिलोम जेम्स अपनी कार से फ्लैट में पहुंचा और बैग उठाकर ले गया।

शनिवार को शिलांग पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ के बाद सिलोम को दबोच लिया जो दिल्ली भागने की फिराक में था। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस उसे साथ में ले जा सकती है। वहीं, पुलिस को अब काले बैग की तलाश है, जिसके बारे में सिलोम जेम्स जानता है। गार्ड को भी शिलॉन्ग पुलिस तलाश रही है। वह भी शक के दायरे में है। इस मामले में इंदौर पुलिस ने बताया कि सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि शिलॉन्ग से आई एसआईटी सिलोम जेम्स की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर रही है। पूछे जाने पर कि क्या शिलॉन्ग पुलिस जेम्स के अपने साथ लेकर मेघालय जाएगी? उन्होंने कहा कि अभी इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है तो पहले उन्हें ट्रांजिट रिमांड लेनी पड़ेगी, उसके बाद लेकर जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद से की बात, पश्चिम एशिया के हालात पर जताई चिंता

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का हल कूटनीति और संवाद से ही निकाला जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हमने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है। साथ ही, क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की आवश्यकता पर भी बल दिया।

यह बातचीत क्यों मानी जा रही अहम

पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण हालात चल रहे हैं, ऐसे में अमेरिका का ईरान के परमाणु क्षेत्रों में हमला मामले को और गंभीर बनाता प्रतीत हुआ है। वैसे भी दोनों देशों में हाल के दिनों में हमलों और जवाबी कार्रवाइयों से हालात और बिगड़े हैं। भारत के लिए पश्चिम एशिया रणनीतिक, ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतियों की सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में भारत की शांति और स्थिरता की अपील अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक संतुलित और जिम्मेदार रुख के तौर पर देखी जा रही है।

मोरारी बापू से मिले बाबा रामदेव और बोले- बापू महापुरुष, उनकी आलोचना उचित नहीं

वाराणसी। प्रसिद्ध कथा वाचक मोरारी बापू की नौ दिवसीय रामकथा का रविवार को काशी में समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बापू ने यह कहते हुए एक बार फिर सभी महापुरुषों से क्षमा मांगी कि उन्हें लग रहा है मानो कथा अभी अधूरी है। बापू इसी के साथ वचन दिया कि अगली बार वे काशी कबीर मानस लेकर आएंगे। इस अवसर पर योगगुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से बापू से मिलने पहुंचे थे। बाबा रामदेव ने यहां कहा कि बापू की आलोचना न तो उचित है और न ही आवश्यक। बापू तो राष्ट्र और संस्कृति की धरोहर हैं। वे बचपन से रामकथा कहते आ रहे हैं। उनके जीवन का उद्देश्य केवल राम की महिमा का गुणगान है। इसी के साथ रामदेव ने बापू को महापुरुष की संज्ञा भी दी।

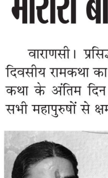

इस अवसर पर मोरारी बापू ने कहा, योग जरूरी है, लेकिन परमात्मा और परस्पर प्रेम उससे भी अधिक जरूरी है। अगर प्रेम नहीं है, तो योग, ज्ञान, कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं रह जाता। उन्होंने सिंदूर की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए कहा, शिव-पार्वती का सिंदूरदान आधि-दैविक है, जबकि राम द्वारा जानकी की मांग भरना आध्यात्मिक है। अगर कोई बुद्ध पुरुष हमें अपनाता है, तो वही हमारे जीवन का सिंदूर है। बापू ने इस बात पर भी बल दिया कि हिंदू सनातन धर्म सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यह सभी को स्वीकार करता है, सभी का सम्मान करता है।

बापू के आगे बेटा क्या बोलेगा - रामदेव

बाबा रामदेव इस अवसर पर भावुक हो गए और कहा, कि हमें नहीं पता था कि काशी आना है, लेकिन बापू और शिव की कृपा से आ गए। हम सोच रहे थे कि क्या कहें? पर बाप के सामने बेटा क्या बोलेगा। उन्होंने मंच से कहा कि बापू के दो पुत्र हैं ङ्क एक पार्थिक और दूसरा पारमार्थिक, और हम सभी उनकी आत्मिक संतान हैं। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि बापू की आलोचना अगर विधर्मी करते तो समझ आता, लेकिन सनातनी खुद क्यों तनातनी में लगे हैं? यह सनातन धर्म की संस्कृति नहीं है। बाबा रामदेव ने मंच से स्पष्ट किया कि बापू और मैं किसी भी राजनीति से नहीं जुड़े हैं। न हमें किसी नेता ने बुलाया है, न हम किसी राजनीतिक उद्देश्य से यहां हैं। उन्होंने कहा कि बापू के पास इतनी शक्ति है कि वह राजनेता बना सकते हैं, लेकिन कोई राजनेता उन्हें नहीं बना सकता।

पहले कुछ ही मुसलमान आते थे अब संख्या बढ़ गई

बाबा रामदेव ने कहा कि कथा स्थल पर पहले कुछ ही मुसलमान आते थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़ गई है, जो सनातन धर्म की व्यापकता और समावेशी स्वरूप को दर्शाता है। काशी की यह कथा केवल राम की महिमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्रेम, स्वीकार्यता और सनातन संस्कृति का ऐसा मंच बन गई, जहां से बापू और बाबा रामदेव ने समाज को विचार और आत्मचिंतन का संदेश दिया। मोरारी बापू का यह कथन कि मैं नित्य प्रसन्न हूं, क्योंकि मेरे बुद्ध पुरुष ने मेरी मांग भरी है, आध्यात्मिक प्रेम की गहराई को दर्शाता है, जो सनातन संस्कृति का मूल है।

हट्टा थाने के ग्राम मंगोली खुर्द में बलवा

एक ही परिवार के आधा दर्जन लोगों ने घर में घुसकर मां बेटे को कुल्हाड़ी तलवार और लोहे के पाइप से मारपीट कर किये घायल, घायल मां बेटे जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मंगोली खुर्द में एक ही परिवार के आधा दर्जन लोगों ने बलवा करते हुए एक महिला और उसके बेटे को कुल्हाड़ी तलवार और लोहे के पाइप से मारपीट कर घायल कर दिए। 21 जून की शाम यह वारदात आपसी पुरानी रंजिश के चलते हुई। मारपीट में घायल महिला पूर्णिमा पति स्वर्गीय ईश्वरदास खांडेकर 48 वर्ष उसके बेटे रोहित पिता ईश्वर दास खांडेकर 28 वर्ष दोनों ग्राम मंगोली खुर्द निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहित खांडेकर के परिवार में मां पूर्णिमा खांडेकर के अलावा वे दो भाई एक बहन है ।रोहित खांडेकर की शादी हो चुकी है। इसका एक बेटा भी है। रोहित खांडेकर बाए हाथ पैर से निकला होने के कारण घर में ही रहता है ।रोहित खांडेकर का उनके घर के सामने रहने वाले बारेकर परिवार के साथ पूर्व से आपसी रंजिश चल रही थी। 26 जून की शाम 6ः30 बजे करीब रोहित अपनी मां पूर्णिमा पत्नी सपना और बच्चे के साथ घर में था। तभी सामने रहने वाले विपिन बारेकर,आशीष बारेकर, चतुरदास बारेकर,रंजीत बारेकर,आंचल बारेकर,गजल बारेकर सहित अन्य लोगों ने रोहित खांडेकर के घर में घुसकर पूर्व रंजिश को लेकर कुल्हाड़ी तलवार डंडे से मारपीट करने लगे। मारपीट में कुल्हाड़ी के वार से रोहित खांडेकर की मां पूर्णिमा खांडेकर सिर में चोट लगने से घायल हो गई वहीं इन लोगों ने रोहित खांडेकर को लोहे के पाइप तलवार से वार किये। बीच बचाव करने के लिए रोहित खांडेकर की पत्नी सपना खांडेकर आई तो उसे भी हाथ बुक्के से मारपीट किए और। इन लोंगो ने रोहित खांडेकर और उसकी मां पूर्णिमा खांडेकर को दूबारा विवाद करने पर सभी को जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल रोहित खांडेकर उसकी मां पूर्णिमा खांडेकर को 108 एंबुलेंस जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने रोहित खांडेकर का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

चरित्र शक पर एक व्यक्ति ने पत्नी को लकड़ी से मारपीट कर किया घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम धापेवाड़ा में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उसे अन्य महिला के साथ लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिए घायल महिला पुस्तकला पति सुखा जी बम्बूरे 40 वर्ष वार्ड नंबर 4 ग्राम धापेवाड़ा निवासी का इलाज कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल में करवा कर उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति सुखाजी पिता काशीराम बम्बूरेऔर महिला साधना पति चैनलाल दोनों ग्राम धापेवाड़ा निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुस्तकला बम्बूरे मजदूरी करती है। जिसके परिवार में पति सुखा जी बम्बूरे एवं दो बच्चे हैं। बड़ी बेटी अर्चना बम्बूरे की शादी हो गई है। तथा छोटा बेटा प्रेम बम्बूरे अपाहिज है जो चल फिर नहीं सकता घर में ही रहता है। 21 जून के दिन में 10 बजे पुस्तकला गांव की सोसाइटी में राशन लेने गई थी। और वह राशन लेकर दोपहर 3 बजे घर वापस आ गई थी। जिसका पति सुखा जी बम्बूरे गांव में ही कवेलू छाने के लिए गया था। शाम 7 बजे सूखा जी बम्बूरे अपने साथ शराब लेकर घर आए और घर में शराब पिए। जिसे पुस्तकला ने खाना खाने दी तो वह खाना नहीं खाए और वह पुस्तकला के चरित्र पर शक करते उसे अश्लील गालियां देने लगा और पड़कर गांव में ही साधना के घर लेकर गया और साधना को बाहर बुलाया ।जिसके बाद तब सूखा जी बम्बूरे ने साधना के साथ मिलकर अपनी पत्नी पुस्तकला को लकड़ी से बेरहमी से मारपीट कर दिए और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बात पुस्तकला ने इस घटना के संबंध में गांव के सरपंच पवन सुलाखे को बताई। 22 जून को। सुबह पुस्तकला ने फोन करके अपनी बेटी अर्चना और जवाई आलोक लिल्हारे को बताई और रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंची। कोतवाली पुलिस ने मारपीट में घायल महिला पुस्तकला का इलाज और मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति सुखाजी पिता काशीराम बम्बूरे 38 वर्ष और महिला साधना पति चैन लाल दोनों वार्ड नंबर 2 ग्राम धापेवाड़ा निवासी के विरुद्ध धारा 296 115(2)351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

मोटरसाइकिल चालक को चलती मोटरसाइकिल में सांप ने काटा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मोटरसाइकिल के चालक को चलती मोटरसाइकिल में सांप ने काट दिया। सांप के काटने से अस्वस्थ मोटरसाइकिल चालक मोनु पिता श्यामराव वंशकार 30 वर्ष वार्ड नंबर 29 जय प्रकाश कॉलोनी बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोनू बंशकार बैंड बाजा बजाने का काम करता है। 21 जून को मोनु बंशकार अपनी मोटरसाइकिल में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ ज्वाला देवी मंदिर जा रहे थे जैसे ही वे लोग मोटरसाइकिल से ज्वाला देवी मंदिर रोड में स्थित वाटर पार्क गए थे। पानी नहीं होने से मोनू वंशकार पत्नी और बच्चों को लेकर घर वापस आ रहा था। उसी समय 2 बजे करीब सीआरपीएफ कैंप के पास पहुंचे ही थे कि रोड से एक सांप पार हो रहा था ।इस सांप के ऊपर से मोटरसाइकिल के सामने का चक्का चला गया। तो सांप ने मोनु बंशकार के दाहिने पैर के घुटना और एड़ी के बीच काट दिया। इसके बाद मोनू बंशकार तुरंत ही मोटरसाइकिल से अपना इलाज करवा करने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी बालाघाट जिले में कानून का राज नहीं होने पर बालाघाट जिले की जनता को जवाब दीजिये ।

1- माननीय मुख्यमंत्री जी संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत आपने संविधान की शपथ लेकर मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सम्हाली किंतु बालाघाट में संविधान एवं कानून का राज क्यों नहीं है?

2- मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री होने के अतिरिक्त वन एवं गृह विभाग भी आपके ही पास है। आपके वन विभाग में बालाघाट में जारी भ्रष्टाचार की जिम्मेदारी किसकी है?

3- आपने भ्रष्टाचार अधिनियम 1988 की धारा 17ए एवं 18ए पर रोक लगाकर बिना शासन की अनुमति के भ्रष्टाचार के विरूद्ध जांच करने वाली केन्द्र एवं राज्य की सभी एजेंसियों को निकम्मा बना दिया फिर भ्रष्टाचार पर रोक कौन लगायेगा?

4- बालाघाट के दक्षिण वनमुण्डल सामान्य बालाघाट से वनमण्डलाधिकारी द्वारा 10 से अधिक बिल्डिंग वन परिक्षेत्राधिकारियों द्वारा बनायी गयी सभी घटिया निर्माण है। जाँच कौन करेगा?

5- भारत सरकार की पी.एम. जन मन योजना (पी.व्ही.टी.जी.) योजना के अंतर्गत बैगाओं के 600 से अधिक आवास बिना बने ही राशि आहरण कर ली गयी। मामले की जाँच कौन करेगा?

6- उत्तर वन मण्डल सामान्य बालाघाट के उकवा वनमण्डल में लामता वन परिक्षेत्र के धुनाड़ी बीट में वृक्षारोपण के लिये 10 हजार गढ्ढों के स्थान पर 4 हजार गढ्ढे खोदकर राशि आहरण कर ली गयी। मामले की जाँच कौन करेगा?

7- दक्षिण वन मण्डल सामान्य बालाघाट के वनमण्डलाधिकारी द्वारा पश्चिम वन परिक्षेत्र सामान्य लांजी के परिक्षेत्राधिकारी से सुखराम नेवारे के नाम सर्च वारंट से शिवलाल एवं हुलासराम नारनौरे के घर की तलाशी करवा दी। इस मामले की जाँच कौन करेगा?

8- दक्षिण वनमण्डल सामान्य बालाघाट के वनमण्डलाधिकारी द्वारा शिकार किये गये वन्य प्राणी सुअर की डेड ब्वाडी बिना पी.एम. के जलवा दी। अप्रैल 2025 की घटना है। यह गंभीर मामला है। जांच कब होगी। यह कार्यवाही पश्चिम वन परिक्षेत्र लांजी में की गई है।

9- दक्षिण वन मण्डल सामान्य के पश्चिम वन परिक्षेत्र लांजी सामान्य में बैगा विकास के नाम कट्टीपार वृत्त एवं रिसेवाड़ा वृत्त में 24-25 लाख की 11 सड़कों का निर्माण मटेरियल सप्लाई के फर्जी बिलों को लगाकर जंगल की गिट्टी मुरूम एवं मिट्टी से करवा दिया एवं 11 सड़कों में 2.50 करोड़ का फर्जी आहरण किया गया। इस मामले की जांच कौन करेगा? सभी एम.बी. में डाटा फर्जी हैं।

10- उत्तर वन मण्डल सामान्य के बैहर पूर्व, बैहर पश्चिम, बिरसा रेंज एवं गढ़ी रेंज में 100 से अधिक तकनीकी स्वीकृतियों पर बिना कार्य करवाये राशि आहरण कर ली तथा सड़क एवं पुलियों का निर्माण कर दिया गया। मामले की जांच कौर करेगा?

11- बालाघाट जिले में म.प्र.शासन के प्रभारी मंत्री के बिना अनुमोदन के वनमण्डलाधिकारी स्थानान्तरण कर रहे हैं। इस मामले में नेहा श्रीवास्तव वनमण्डलाधिकारी को बचाया जा रहा है। आपकी सरकार कब तक कार्यवाही करेगी?

12- बालाघाट में आप 5 बार से अधिक आये किंतु आपने अपने अधिनस्थ वन विभाग एवं खनिज विभाग के अधिकारियों की बैठक नहीं ली?

आप मेरे प्रश्नों का उत्तर ना सही मामले में जांच करवाकर दोषियों को दण्डित कीजिये, यही आपका जवाब होगा।

किशोर समरीते
राष्ट्रीय अध्यक्ष
संयुक्त कांति पार्टी
एवं पूर्व विधायक-लांजी
तह. लांजी, जि. बालाघाट (म.प्र.)

URGENT REQUIREMENT
THERE IS REQUIREMENT OF STAFF FOR REPUTED ENGLISH MEDIUM SCHOOL AT KIRNAPUR
1. VICE PRINCIPAL(1 POST)
QUA:- GRADUATION+GOOD IN ENGLISH+D.ED./B.ED
2.COUNCELER(2 POST)
QUA:- GRADUATE+COMMUNICATION SHOULD BE STRONG+GOOD COMPUTER KNOWLEDGE.
3.TEACHERS(10 POST)
QUA:- GRADUATE+ GOOD IN ENGLISH+ B.ED/D.ED.
4.YOGA TEACHER/ACTIVITY TEACHER(1 POST)
QUA:- GRADUATE IN YOGA.
5. PEON(2 POST)
*CANDIDATE SHOULD BE LOCAL OR NEAR OF AREA.
* CAN BE CONVINCENT WITH TIMING.
*FRESHER OR EXPERIENCE CAN BE APPLIED.
*ONLY NEEDY PERSON CONTACT.
CONTACT:- 7987431437
KIDZ VALLEY ENGLISH SCHOOL, KIRNAPUR

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट